शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 101 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 4 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एआईयूडीएफ के अध्यक्ष व सांसद बदरुद्दीन अजमल का फूंका पुतला पेज 3
गुजराद में एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में होगा मतदान, आठ को नतीजे पेज 4
यूपी में पिछड़ी जातियों का जीवनस्तर सुधारने में जुटी योगी सरकार पेज 5
सीमापार से घुसपैठ कर रहे तीन आंतकी ढेर पेज 8

असम मेडिकल कॉलेज का प्लेटिनम जुबली समारोह

एएमसी को अनुसंधान संस्थान में बदलने का इच्छुक हूं : मुख्यमंत्री

डिब्रुगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार असम मेडिकल कॉलेज (एएमसी) को नए युग की बीमारियों से निपटने के लिए उत्तरदायी अत्याधुनिक अनुसंधान संस्थान में बदलने की सुविधा देने की इच्छुक है। गुरुवार को डिब्रुगढ़ स्थित एएमसी के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस प्रमुख संस्थान को गंभीर बीमारियों से निपटने के लिए अनुसंधान पर पर्याप्त जोर देने के साथ स्वयं को अत्याधुनिक चिकित्सा संस्थान में अपग्रेड करने की जरूरत है। उन्होंने एएमसी को उच्च चिकित्सा अनुसंधान के लिए राज्य सरकार और आईआईटी गुवाहाटी के बीच साझेदारी के साथ समन्वय करने के लिए भी कहा। डॉ. शर्मा ने एएमसी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए ब्रिटिश मूल के डॉ. जॉन बेरी व्हाइट और गोपीनाथ बरदलै को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षक क्वार्टरों और छात्रों के छात्रावासों के निर्माण के लिए एएमसी को 300 करोड़ रुपए देगी। चिकित्सा शिक्षा और उपचार में अपनी समृद्ध विरासत को बनाए रखने के लिए एएमसी की सराहना करते हुए उन्होंने कॉलेज प्रबंधन से अपने हरित परिवेश के अनुरूप इसकी वृद्धि और विकास शुरू करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि 75 साल लंबा समय है और इस अवधि के दौरान, एएमसी ने कई डॉक्टर दिए हैं जो अब विशेषज्ञता के अपने चुने हुए क्षेत्रों में अग्रणी हैं। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व छात्रों को बधाई दी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से 1947 बैच के कामाख्या प्रसाद चक्रवर्ती के पूर्व छात्र के प्रति आभार व्यक्त किया, जो व्यक्तिगत रूप से प्लेटिनम जुबली समारोह में उपस्थित थे। उन्होंने श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति से राज्य में सर्वश्रेष्ठ एमबीबीएस स्नातक को सम्मानित करने के लिए जॉन बेरी व्हाइट के नाम पर 5 लाख रुपए के नकद पुरस्कार के साथ एक पुरस्कार स्थापित करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि एएमसी अपनी स्थापना -शेष पृष्ठ दो पर

इमरान खान के काफिले पर हमला, पैर में लगी गोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमले की खबर सामने आई है। खबरों के मुताबिक एक रैली के दौरान उनके काफिले पर गोलीबारी हुई है।

फायरिंग के दौरान इमरान खान के पैर में गोली लगने की बात भी सामने आई है। हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय मीडिया द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इमरान खान पाकिस्तान के वजीराबाद में एक रैली कर रहे थे। इसी दौरान उनके कंटेनर के पास गोलीबारी हुई। जिसमें उनके दाहिने पैर पर गोली लगी है, इस दौरान कई अन्य लोगों के भी घायल होने की खबर सामने आई है। हमले के तुरंत बाद पुलिस ने घायल इमरान खान को उनके कंटेनर से एक बुलेट प्रूफ वाहन में स्थानांतरित किया है। पूर्व प्रधानमंत्री पर हुए हमले के बाद, तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर एक अज्ञात स्थान पर स्थानांतरित कर दिया है। हमले के बाद जारी की गई प्रारंभिक जानकारी में बताया गया था कि, इमरान खान सुरक्षित हैं। हालांकि, बाद में बताया गया कि उनके दाहिने -शेष पृष्ठ दो पर

हालात पर हमारी नजर : भारत

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान पर गुरुवार को एक जनसभा के दौरान गोलियां चलाई गईं, जिसमें पूर्व क्रिकेटर घायल हो गए और उन्हें लाहौर के एक अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार खान के पैर में कुछ गोलियां लगी हैं, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। घटना के कुछ देर बाद उन्होंने अपने पहले बयान में कहा कि मुझे ऊपर वाले ने दूसरी जिंदगी दी है। इस घटना के विरोध -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने आईआईएमसी के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय परिसर का किया उद्घाटन

एजल। सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मिजोरम की अपनी यात्रा पर वर्चुअल माध्यम के जरिए मिजोरम विश्वविद्यालय में स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान पूर्वोत्तर परिसर का उद्घाटन किया। आईआईएमसी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है। आईआईएमसी के पूर्वोत्तर परिसर ने 2011 में मिजोरम यूनिवर्सिटी की ओर से उपलब्ध कराए गए एक अस्थायी भवन में -शेष पृष्ठ दो पर

एपीएसएसबी की पूर्व अपर सचिव कप्टर रिंगू बर्खास्त

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश सरकार सिस्टम में पारदर्शिता लाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसके तहत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) की पूर्व अवर सचिव और एपीपीएससी अधिकारी कप्टर रिंगू को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। फरवरी 2020 में सामने आए एपीएसएसबी कैश-फॉर-जॉब घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में 2.47 करोड़ रुपए की विदेशी सिगरेट बरामद

एजल (हि.स.)। असम राइफल्स के जवानों ने मिजोरम के चंफाई जिला में 2.47 करोड़ रुपए की भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त की है। गुरुवार को मीडिया को सेना की ओर से इसके बारे में दी गई जानकारी के अनुसार असम राइफल्स (पूर्व) के महानिरीक्षक की देखरेख में 23 सेक्टर असम राइफल्स की सेरचिप बटालियन ने बुधवार को चंफाई जिला के न्यू जोतलांग इलाके से -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

ब्रह्मपुत्र पर निर्मित पुल की आधारशिला रखेंगे पीएम

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाले शुआलकुची-पलाशबाड़ी पुल की आधारशिला रखेंगे। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने इसका एलान किया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ब्रह्मपुत्र पर शुआलकुची-पलाशबाड़ी पुल की नींव रखेंगे। ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाला पुल असम में शुआलकुची को पलाशबाड़ी से जोड़ेगा। इस पर लगभग 4000 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। अक्तूबर में केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पलाशबाड़ी और शुआलकुची को जोड़ने वाले ब्रह्मपुत्र नदी पर प्रस्तावित पुल के लिए अपनी मंजूरी दे दी थी। यह पुल असम के नलबाड़ी, बरपेटा और बक्सा जिलों से गुवाहाटी की यात्रा के समय को कम कर देगा। असम में प्रस्तावित शुआलकुची-पलाशबाड़ी पुल की कुल लंबाई 4.08 किलोमीटर होगी।

पाकिस्तान में भड़की हिंसा, नेशनल हाइवे जाम

पेशावर। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसान के मुखिया और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर जानलेवा हमले के बाद देश में हिंसा भड़क गई। पाकिस्तान के सियाकोट में हमले से भड़के इमरान खान के समर्थकों ने नेशनल हाइवे जाम कर दिए। स्थानीय टीवी ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने वजीराबाद में अल्लाह हो चौक के पास इमरान खान के बख्तरबंद कंटेनर पर गोलियां चला दीं। हालांकि हमले में इमरान खान बाल-बाल बच गए हैं। पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार वजीराबाद में जफर अली खान चौक के पास पूर्व पीएम और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के कंटेनर के पास फायरिंग हुई। खबरों के मुताबिक इमरान खान को अस्पताल पहुंचाया गया जहां वो खतरे से बाहर हैं। इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले पर पाकिस्तान के प्रधामंत्री शहबाज शरीफ का बयान भी सामने आया है। उन्होंने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है की और घटना की तत्काल रिपोर्ट भी मांगी है। शहबाज शरीफ ने आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह को आईजी पुलिस और मुख्य सचिव पंजाब से तत्काल रिपोर्ट मांगने का निर्देश दिया। बता दें कि इमरान खान लाहौर से इस्लामाबाद के लिए मार्च निकाल रहे हैं। इस मार्च के दौरान वह जिस गाड़ी में सवार थे, उसी के पास फायरिंग हुई है। इस हमले के बाद इमरान खान को उस गाड़ी से उतारकर कार में बिठाया गया। हमलावरों को पकड़ लिया गया है लेकिन 4 अन्य लोग बुरी तरह घायल हुए हैं।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसियों से डरे नहीं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने सीवीसी के नए *शिकायत प्रबंधन प्रणाली* पोर्टल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाले सीवीसी जैसे संगठनों (एजेंसियों) को डरने की कोई जरूरत नहीं है। पोर्टल के लॉन्चिग के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सतर्कता सप्ताह सरदार साहब की जन्म जयंती से शुरू हुआ है। साथ ही कहा कि सरदार साहब का पूरा जीवन ईमानदारी, पारदर्शिता और इससे प्रेरित पब्लिक सर्विस के निर्माण के लिए समर्पित रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमने देखा है कि जेल की सजा -शेष पृष्ठ दो पर

केरल में मुख्यमंत्री कार्यालय तस्करी को दे रहा संरक्षण : राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम। केरल में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा तस्करी गतिविधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाकर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सनसनी मचा दी है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय राज्य में तस्करी गतिविधियों को संरक्षण दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उनका हस्तक्षेप करना जायज है। केरल के राज्यपाल ने कहा कि मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। लेकिन अब मैं देख रहा हूं कि सभी तस्करी गतिविधियों को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का संरक्षण प्राप्त है। लेकिन अगर राज्य सरकार, सीएमओ और सीएम के करीबी लोग तस्करी गतिविधियों में -शेष पृष्ठ दो पर

अपराधों से जुड़ीं जानकारियां सार्वजनिक करनी होगी : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। गुजरात चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग ने क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले उम्मीदवारों को लेकर बड़ी तैयारियां की हैं। आयोग ने साफ कर दिया है कि उम्मीदवार और पार्टी दोनों को ही अपराधों से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक तौर पर दिखानी होंगी। ईसीआई का कहना है इसके जरिए मतदाताओं को पता लगेगा कि केवल क्रिमिनल बैकग्राउंड के लोग ही पार्टी को मिल सके। आयोग की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पहले अपराध में शामिल रह चुके उम्मीदवारों को प्रचार के दौरान तीन बार अखबारों और टीवी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

संकट में बुद्धि भी काम नहीं आती है।

\- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

आतंकवादियों ने फिर कश्मीर में दो लोगों को मारी गोली

श्रीनगर। आतंकवादियों ने एक बार फिर कश्मीरमें बाहरी नागरिकों को निशाना बनाया है। अनंतनाग के वनीहामा में दो लोगों को उग्रवादियों ने वीरवार को गोली मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार वनीहामा के एसएपीएस स्कूल में काम करने वाले दो श्रमिकों को वीरवार शाम को आतंकवादियों ने गोली मार दी। उन्हें अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल के डाक्टर ने इस बात की पुष्टि की है कि दोनों का ईलाज चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर में पहाड़ी समुदाय को मिला एसटी का दर्जा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, केंद्र की भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर में लगभग 12 लाख पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा दे दिया है। यह कदम केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा की चुनावी संभावनाओं को बढ़ावा देगा। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में अगले विधानसभा चुनावों में *50 प्लस मिशन* का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा कि पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने की लंबे समय से लंबित मांग को स्वीकार करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह जी को धन्यवाद। यह केवल पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में ही संभव हो सकता था, जिसमें जम्मू-कश्मीर को -शेष पृष्ठ दो पर

http://www.
देश-विदेश की छोटी-बड़ी खबरों के लिए देखें :
विकसित भारत समाचार
E-Paper : www.goodluckpublications.com
www.vbslive.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एक व्यक्ति का शव बरामद, हत्या की आशंका

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के वशिष्ठ पुलिस थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव बरामद किए जाने की वजह से गुरुवार को सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि वशिष्ठ थानांतर्गत वशिष्ठ के 13 नंबर गली के किनारा कांटा इलाके में एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति का शव अपने कब्जे में ले लिया। मृतक व्यक्ति पेशे से चालक बताया गया है। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त की है कि चालक की हत्या की गई है।

डिजिटल भुगतान की लोकप्रियता बढ़ी

दो दशक में पहली बार दिवाली के दौरान नकदी घटी

नई दिल्ली। इस साल दिवाली वाले सप्ताह में प्रणाली में नकदी या मुद्रा (सीआईसी) में 7,600 करोड़ रुपए की कमी हुई। दो दशक में पहली बार ऐसा हुआ है। एक रिपोर्ट में गुरुवार को यह जानकारी दी गई। प्रणाली में चल रही मुद्रा में बैंक नोट और सिक्के आते हैं। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों की रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों के बीच डिजिटल भुगतान के लोकप्रिय होने के कारण ऐसा हुआ। रिपोर्ट में साथ ही कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2009 में दिवाली वाले सप्ताह में प्रणाली में नकदी में 950 करोड़ रुपए की मामूली गिरावट हुई थी, लेकिन ऐसा वैश्विक वित्तीय संकट के बीच आर्थिक मंदी के कारण हुआ था। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि तकनीकी नवाचारों ने भारतीय भुगतान प्रणाली को बदल दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था अब नकदी आधारित नहीं है, बल्कि स्मार्टफोन आधारित भुगतान में बदल गई है। उन्होंने कहा कि प्रणाली में नकदी घटना बैंकों के लिए फायदेमंद है।

एसटीएफ जांच में खुलासा

देश के विभिन्न हिस्सों में विस्फोट की योजना बना रहे थे आतंकी

कोलकाता (हि.स.)। पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के हाथों गिरफ्तार अलकायदा के आतंकी से पूछताछ और जांच पड़ताल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आतंकी न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में विस्फोट की योजना बना रहा था। एसटीएफ से मिली जानकारी के अनुसार आतंकी मोहम्मद हसनत से पूछताछ में इसकी तस्दीक हो चुकी है। मालदा में उसका आवास है जहां से पेनड्राइव मिला है। इसमें *लोन वुल्फ अटैक* की योजना इन आतंकियों ने बनाई थी। इनके पास से एक पेनड्राइव बरामद हुई है जिसकी जांच में पता चला है कि उन्होंने न केवल पश्चिम बंगाल, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में ब्लास्ट की योजना बनाई थी। इन्होंने आतंकी हमले के बाद भारत छोड़कर बांग्लादेश में फरार होने की योजना भी बना थी। वहां लगातार बांग्लादेश के आतंकियों के संपर्क में भी थे। हाल ही में राज्य पुलिस और कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक साथ मिलकर चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पता चला है कि इन्होंने ना केवल विभिन्न शहरों में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की योजना बनाई थी, बल्कि एक दर्जन से अधिक विशिष्ट नेताओं को टारगेट भी किया था। इनके नाम कोड भाषा में लिखे गए हैं, जिसे डिकोड करने की कोशिश हो रही है। इनके कई अन्य साथी मध्यप्रदेश के भोपाल में भी छिपे हुए हैं जिनके बारे में स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई है।

खालिस्तान समर्थक गुटों को आतंकवादी घोषित करे : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने कनाडा में कथित खालिस्तान जनमत संग्रह की निंदा करते हुए कहा कि कनाडा सरकार को भारत में आतंकवादी गुटों के रूप में प्रतिबंधित किए गए खालिस्तान समर्थक गुटों को अपने यहां भी आतंकवादी गुट घोषित करना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि खालिस्तानी तत्वों की पृथकतावादी कार्रवाईयों और पंजाब में हिंसा के इतिहास से सभी वाकिफ हैं। भारत को अपेक्षा है कि जिन गुटों को आतंकवादी घोषित किया गया है, उनके साथ कनाडा में भी ऐसा ही सलूख होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि वे खालिस्तान जनमत संग्रह को मान्यता नहीं देता तथा भारत की संप्रभुता का सम्मान करता है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत एक मित्र देश कनाडा में उग्रवादी तत्वों द्वारा राजनीति से प्रेरित कार्रवाईयों का विरोध करता है।

मंत्री अशोक सिंघल ने बाढ़ मुक्त गुवाहाटी आदि परियोजनाओं को लेकर की बैठक

गुवाहाटी। आवास एवं शहरी मामलों और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने आज गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए), गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी जल बोर्ड, मिशन वनमुक्त गुवाहाटी और मिशन अमृत का उद्घाटन किया। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। विभाग की और उनके द्वारा कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गुवाहाटी शहर में कृत्रिम बाढ़ की समस्या के दीर्घकालिक समाधान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए मिशन फ्लड फ्री गुवाहाटी के तहत किए जाने वाले तत्काल उपायों के संबंध में कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गए। तदनुसार, गुवाहाटी नगर निगम बाढ़ मुक्त गुवाहाटी के लिए कार्यान्वित की जाने वाली सभी परियोजनाओं के लिए नोडल एजेंसी होगी। योजना के क्रियान्वयन हेतु नगर निगम में आवश्यकतानुसार अन्य विभागों के कुशल अधिकारियों एवं कर्मचारियों, इंजीनियरों आदि सहित पर्याप्त मानव संसाधन की तैनाती की जाएगी। मंत्री सिंघल ने अधिकारियों को मिशन के तहत कई जरूरी कार्यों को अगले दो से तीन महीने में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में गुवाहाटी शहर के निवासियों से संपत्ति कर की वसूली के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त को असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा जारी बिजली ग्राहक संख्या के साथ नगर निगम के होल्डिंग नंबरों को जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने और संपत्ति कर के स्व-मूल्यांकन में तेजी लाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने शहर के 60 वार्डों में से प्रत्येक में कम से कम दो-तीन दिनों के लिए विशेष शिविर आयोजित करने, प्रत्येक शिविर में संपत्ति कर संग्रह शिविर आयोजित करने, हर घर में व्हाट्सएप संदेश भेजने और उन्हें नियमित रूप से याद दिलाने के लिए सीधे कॉल सेंटरों के माध्यम से कॉल करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुक्त को नागरिकों के संपत्ति कर के स्व-मूल्यांकन के लिए निगम द्वारा तैयार किए गए ऑनलाइन पोर्टल को जल्द से जल्द शुरू करने का भी निर्देश दिया। महापौर मृगेन शरणिया और जीएमडीए के अध्यक्ष नारायण डेका, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर सिन्हा, नगर निगम के आयुक्त-सचिव, गृह निर्माण और नगर परिक्रमा विभाग के आयुक्त कविता पद्मनाभन, आयुक्त-सचिव, गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त मेघनिधि दहल, प्रबंध निदेशक, असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड राकेश कुमार, कामरूप (महानगर) जिला के उपायुक्त पल्लव गोपाल झा इत्यादि शीर्ष पदाधिकारिगण उपस्थित थे। मंत्री सिंघल आज अन्य बहुत बैठकों में जोरहाट के विधायक और असम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हितेंद्र नाथ गोस्वामी की उपस्थिति में अमृत अभियान के माध्यम से जोरहाट शहर में पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

पृष्ठ एक का शेष

एएमसी को अनुसंधान...

के बाद से मानवता की सेवा के लिए अपने पैरों पर खड़ा है। इस अवसर पर उन्होंने एक स्मारक प्लेटिनम जुबली डाक टिकट भी जारी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने सीएसआर गतिविधियों के तहत ओएनजीसी द्वारा दी गई नौ उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये नौ एंबुलेंस राज्य के नौ मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों को दी जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कोरोना महामारी के दौरान एएमसी द्वारा निभाई गई समर्पित भूमिका को स्वीकार करते हुए एएमसी के सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इसके अथक समर्पण के कारण कई लोगों की जान बच गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में हर किसी को उन्नत, सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, राज्य सरकार ने राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाकर 24 करने का फैसला किया है। इस मौके पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री केशव महंत, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने भी अपने विचार रखे।

इमरान खान के काफिले ...

पैर में गोली लगी है, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। साथ ही बताया जा रहा है कि, हमले में इमरान खान के करीबी सीनेटर फैसल जावेद भी घायल हुए हैं। समाचार एजेंसी ने इमरान खान पर हमला करने वाले आरोपी की एक तस्वीर जारी की है। इसमें हमलावर पिस्तौल लहराते नजर आ रहा है। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर, एक अज्ञात स्थान पर भेज दिया है। उधर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के विरोध मार्च के दौरान गुरुवार को पंजाब प्रांत में उनके कंटेनर-ट्रक पर हमला किया गया। हमले में उनके पैर में गोली लगी है, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है। वहीं एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान पर गोली चलाने वाले हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक हमलावर ने गिरफ्तारी के बाद कहा कि वह इमरान खान की हत्या करने आया था। उसने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जनता को गुमराह कर रहे हैं, जिसकी सजा देने वह आया था। हमलावर ने कहा कि मैं केवल इमरान खान को मारने आया था। और किसी को नहीं। उधर अजान हो रही थी, उधर टेंट लगाकर शोर कर रहे थे। मैंने अपने दिल से अचानक फैसला किया। जिस दिन से वे लाहौर से चले उसी दिन सोच लिया था कि इसको छोड़ना नहीं है। मेरे साथ कोई नहीं था। उसने बताया कि वह बाइक से आया था और उसे अपने मामा की दुकान पर खड़ी कर दिया था। पाक मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, गोलीबारी की इस गटना में एक सपोर्टर की मौत हुई है, जबकि 13 अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय टीवी ने गुरुवार को बताया कि अज्ञात हमलावरों ने वजीराबाद में अल्लाह हो चौक के पास पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान के कंटेनर पर गोलियां चला दीं। हालांकि हमले में इमरान खान बाल-बाल बचे हैं, लेकिन उन्हें चोटें आई हैं। स्थानीय न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान भी जख्मी हुए हैं और उनके पैर में गोली लगी है। उनकी दाईं टांग पर पट्टी बंधी देखी गई है। हमले के बाद कंटेनर से उतारकर इमरान खान को बुलेट प्रूफ कार से ले जाकर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पीटीआई के फारुख हबीब ने फायरिंग में पार्टी प्रमुख इमरान खान के घायल होने की पुष्टि की है। इमरान खान के कंटेनर के पास फायरिंग में पीटीआई नेता फैसल जावेद भी घायल हुए हैं। तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध का मार्च का गुरुवार को सातवां दिन है।

हालात पर हमारी...

में रावलपिंडी, इस्लामाबाद और कई अन्य शहरों में लोगों ने सड़कों पर प्रदर्शन किए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विपक्षी नेता खान पर हमले की इस घटना को गंभीर मामला बताते हुए इसकी निंदा की है। उन्होंने एक ट्वीट में खान के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। खान पर गुजरांवाला कस्बे में अल्लाहवाला चौक पर एक सार्वजनिक सभा में हमला हुआ, जहां वह कंटेनर पर खड़े होकर समर्थकों को संबोधित कर रहे है। वह देश में मध्यावधि चुनाव की मांग को लेकर लॉन्ग मार्च के नामक राजधानी इस्लामाबाद की ओर से एक जुलूस निकाल रहे हैं। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरंदिम बागची ने इस घटना के बारे में कोई टिप्पणी करने से इन्कार किया। उन्होंने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पाकिस्तान के इस घटनाक्रम का उल्लेख किए जाने पर कहा कि यह अभी ताजा घटना है, इसकी रिपोर्ट आ रही हैं। हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। स्थानीय न्यूज रिपोर्ट के अनुसार खान पर उस समय हमला हुआ जब वह अपने लॉन्ग मार्च के दौरान लाहौर से इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान हुई गोलीबारी में खान को पैर में गोली लगी। हमले में कई लोग घायल हो गए हैं। हमलावर ने कंटेनर के नीचे से ऊपर की ओर गोली चलाई, जिसमें खान के पैर पर गोली लगी। इस हमले में पार्टी के नेता फैसल जावेद और अहमद चट्ठा भी घायल हुए। पीटीआई के नेता फवाद चौधरी और इमरान इस्माइल ने बताया कि खान के पैर में गोली लगी जिसके बाद उन्हें बुलेट प्रूफ कार में अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को भी अस्पताल ले जाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पीटीआई पार्टी के सदस्यों ने कहा कि आज चार अन्य लोग भी घायल हुए, लेकिन किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह स्पष्ट नहीं है कि उनके पैर में चोट लगी है या जांच में लगी है। कुछ रिपोटर्र में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री खतरे से बाहर हैं। इससे पहले खान की पार्टी पीटीआई के ही दो नेताओं ने अलग-अलग कहा था कि खान के पैर में गोली लगी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वजीराबाद में खान के लॉन्ग मार्च के दौरान उनके कंटेनर पर गोलीबारी की गई। खान कंटेनर पर खड़े थे। शरीफ ने घटना का संज्ञान लेते हुए इसकी *कड़ी निंदा* की है। पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के एक ट्वीट के अनुसार, शरीफ ने गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह को आईजीपी और मुख्य सचिव पंजाब से घटना पर तत्काल रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। सत्तर वर्षीय खान पाकिस्तान में मध्यावधि चुनाव की मांग कर रहे हैं और वह इसको लेकर राजधानी इस्लामाबाद की ओर लांग मार्च नामक एक जुलूस का नेतृत्व कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एक वरिष्ठ सहायक ने स्थानीय मीडिया से कहा कि यह इमरान खान की हत्या करने का प्रयास था। पाकिस्तान के जियो टीवी के अनुसार, इस घटना के संबंध में एक संदिग्ध को बाद में गिरफ्तार किया गया है। पिछले महीने, पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने खान को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने विदेशों से मिले उपहारों का ठीक ब्योरा सरकारी एजेंसियों को प्रस्तुत नहीं किया और उनकी बिक्री की आय भी छिपाई।

राष्ट्रपति ने आईआईएमसी ...

काम शुरू किया था। इस परिसर के लिए निर्माण कार्य 2015 में शुरू हुआ और यह 2019 में पूरा हुआ। इसकी कुल लागत 25 करोड़ रुपए है। मिजोरम विश्वविद्यालय की ओर से दी गई 8 एकड़ भूमि पर आईआईएमसी के स्थायी परिसर में छात्रावास व स्टाफ क्वार्टर के साथ अलग-अलग प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन हैं। अपनी स्थापना के समय से यह परिसर अंग्रेजी पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम की सुविधा प्रदान कर रहा है। इसके लिए अधिकांश छात्र भारत के अन्य हिस्से और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों से आते हैं। इस वर्ष अंग्रेजी पत्रकारिता में दूसरी बार एक टॉपर के होने पर संस्थान को गर्व है। यह परिसर अपने छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट और अपने खुद के प्रयासों से पूरे देश के प्रतिष्ठित मीडिया संगठनों में रोजगार सुरक्षित करने में सक्षम बनाता है। यहां के छात्र हर वर्ष दूरदर्शन जैसे जाने-माने मीडिया संगठनों में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। 2022-23 सत्र से आईआईएमसी के दो अन्य परिसरों के साथ पूर्वोत्तर परिसर को डिजिटल मीडिया में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए चुना गया है। मौजूदा परिस्थिति में इस पाठ्यक्रम को डिजिटल मीडिया के महत्व और सार्थकता को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है। यह संस्थान उन सभी के लिए आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में अपना योगदान दिया है। इनमें विशेष रूप से एमजेडयू शामिल है, जिसने एमजेडयू परिसर में आईएमसीसी की इस शाखा के काम करने के बाद से अकादमिक और प्रशासनिक सहायता प्रदान की है। 2011 में उद्घाटन के बाद से इस संस्थान का नेतृत्व क्षेत्रीय निदेशक एल.आर. सेलो कर रहे हैं। इनके पास जनसंपर्क के क्षेत्र में दशकों का अनुभव है। उन्होंने मिजोरम सरकार में सूचना और जनसंपर्क विभाग के निदेशक के रूप में 20 वर्षों से अधिक अवधि के लिए कार्य किया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) एक प्रमुख पत्रकारिता संस्थान है। 1965 में इसकी स्थापना भारत और अन्य विकासशील देशों में मीडिया पेशेवरों की प्रशिक्षण जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी। उस समय से यह भारतीय सूचना सेवा के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में कार्य करता रहा है। इसके बाद प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से आकांक्षी पत्रकारों के लिए भी पाठ्यक्रम शुरू किया गया। आईआईएमसी ने देश में मीडिया शिक्षा की जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न हिस्सों में 5 क्षेत्रीय परिसरों का विस्तार किया है और उन्हें संस्थागत रूप प्रदान किया है।

एपीएसएसबी की ...

अधिकारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि अवर सचिव को व्यक्तिगत सुनवाई और लिखित स्पष्टीकरण देने का अवसर दिया गया था। रिंगू द्वारा दिए गए लिखित स्पष्टीकरण की जांच करने पर यह पाया गया कि स्पष्टीकरण मामले से संबंधित तथ्यों के संदर्भ में संगत नहीं था। रिंगू को विशेष जांच प्रकोष्ठ (एसआईसी) ने 20 फरवरी, 2020 को गिरफ्तार किया था और उसे निलंबित कर दिया गया था। वरिष्ठ ग्रेड अधिकारी की बर्खास्तगी राज्य सरकार द्वारा समाज के विभिन्न तबकों के दबाव में आने के बाद हुई है, जिसमें एपीएसएसबी कैश-फॉर-जॉब घोटाले और एपीपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में भी शामिल सभी अधिकारियों के खिलाफ उचित जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

मिजोरम में 2.47 ...

2.47 करोड़ रुपए मूल्य के विदेश में निर्मित 190 सिगरेट के पैकेट बरामद किए। खुफिया जानकारी के आधार पर असम राइफल्स और कस्टम प्रिवेंटिव फोर्स, चंफाई की एक संयुक्त टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। असम राइफल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, असम राइफल्स की टीम ने न्यू जोतलांग इलाके में यह सामग्री बरामद की। बरामद विदेशी मूल की सिगरेट की अनुमानित कीमत करीब 2.47 करोड़ रुपए बताई है। बाद में बरामद सिगरेट को कानूनी प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत चंफाई के सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया। गौरतलब है कि भारत-म्यांमार की सीमा पर विदेशी सिगरेट की तस्करी मिजोरम के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है। *पूर्वोत्तर का प्रहरी* के रूप में प्रसिद्ध असम राइफल्स मिजोरम से होने वाली तस्करी के खिलाफ अपने प्रयास जारी रखे हुए है।

भ्रष्टाचार की जांच...

होने और भ्रष्टाचार साबित होने के बावजूद भी कई बार भ्रष्टाचारियों का गौरवगान किया जाता है। ईमानदारी का ठेका लेकर घूमने वाले लोग भ्रष्टाचारी के साथ फोटो खिंचवाते हैं। उन्हें शर्म नहीं आती है। ये स्थिति भारतीय समाज के लिए ठीक नहीं है। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाले सीवीसी जैसे संगठनों (एजेंसियों) को डरने की कोई जरूरत नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि हम बीते आठ सालों से अभाव और दबाव से बनी व्यवस्था को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। डिमांड और सप्लाई के गैप को भरने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि इसके लिए हमने तीन रास्ते चुने हैं। एक आधुनिक टेक्नोलॉजी का रास्ता है। दूसरा मूल सुविधाओं के सेचुरेशन का लक्ष्य है। तीसरा आत्मनिर्भता का रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुलामी के लंबे कालखंड से हमे भ्रष्टाचार की, शोषण की, संसाधनों पर कंट्रोल की, जो लेगेसी मिली है। उसको दुर्भाग्य से आजादी के बाद और विस्तार मिला है। कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना के लाभ हर पात्र लाभार्थी तक पहुंचना, सेचुरेशन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, समाज में भेदभाव भी समाप्त करता है। यह भ्रष्टाचार की गुंजाइश को भी खत्म कर देता है। हमारी सरकार ने हर योजना में सेचुरेशन के सिद्धांत को अपनाया है। इस दौरान पीएम मोदी *नैतिकता और अच्छे व्यवहार* पर सचित्र पुस्तिकाओं की एक श्रृंखला का विमोचन भी किया। सार्वजनिक खरीद पर *निवारक सतर्कता* और विशेष अंक *विजय-वाणी* पर सर्वोत्तम प्रथाओं का संकलन है। प्रधानमंत्री मोदी सीवीसी द्वारा इस विषय पर आयोजित राष्ट्रव्यापी निबंध प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ निबंध लिखने वाले पांच छात्रों को पुरस्कार भी दिया। बता दें कि जीवन के हर क्षेत्र में सत्यनिष्ठा का संदेश फैलाने के लिए सभी हितधारकों को एक साथ लाने के लिए सीवीसी हर साल सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाता है। इस साल यह कार्यक्रम 31 अक्तूबर से 6 नवंबर तक *एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत* विषय के साथ मनाया जा रहा है।

केरल में मुख्यमंत्री ...

शामिल हैं, तो निश्चित रूप से मेरा हस्तक्षेप करना बनता है। राज्यपाल खान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आरोपों पर पत्रकारों को जवाब दे रहे थे। सीएम ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों को आरएसएस और संघ परिवार का सेंटर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विजयन ने तिरुवनंतपुरम में शिक्षा संरक्षण समिति द्वारा आयोजित सम्मेलन में खान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के खिलाफ उनके कदम, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करना और राज्य के वित्त मंत्री को हटाने की मांग करना यहां आरएसएस-संघ परिवार का एजेंडा लागू करने के प्रयास हैं। आरोपों का खारिज करते हुए राज्यपाल खान ने कहा कि वह विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति में उनके हस्तक्षेप का एक भी उदाहरण आने पर इस्तीफा देने को तैयार हैं। खान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय राज्य में तस्करी की गतिविधियों को संरक्षण दे रहा है और ऐसे हालात में उनके पास हस्तक्षेप करने का आधार है। उन्होंने कहा कि मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। लेकिन अब मैं देख रहा हूं कि सीएमओ में बैठे लोग कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति को अपने कम योग्यता प्राप्त और अयोग्य रिश्तेदारों की नियुक्ति के लिए निर्देश देते हैं। मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। खान ने कहा कि लेकिन यदि राज्य सरकार, सीएमओ और मुख्यमंत्री के करीबी लोग तस्करी गतिविधियों में शामिल हैं तो निश्चित रूप से मेरे हस्तक्षेप करने का आधार बनता है। राज्यपाल ने साथ ही मुख्यमंत्री विजयन को सार्वजनिक तौर पर चुनौती देते हुए पूछा कि क्या आरोप साबित न कर पाने पर वह पद से इस्तीफा देंगे?

अपराधों से जुड़ी ...

चैनल्स के जरिए प्रकाशित करनी होगी। साथ ही क्रिमिनल बैकग्राउंड के उम्मीदवार को उतारने वाली पार्टी कोभी प्रत्याशी के बारे में जानकारी अपनी वेबसाइट, अखबारों और चैनलों पर तीन बार दिखानी होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि अगर कोई क्रिमिनल बैकग्राउंड है, तो उम्मीदवार को अनिवार्य रूप से उसकी जानकारी एक राष्ट्रीय, एक क्षेत्रीय और सोशल मीडिया पर प्रकाशित करनी होगी। साथ ही दलों को यह भी बताना होगा और पब्लिश भी करना होगा कि उन्हें क्रिमिनल के अतिरिक्त कोई और उम्मीदवार क्यों नहीं मिला। उन्हें कारण बताने होंगे और उसे सार्वजनिक करना होगा, ताकि मतदाताओं को पता रहे कि उस क्षेत्र में उम्मीदवार खोजने पर पार्टी को इतनी मुश्किल क्यों हुई। ईसीआई के मुताबिक, नामांकन वापस लेने की तारीख के शुरुआती चार दिनों के दौरान जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। इसके बाद दूसरी बार अगले 5 से 8 दिनों के अंदर और चुनाव से दो दिन पहले तीसरी बार प्रकाशित करनी होगी। गुरुवार को आयोग ने चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। इसके तहत राज्य की 182 सीटों वाली विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 89 सीटों पर वोटिंग 1 दिसंबर को होगी। जबकि, मतदाता दूसरे चरण में 93 सीटों पर 5 दिसंबर को वोट डालेंगे। मतगणना हिमाचल प्रदेश के साथ ही 8 दिसंबर को होगी। पहाड़ी राज्य में 12 नवंबर को मतदान होगा।

जम्मू-कश्मीर में पहाड़ी...

बदलने का साहस और दृढ़ विश्वास है। पहाड़ी समुदाय के प्रमुख नेता, पूर्व मंत्री और कभी फारूक अब्दुल्ला के करीबी रहे सैयद मुश्ताक बुखारी ने कहा कि 40 साल का संघर्ष आखिरकार रंग लाया है। हम भाजपा सरकार के शुक्रगुजार हैं। सैयद मुश्ताक बुखारी ने इस साल फरवरी में नेशनल कांफ्रेंस छोड़ दी थी। बुखारी ने कहा कि श्रेय भाजपा को जाता है। कांग्रेस ने हमेशा हमारे मुद्दे के साथ खिलवाड़ की। हम गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के बहुत आभारी हैं क्योंकि आखिरकार हमें न्याय मिला है। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि मैंने नेशनल कांफ्रेंस छोड़ दी। अगर फारूक अब्दुल्ला कश्मीरियों के बारे में बात करते हैं, पंडित प्रेम नाथ डोगरा डोगरा समुदाय के बारे में बात करते हैं और मियां अल्ताफ गुर्जरों के बारे में बात करते हैं और वो सब कुछ सही है तो मुश्ताक बुखारी कैसे गलत हो गया। मैंने तो पहाड़ी लोगों के लिए न्याय की मांग की। बुखारी ने आगे कहा कि मेरा संघर्ष सफल हुआ है। अगर मैं भाजपा में शामिल नहीं होता हूं तो भी मैं उनका पूरा समर्थन करूंगा। बुखारी ने कहा कि भाजपा की ओर से अभी तक उनके पास भगवा पार्टी में शामिल होने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि एसटी का दर्जा विधानसभा चुनाव से पहले 12 लाख से अधिक पहाड़ी समुदाय का विश्वास जीतने के लिए भाजपा की चुनाव पूर्व रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह मेरे समुदाय के लिए अब तक का सबसे बड़ा उपहार है और हम भाजपा के लिए बहुत आभारी हैं और हमसे जो कुछ भी आवश्यक होगा वह करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने 4 अक्तूबर को अपनी राजौरी रैली में पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने का वादा किया था और यह भी आश्वासन दिया था कि गुर्जरों और बकरवालों का एक प्रतिशत हिस्सा भी पहाड़ी लोगों के पास नहीं जाएगा। अपने भाषण में शाह ने 1947 से गुर्जरों, बकरवालों और पहाड़ी लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए कांग्रेस, नेकां और पीडीपी पर कटाक्ष किया था। यह कहा जा सकता है कि जम्मू-कश्मीर का पहाड़ी समुदाय राजौरी, पुंछ, बारामूला, अनंतनाग और कुपवाड़ा जिलों में बड़े पैमाने पर निवास करता है। जहां 2011 की जनगणना में गुर्जर-बकरवाल की आबादी 1.25 मिलियन थी, वहीं पहाड़ी लोगों ने दावा किया कि उनकी आबादी जम्मू और कश्मीर में दो मिलियन से अधिक थी। पहाड़ी समुदाय में हिंदू, मुस्लिम शामिल हैं और यह काफी हद तक उनके द्वारा पहाड़ियों में बोली जाने वाली भाषा से भी पहचाने जाते हैं। हालांकि, एक मोटे अनुमान के मुताबिक उनकी आबादी दस लाख है। वे मुख्य रूप से जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों और बारामूला जिले के उरी और कुपवाड़ा जिले के करनाह और तंगदार जिलों में झेलम और चिनाब नदियों के बीच के क्षेत्र में पाए जाते हैं।

स्वर्वेद भाष्य

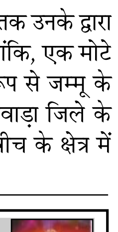

चतुर्थ मंडल **तृतीय अध्याय**

(भक्ति)

ज्ञान बोध बिनु भकित नहीं, गिरैं भ्रम्म पथ जाहिं।
नयनन पट्टी बाँधि कर, चलें अन्धेरे माहिं॥ 31॥

शब्दार्थ : (ज्ञान) विवेक (बोध) जानना।

भाष्य : जिस प्रकार आंखों में पट्टी बांधकर कोई अंधकार में चलता है, उसी प्रकार ज्ञान-बोधहीन भक्ति, भ्रम में ले जाकर गिरा देती है अतएव ज्ञान के प्रकाश में ही भक्ति का पथ पूर्णरूप से सुलभ होता है।

ज्ञान कर्म ऊपासना, त्रिकाण्डी चहु वेद।
ज्ञान सबन का मूल है, भूल ज्ञान बिनु भेद॥ 32॥

शब्दार्थ : (ज्ञान) विवेक (भेद) रहस्य, मर्म।

भाष्य : चारों वेदों के ज्ञान, कर्म और उपासना, ये तीन विषय हैं, परंतु इन तीनों का मूल ज्ञान है। ज्ञान बिना सब भेद-रहस्य भूला हुआ है अतएव अध्यात्म-पथ में ज्ञान का सर्वोत्कृष्ट स्थान है। ज्ञान द्वारा ही बाह्य समस्त तत्वों का बोध होता है।

एआईयूडीएफ के अध्यक्ष व सांसद बदरुद्दीन अजमल का फूंका पुतला

बरपेटा (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष एवं धुबड़ी के सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल का युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया है। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि वे राज्य में चलने वाले सिंडिकेट से जुड़े हुए हैं। गुरुवार को बरपेटा में प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंकिता दत्ता के नेतृत्व में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एआईयूडीएफ अध्यक्ष अजमल का विरोध करते हुए उनका पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि अजमल और उनकी पार्टी के विधायक राज्य में सक्रिय कोयला, मवेशी और बर्मीज (म्यांमार) की सुपारी सिंडिकेट से जुड़े हैं। युवा कांग्रेस ने सिंडिकेट में शामिल होने का आरोप लगाते हुए एआईयूडीएफ अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल और जनिया के विधायक रफीकुल इस्लाम का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस ने बरपेटा शहर में राजीव भवन के सामने अजमल और विधायक रफीकुल इस्लाम का पुतला जलाते हुए राज्य में चल रहे सिंडिकेट राज को खत्म करने की मांग की सरकार से की।

देवरी स्वायत्तशासी परिषद चुनाव के लिए 8 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, देवरी स्वायत्तशासी परिषद के 2022 के चुनावों के मद्देनजर आगामी 8 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। इसके अनुसार देवरी स्वायत्तशासी परिषद के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सभी शासकीय/गैर सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान, व्यापारिक प्रतिष्ठान के साथ-साथ बैंक, चाय बागान, उद्योग आदि भी मतदान के दिन बंद रहेंगे।

जंगली हाथियों के झुंड ने आठ घरों को किया क्षतिग्रस्त

जोरहाट (असम) (हिंस)। जोरहाट जिला के मोरियानी के हेलोंगापार गिब्बन आभारण्य से भोजन की तलाश में निकल कर आये जंगली हाथियों के एक झुंड द्वारा गांव में प्रवेश कर जमकर उपद्रव मचाया जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मोरियानी के पुखुरिया गांव में जंगली हाथियों के एक झुंड द्वारा आठ घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। हाथी के झुंड द्वारा घर को नुकसान पहुंचाए जाने के दौरान सुसेन गोगोई नामक व्यक्ति का पूरा परिवार हाथियों के हमले से बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना की जानकारी वन विभाग को दिए जाने के बावजूद वन विभाग समय पर नहीं पहुंचा। जिसकी वजह से हाथियों ने गांव के भीतर प्रवेश कर जमकर उपद्रव मचाया। स्थानीय लोगों ने हाथी के झुंड को जंगल में खदेड़ने के लिए वन विभाग से गुहार लगाई है।

चार मवेशी समेत तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी सोनापुर थाना क्षेत्र के डिगारू बामुनखाट इलाके से चार मवेशियों के साथ तीन पशु तस्कर को पकड़कर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सौंप दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि गुरुवार की सुबह डिगारू से आमसांग होते हुए मेघालय तक एक वाहन में चार मवेशियों को भरकर ले जाए जा रहा था। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से मवेशी समेत तीन तस्करों को पकड़ा गया। पकड़े गए मवेशी तस्करों की पहचान और खोरु अहमद, अब्दुल हक और अमानुल हुसैन के रूप में की गई है। पकड़े गए सभी तस्कर गुवाहाटी के सातगांव के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में बेशक कड़े पशु कानून लागू हैं बावजूद पशुओं की तस्करी जारी है।

गोलाघाट : सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल

गोलाघाट (असम) (हिंस)। गोलाघाट जिला के खुमटाई सिनातली में हुई एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को तेज रफ्तार बाइक (एएस-05एस-4962) अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई, जिसकी वजह से दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान प्राणजीत गोगोई और सेरु ठेंगाल के रूप में की गई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सेवानिवृत्त शिक्षक के घर में लगी आग, बाइक और कार जलकर राख

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिला के मुकालमुआ थाना अंतर्गत साउलखोवा भोराघोल इलाके में लगी आग के दौरान सेवानिवृत्त एक शिक्षक को भारी नुकसान हुआ है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती देर रात सेवानिवृत्त शिक्षक जुरान अली के घर में अचानक आग लगने की वजह से एक आई-10 कार (एएस-01एमए-8437) और एक बाइक (एएस-14एफ-3152), पंपसेट मशीन पूरी तरह जल गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जने तक कार, बाइक और पंपसेट मशीन पूरी तरह से जल चुकी थी। हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पूसीरे ने अक्तूबर में मालगाड़ियों के 1218 रैक किए अनलोड

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) माल अनलोडिंग में लगातार वृद्धि दर्ज कर रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष के अप्रैल से अक्तूबर के दौरान 8317 फ्रेट रैक अनलोड किया गया। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.13 प्रतिशत की वृद्धि है। अक्तूबर, 2021 के 1176 रैक की तुलना में अक्तूबर, 2022 के महीने के दौरान 1218 माल ढुलाई रैक अनलोड किए गए। इस प्रकार मासिक अनलोडिंग में लगातार नियमित वृद्धि दर्ज की। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि पूसीरे ने महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जियां, ऑटो, टैंक, कंटेनर और अन्य वस्तुओं जैसे सामानों की ढुलाई की है और उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर विभिन्न गुड्स शेड में अनलोड किया है। अक्तूबर महीने के दौरान, असम में मालगाड़ियों के 673 रैक अनलोड किए गए थे, जिनमें से 329 आवश्यक वस्तुओं से भरे हुए थे। महीने के दौरान त्रिपुरा में 111 रेक, नगालैंड में 25 रेक, मणिपुर में 8 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 6 रेक और मिजोरम में 8 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, पूसीरे के अधिकार क्षेत्र में महीने के दौरान पश्चिम बंगाल में 224 फ्रेट रैक और बिहार में 163 फ्रेट रैक भी अनलोड किए गए। बेहतर टर्मिनल हैंडलिंग सुविधा और रखरखाव के प्रयासों में वृद्धि और सभी स्तरों पर निरंतर निगरानी के कारण गतिशीलता में सुधार के परिणामस्वरूप टर्नअराउंड समय में कमी आई और अनलोडिंग में वृद्धि हुई।

लायंस केयर ने निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया

गुवाहाटी। लांयस क्लब ऑफ गुवाहाटी केयर ने श्री शंकर देव नेत्रालय के सहयोग से दो चरणों में कुल 4 स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम चरण में वशिष्ठ स्थित पिलिंगकाटा हाई स्कूल, पिलिंगकाटा एलपी स्कूल एवं पिलिंगकाटा आंगनबाड़ी केवी के लगभग 175 से अधिक विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया। वहीं दूसरे चरण में रेहाबाड़ी स्थित क्रिसेंट हाई स्कूल के करीब 80 विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिसमें से करीब 21 विद्यार्थियों का तीसरे चरण में परीक्षण किया गया। ज्ञात रहे यह जांच शिविर वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत आयोजित किया गया। जिसमें क्लब अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव सोनम हरलालका व कोषाध्यक्ष नितिशा बेड़िया के अलावा अभिषेक-ज्योतिका सोनी, ऋषभ लोढ़ा, पूनम अग्रवाल, सुमन सूद आदि सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

मारवाड़ी सम्मलेन, कामरूप की एक खोज प्रतिभा का ऑडिशन छह को

गुवाहाटी। मारवाडी सम्मेलन, कामरूप शाखा के स्थायी प्रकल्प एक खोज, प्रतिभा का आयोजन मारवाड़ी समाज में नृत्य एवं गायन के क्षेत्र में छुपी हुई प्रतिभा को उभारने के उद्देश्य से एक उचित मंच प्रदान करने का प्रयास है। इस कार्यक्रम के तहत कुल चार प्रतियोगिताएं, गायन (जूनियर 8 वर्ष से 16 वर्ष तक), गायन (सीनियर 16+ से 40 वर्ष तक), नृत्य (जूनियर 8 वर्ष से 16 वर्ष तक), नृत्य (सीनियर 16+ से 30 वर्ष तक) कराई जा रही है। कामरूप शाखा, गुवाहाटी शाखा और गुवाहाटी महिला शाखा से प्रतियोगियों का पंजीकरण संयुक्तरूप से कामरूप शाखा द्वारा किया जा रहा है। इनका भी ऑडिशन राउंड स्थानीय छत्रीबाड़ी स्थित लोहिया लायंस ऑडिटोरियम मे 6 नवंबर को संपन्न हो रहा है। कामरूप शाखा ने प्रतियोगिताओं में पंजीकरणके लिए प्रतियोगियों की सुविधा के लिए गूगल फॉर्म और डिजिटल पेमेंट के लिए क्यूआर कोड भी जारी किया है। मीडिया व सोशल मीडिया में प्रचार प्रसार के सभी उपाय किये जा रहे हैं। निर्णायक की नियुक्ति कर दी गई हैं। इसके सीजन 2 की तैयारियां धूमधाम से चल रही है। क्वार्टर फाइनल राउंड 13 नवंबर को, सेमीफइनल राउंड 27 नवंबर को स्थानीय छत्रीबाडी स्थित लोहिया लायंस ऑडिटोरियम में तथा ग्रैंड फिनाले 25 दिसंबर को आई टी ए सेंटर मछखोवा के मुख्य ऑडिटोरियम में संम्पन्न होगा। चूंकि इस बार इस कार्यक्रम को प्रान्तीय स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। अत: मारवाड़ी सम्मलेन की जोरहाट शाखा बरपेटा रोड एवं बरपेटा रोड महिला शाखा, तिनसुकिया शाखा एवं तिनसुकिया महिला शाखा तथा नगांव शाखा ने भी आडिसन आयोजित करने की तैयारियां आरंभ कर दी हैं। डिब्रुगढ़ शाखा के भी प्रतियोगिता में शामिल होने की सूचना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संयोजक पवन पसारी के साथ संस्थापक संस्थापक अध्यक्ष सम्पत मिश्रा, संस्थापक सचिव मनोज काला, पूर्व अध्यक्ष पवन जाजोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष निरंजन सिकरिया, अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष अजित शर्मा, बाबूलाल नवलखा, सुजीत बखरेड़िया, कोषाध्यक्ष पियूष बिरमिवाल, सह सचिव राजेश अग्रवाल, दीपक जैन, गुवाहाटी शाखा के सचिव शंकर बिडला, गुवाहाटी महिला शाखा की सचिव सरोज जालान, मंडलीय उपाध्यक्ष कंचन केजरीवाल, कामरूप शाखा के कार्यकारिणी सदस्य, साधारण सदस्य संजय खेतान, रतन अग्रवाल, विकाश अग्रवाल, संजय घिरिया, संतोष जैन, सरिता लोहिया, नीलम जाजोदिया, सुनीता गुप्ता, ललिता घिरिया, सरला जैन सहित सभी अपनी अपनी जिम्मेदारियों के निभाने में जी जान से जुटे हुए हैं।

ददरा हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक सेवा का महाशिविर छह को

रंगिया/ अमिनगांव। राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार कामरूप जिला में गत 31 अक्तूबर से आगामी 13 नवंबर तक आयोजित किए जा रहे कानूनी जागरूकता और प्रचार के माध्यम से नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए कानूनी जागरूकता और प्रचार तथा योग्य लाभ्यार्थी को कानूनी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तथा वंचित लोगों के बीच की दूरी का निर्मूलिकरन शीर्षक सर्वभारतीय अभियान के अंतर्गत आगामी 6 नवंबर को जिला के अंतर्गत ददरा हायर सेकेंडरी विधालय में विधिक सेवा के एक महाशिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का आयोजन कामरूप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तथा जिला प्रशासन के सहयोग से किया जायेगा जिसमें जिला के समाज कल्याण, कृषि, जन स्वास्थ्य तकनीकी, जिला विकास, शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य, परिवहन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आपदा न्यूनीकरण एवं पुलिस विभाग भाग लेंगे। बताया गया है कि शिविर का आयोजन नागरिकों के बीच मुफ्त कानूनी जागरूकता पैदा करने और वंचितों के बीच की दूरी को निर्मूल करने के उद्देश्य से किया जाएगा। जिसमें विभिन्न श्रेणी के लोग भी उपस्थित रहेंगे। इस उपलक्ष्य में कामरूप जिला एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आज अतिरिक्त उपायुक्त ध्रुवज्योति दास की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई जिला के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में महाशिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकारी, कामरूप की सचिव प्रणामी गोस्वामी, सहायक आयुक्त कौस्तव राय समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

श्याम मंदिर में श्याम जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी

गुवाहाटी (विभास)। एटी रोड छत्रीबाड़ी स्थित श्याम मंदिर में आगामी 4 और 5 नवंबर को दो दिवसीय श्याम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने बताया कि श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष में 4 नवंबर एकादशी के उपलक्ष्य में प्रात: 8 बजे श्याम युवा मित्र मंडल के सदस्यों द्वारा श्याम निशान के साथ नगर भ्रमण किया जाएगा। शाम 7 बजे बाबा की जोत और भजनों का कार्यक्रम किया जाएगा। 5 नवंबर को सुबह 9 बजे श्याम बाबा की जोत प्रज्वलित की जाएगी। 12.30 बजे महाआरती के पश्चात बाबा की रसोई का वितरण किया जाएगा। इस दौरान दोपहर एक बजे से भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। जो श्याम बाबा की इच्छा होने तक चलेगा।

बाल दिवस पर बच्चों के लिए मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा का अनोखा उपहार.....

गुवाहाटी (विभास)। नवंबर के महीने में बच्चों के लिए खास, माह पर्यंत कार्यक्रम ले कर आई है महिला शाखा की सदस्याएं। इसके तहत लायंस आइ हॉस्पिटल, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार तथा गायत्री चेतना केंद्र, बेहारबारी, गुवाहाटी के प्रकल्प से जुड़कर गुवाहाटी के विभिन्न स्कूलों के बच्चों के लिए नेत्र जांच शिविर तथा हर बालक को भारतीय सभ्यता संस्कृति तथा परंपराओं से परिचित करवाने के उद्देश्य से परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हर बच्चे को पदक एवम नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। गायत्री परिवार के अथक प्रयास से पूर्वोत्तर की करीब 45 स्कूलों जैसे केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, महर्षि विद्या मंदिर आदि के करीब 7000 बच्चों के बीच यह परीक्षा करवाई जा रही है। परीक्षा एम सी क्यू तथा ओ एम आर पद्धति से ली जाएंगी ताकि बच्चों को आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा सके। स्कूल प्रबंधन तथा टीचर्स ने हर सम्भव साथ देने का आश्वासन दिया हैं। इसी के तहत कल गोरखा हाई स्कूल, नेपाली मंदिर के कक्षा नवीं और दसवीं के करीब 150 बच्चों के नेत्र की जांच की गई। आगामी 5 तारीख को अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृति ज्ञानपरीक्षा होगी।

कीचड़ में फंसे जंगली हाथी के बच्चे की मौत

ग्वालपाड़ा (असम) (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला के रंगजुली इलाके में कीचड़ में फंसे एक जंगली हाथी के बच्चे की मौत हो गई। वन विभाग ने गुरुवार को बताया कि कीचड़ में फंसे जंगली हाथी के बच्चे को कीचड़ से बाहर निकालकर उपचार किया गया। लेकिन, कमजोर हो चुके जंगली हाथी के बच्चे की मौत हो गई। रंगजुली वन विभाग की टीम ने पशु चिकित्सकों की मदद से हाथी के बच्चे का पोस्टमार्टम कर घटनास्थल के करीब ही उसके शव को दफना दिया। वन विभाग की टीम इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गुजरात में एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में होगा मतदान, आठ को नतीजे

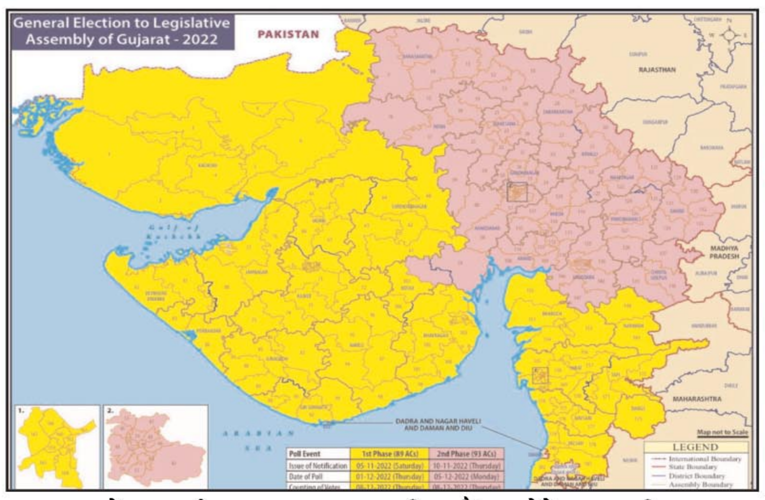

नई दिल्ली, (हि.स.)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को गुजरात विधानसभा के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। यहां दो चरणों में 01 दिसंबर और 05 दिसंबर को मतदान होगा और 08 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के साथ नतीजे आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त अनूप चन्द्र पांडे के साथ यहां प्रेसवार्ता में चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी। आज घोषित कार्यक्रम के अनुसार पहले चरण में गुजरात के पूर्वी और दक्षिणी हिस्से की 89 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इसके लिए अधिसूचना 05 नवंबर को जारी की जाएगी। नामांकन 14 नवंबर तक कर सकते हैं। नामांकन की जांच 15 नवंबर को होगी। नाम वापसी की तिथि 17 नवंबर रहेगी। इस चरण के लिए मतदान 01 दिसंबर गुरुवार को होगा। दूसरे चरण में मध्य गुजरात में 93 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा। इसके लिए अधिसूचना 10 नवंबर को जारी की जाएगी। नामांकन 17 नवंबर तक कर सकते हैं। नामांकन की जांच 18 नवंबर को होगी। नाम वापसी की तिथि 21 नवंबर रहेगी। इस चरण के लिए मतदान 05 दिसंबर सोमवार को होगा। गुजरात में पहले चरण में कच्छ, सुंदर नगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड में मतदान होगा। दूसरे चरण में बनासकांठा, पाटन, मेहसाना, साबरकांठा, अरावली, गांधीनगर, अहमदाबाद, आनंद, खेड़ा, महिसागर, पंचमहल, दाहोद वडोदरा और छोटा उदयपुर में मतदान होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 में समाप्त होने जा रहा है। इसमें अभी 100 दिन का समय बाकी है। उन्होंने बताया कि राज्य की 182 विधानसभा सीटों में से 13 अनुसूचित जाति और 27 अनुसूचित जनजाति के लिए आ-रक्षित है। उन्होंने बताया कि इस बार 4,91,17,308 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर पाएंगे। इनमें 27,943 सेवा मतदाता है। एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1500 मतदाता हो सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 2022 में 51,782 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जो पिछली बार से 3.29 फीसदी अधिक है। राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग ने इस बार विभिन्न वंचित समूहों को मतदान से जोड़ने के लिए प्रयास किया है। आयोग ने इस बात को सुनिश्चित किया है कि दिव्यांग, ट्रांसजेंडर और सेक्स वर्कर का नाम मतदाता सूची में जुड़े। इस बार की सूची में 4,04,802 दिव्यांग, 1,417 ट्रांसजेंडर और 9,87,999 80 वर्ष की आयु पूरी करने वाले मतदाता हैं। राजीव कुमार ने बताया कि जनप्रतिनिधि कानून 1950 के सेक्शन 14 में बदलाव कर अब यह प्रावधान बनाया गया है कि वर्ष में चार बार मतदाता सूची को अपडेट किया जाएगा और 18 वर्ष की आयु पार करने वाले युवा को मतदान कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। इसके परिणाम स्वरूप एक जनवरी से एक अक्टूबर के बीच इस वर्ष गुजरात में चलाए गए अभियान के तहत 3,24,420 नए नाम मतदाता सूची में जोड़े गए हैं। गुजरात की हर विधानसभा में कम से कम एक मतदान केंद्र केवल महिलाओं और दिव्यांगजन द्वारा संचालित किया जाएगा। इसके अलावा युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हर जिले में एक मतदान केंद्र केवल युवाओं और नए मतदान अधिकारियों की ओर से प्रबंधित होगा। अपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों और उन्हें टिकट देने वाली राजनीतिक दलों को चुनाव अभियान के दौरान कम से कम तीन बार न्यूजपेपर और टीवी चैनलों के माध्यम से इसकी जानकारी देनी होगी। राजनीतिक दलों को अपनी वेबसाइट पर यह भी बताना होगा कि उन्होंने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मी-दवार को क्यों टिकट दिया।

देश को मजबूत बनाने के लिए हर दृष्टि से अनुकूल है वातावरण : तोमर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि देश सकारात्मक बदलाव की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज हमारे पास देश को हर दृष्टि से मजबूत बनाने की अनुकूलता है और इस दिशा में हम सबको मिलकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तोमर ने गुरुवार को केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स-रकार, किसान, इंडस्ट्री सभी का एक ही उद्देश्य है कि हमारे काम के सकारात्मक परिणाम आएं। यही भावना एक-दूसरे को और देश को आगे बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। तोमर ने कहा कि कोविड की मार से दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अभी तक उबर नहीं पाई हैं लेकिन आज हमारा देश अच्छी अवस्था में खड़ा है। इसका कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समय पर उठाए गए जरूरी कदम हैं। केंद्र सरकार ने एमएसएमई सहित अन्य इंडस्ट्री के लिए और खेती-किसानी व आम गरीब आदमी के लिए भी एक के बाद एक अनेक प्रयत्न किए। तोमर ने भारत में कृषि की प्रधानता के संदर्भ में कहा कि किसी भी व्यक्ति का और देश का मूल पिंड कभी नहीं बदलता है। हमें आगे बढ़ना है तो मूल पिंड को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि पेस्टीसाइड को लेकर पंजीकरण संबंधी जो समस्याएं थी, विचार-विमर्श और समीक्षा के बाद उसमें सुधार किए गए हैं। सरकार लगातार कोशिश कर रही है कि इस प्रकार की जितनी भी बाधाएं-समस्याएं हैं, वे दूर हों। ईज ऑफ डूइंग पर प्रधानमंत्री मोदी का कितना जोर है, यह हम सब जानते हैं। उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खूबा व सचिव अरूण बरोका, कृषि सचिव मनोज अहूजा सहित फिक्की के पदाधिकारी और विभिन्न उद्योगों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ममता ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर गोविंदभोग चावल पर उत्पाद शुल्क में राहत की मांग की

कोलकाता, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर बंगाल में उगाई जाने वाली विशेष चावल की किस्म "गोविंदभोग" पर लगने वाले 20 फीसदी उत्पाद शुल्क में छूट देने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है, "उत्पाद शुल्क में छूट के अभाव में इस विशेष किस्म के चावल का उत्पादन करने वाले किसानों और निर्यात को नुकसान होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि गो-विंदभोग चावल की किस्म कुछ यूरोपीय और पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर, कुवैत में बेहद लोकप्रिय है। उनके अनुसार, विभिन्न धार्मिक अवसरों के लिए भी गोविंदभोग चावल का उपयोग किया जाता है। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार भी विदेशों में इसकी लोकप्रियता के लिए किसानों को इस किस्म के चावल का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र ने हाल ही में बासमती चावल पर उत्पाद शुल्क में छूट दी है और इसी आधार पर गोविंदभोग किस्म पर भी इसी तरह की राहत दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि चूंकि गोविंदभोग किस्म की कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक है, इसलिए किसानों को किस्म के सुचारू उत्पादन के साथ जारी रखने के लिए उत्पाद शुल्क में राहत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि चावल की इस विशेष किस्म को 2017 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से भी सम्मानित किया गया था। गोविंदभोग चावल का एक पतला और छोटा चावल की प्रजाति है, जो सफेद, सुगंधित और चिपचिपा होता है जिसमें इसका मक्खन जैसा स्वाद होता है। इसकी खेती ज्यादातर पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में की जाती है। जिन प्रमुख जिलों में चावल की इस विशेष किस्म की खेती की जाती है उनमें पूर्व बर्दवान, हुगली, नदिया और बीरभूम शामिल हैं। चावल की इस किस्म की खेती बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में भी की जाती है।

बैंकिंग क्षेत्र में 20,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के 101 मामलों की सीबीआई जांच शुरू

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में बैंकिंग क्षेत्र में 20,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के 101 मामलों की जांच सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने शुरू कर दी है। यह सभी घोटाले पिछली महाविकास आघाड़ी स-रकार की ओर से किए जाने का आरोप है। सीबीआई के जनसंपर्क अधिकारी आरसी जोशी के अनुसार जांच के बाद आरोप तय किए जाएंगे। चूंकि अपराध दर्ज होने तक गोपनीयता का पालन करना होता है, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि इस मामले किस बैंक और किस व्यक्ति से जांच की जाएगी। जोशी के अनुसार इस मामले में फिर से विशेष अनुमति की आवश्यकता नहीं है क्योंकि राज्य ने सामान्य सहमति दी है। जानकारी के अनुसार पिछली सरकार ने राज्य के बैंकिंग क्षेत्र में हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इससे यह जांच प्रलंबित थी। लेकिन राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अस्तित्व में आई शिंदे - फडणवीस सरकार ने 21 अक्टूबर को राज्य में सीबीआई को जांच की अनुमति दे दी है, इसलिए अब इन मामलों की सीबीआई जांच का रास्ता साफ हो गया है। राज्य में 20 हजार 313 करोड़ 53 लाख रुपये के गबन के कुल 101 मामले संदिग्ध हैं। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीयकृत बैंकों से जुड़े कुल 13 मामलों में कुल 13,435.7 करोड़ रुपये की हेराफेरी शामिल है। बताया जा रहा है कि सीबीआई ने पिछली सरकार को पत्र लिखकर केस-टू-केस आधार पर जांच की अनुमति मांगी थी, लेकिन यह मांग भी नामंजूर कर दी गई थी।

दो दिवसीय मिजोरम के दौरे पर आइजोल पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

-हवाई अड्डे पर राज्यपाल एवं मुख्मंत्री ने किया स्वागत

आइजोल, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर मिजोरम की राजधानी आइजोल पहुंचीं। आज दोपहर 2.20 बजे नगालैंड का अपना दौरा पूरा करने के बाद कोहिमा से भारतीय वायु सेना के विमान से राष्ट्रपति आइजोल हवाई अड्डे पर पहुंची, जहां पर राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति एवं मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके अलावा राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक और पुलिस प्रशासन के शीर्ष अधिकारी राष्ट्रपति के स्वागत के लिए हवाईअड्डे पर मौजूद थे। एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मिजोरम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वहीं 4 नवंबर को मिजोरम विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी। इसके अलावा आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कुछ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने की भी योजना है। राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू की पूर्वोत्तर क्षेत्र के पहाड़ी राज्यों में से एक मिजोरम की यह पहली यात्रा है। वे शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम की राजधानी गंगटोक के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति दो नवंबर को पूर्वोत्तर के पांच दिवसीय दौरे पर नगालैंड की राजधानी कोहिमा पहुंची थीं। इससे पहले 13 अक्टूबर को अगरतला-खोंगसांग जनशताब्दी एक्सप्रेस और अगरतला-कोलकाता एक्सप्रेस को त्रिपुरा के अगरतला रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर उन्होंने रवाना किया था।

जम्मू-कश्मीर में 5 से 7 नवंबर तक हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, (हि.स.)। मौसम कार्यालय ने गुरुवार को अगले 24 घंटों के लिए मुख्य रूप से शुष्क मौसम की संभावना जताई है जिसके बाद जम्मू-कश्मीर में 5 से 7 नवंबर तक व्यापक हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगले 24 घंटों के लिए मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की उम्मीद है। हालांकि अधिकांश स्थानों पर आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि 5-7 नवंबर से मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश, बर्फबारी (ऊंचे इलाकों में) और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। हालांकि उन्होंने दोहराया कि फिलहाल भारी हिमपात का कोई पूर्वानुमान नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान मुख्य रूप से जोजिला, सिंथनटॉप, मुगल रोड आदि पर बर्फबारी और कम तापमान से सतही परिवहन में अस्थायी लेकिन कभी-कभी व्यवधान हो सकता है। इस बीच श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पिछली रात को 5.0 डिग्री सेल्सियस था। वर्ष के इस समय के दौरान ग्रीष्मकालीन राजधानी के लिए तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, पहलगाम में 1.5 डिग्री सेल्सियस, कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.0 डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा शहर में 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पिछली रात 15.3 डिग्री सेल्सियस था। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी के लिए यह सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम था। बनिहाल में न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस अधिक), बटोटे में 9.0 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस अधिक), कटरा में 14.5 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक) और भदरवाह में 5.2 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से ऊपर) दर्ज किया गया।

राजधानी में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में, एक्यूआई 396 के पार

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली में हवा में घुलते प्रदूषण के कारण लोगों का सांस लेना दूभर होता जा रहा है। पंजाब एवं हरियाणा में रिकॉर्ड तोड़ पराली जलाने से उठते धुएं ने राजधानी दिल्ली की हवा को खतरनाक श्रेणी में पहुंचा दिया है। गुरुवार सुबह राजधानी दिल्ली में धुंध और धुएं के कारण प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। गुरुवार को दिल्ली- एनसीआर में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 396 रिकॉर्ड किया गया। राजधानी में धुंध और धुएं के कारण सड़कों पर विजिबिलिटी बहुत खराब रही। नोएडा की स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

यहां औसत एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया। इसके अलावा दिल्ली से सटे गुरुग्राम में एक्यूआई 456 रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई का स्तर 400 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने निर्यात बाजार को देखते हुए तेजस मार्क -1ए के दाम तय करने को कहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। अगले पांच वर्षों में पांच बिलियन डॉलर तक रक्षा निर्यात का लक्ष्य लेकर चल रहे रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी मार्क -1ए तेजस विमानों के दामों पर फोकस किया है। डीआरडीओ और एचएएल को निर्देश दिया गया है कि तेजस विमान के उत्पादन में लागत और मैन पावर लागत को कम रखते हुए प्रति यूनिट पर काम करने की जरूरत है, ताकि दाम के मामले में निर्यात बाजार को बढ़ावा देने में आसानी हो सके। स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किये जाने से यह सबसे किफायती 4.5 जनरेशन का मीडियम वेट फाइटर जेट होगा। मलेशिया ने भारत में बने लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क -1ए खरीदने के प्रति दिलचस्पी दिखाई है। मलेशियाई वायुसेना की एक टीम एलसीए के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बेंगलुरु प्लांट का दौरा भी कर चुकी है। मलेशियाई टीम को एलसीए उत्पादन की सुविधाओं, परीक्षण बुनियादी ढांचे के साथ-साथ लड़ाकू क्षमता के बारे में पूरी जानकारी दी जा चुकी है। मलेशिया के फाइटर जेट प्रोग्राम के लिए प्रतियोगिता में चीन का जेएफ-17, दक्षिण कोरिया का एफए-50 और रूस की तरफ से मिग-35 और याक-130 प्लेन शामिल थे। तेजस ने इन सबको पछाड़कर अपनी पहली पोजिशन हासिल कर ली है। एलसीए तेजस मार्क -1ए की डील में भारत मलेशिया को मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल का ऑफर भी दे रहा है। यानी मलेशिया में ही एक फैसिलिटी बनाई जाएगी जहां भारतीय इंजीनियर तेजस समेत रूसी सुखोई-30 फाइटर जेट की मरम्मत भी करेंगे। दरअसल, मलेशिया अभी रूस से मदद नहीं ले सकता है क्योंकि यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस पर अंतरराष्ट्रीय डील करने पर प्रतिबंध लगा है। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) और एचएएल विमान में 90 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री को शामिल करने पर काम कर रहे हैं, जबकि शुरूआती दौर में 75 फीसदी स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किये जाने का फैसला हुआ था। तेजस मार्क -1ए विमान की लागत में कमी लाने के लिए कई घटक और प्रणालियों का निर्माण भारत में ही किया जाएगा, जो पहले विदेशों से आने वाली थीं। विमान एक नई उत्पादन लाइन स्थापित करने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ बातचीत भी चल रही है। उत्पादन में अधिक स्वदेशी सामग्री इस्तेमाल किये जाने से प्रति विमान की लागत में और गिरावट आने की संभावना है, जिससे यह सबसे किफायती 4.5 जनरेशन का मीडियम वेट फाइटर जेट होगा। हालांकि, तेजस मार्क -1ए में जीई का एफ-414 इंजन (98 केएन थ्रस्ट) लगाया जाना है, जो विदेशी मूल का सबसे बड़ा घटक होगा। इंजन के पुर्जों का निर्माण भारत में किया जा सकता है। जीई ने पहले ही एक दर्जन से अधिक इंजन भारत को भेज दिए हैं जिनका उपयोग प्रोटोटाइप विमानों पर किया जाएगा।

चारधाम यात्राः बदरीधाम में अबतक 16 लाख 89 हजार से अधिक पहुंचे श्रद्धालु, 19 नवंबर को बंद होंगे कपाट

देहरादून, (हि.स.)। बदरीनाथ धाम में अब तक 16 लाख 89 हजार 563 तीर्थ यात्री दर्शन कर चुके हैं। चारधाम में कुल 43 लाख 63 हजार से अधिक यात्री पहुंचे हैं। बदरी धाम के कपाट शीतकाल के लिए 19 नवम्बर को बंद हो जाएंगे, जबकि केदारनाथ, गंगोत्री,यमुनोत्री के कपाट अक्टूबर माह में ही बंद हो गए। बदरी-केदार मंदिर समिति के मुताबिक 02 नवम्बर रात्रि तक कुल 2069 तीर्थ यात्री धाम में पहुंचे। इस साल के यात्रा में बदरीनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 8 मई से 2 नवंबर तक 16 लाख 89 हजार 563 लोगों ने दर्शन किए। बदरीनाथ धाम में सर्दी बढ़ी है। फिलहाल मौसम सामान्य। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सुचारू है। 02 नवंबर तक उत्तराखंड चारधाम पहुंचे तीर्थयात्रियों की संख्या 43 लाख 63 हजार 45 पहुंच गई है। केदारनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 6 मई से 27 अक्टूबर कपाट बंद होने तक 15 लाख 63 हजार 278 लोग पहुंचे हैं। कपाट बंद होने तक इनमें से हेलीकॉप्टर से आने 15 लाख 1 हजार 795 तीर्थयात्री शामिल हैं। नवंबर तक बदरीनाथ-केदारनाथ कुल 32 लाख 52 हजार 841यात्री पहुंचे हैं। यमुनोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि 3 मई से 27 अक्टूबर कपाट बंद होने तक तक 4 लाख 85 हजार 688 लोग और गंगोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि 3 मई से 26 अक्टूबर कपाट बंद होने तक 6 लाख 24 हजार 516 लोग धाम में तीर्थ यात्री दर्शन को पहुंचे। गंगोत्री-यमुनोत्री दोनों धामों में कुल पहुंचे यात्रियों की संख्या 11 लाख 10 हजार 204 है। हेमकुंट साहिब-लोकपाल तीर्थ पहुंचे तीर्थयात्रियों की संख्या कपाट खुलने की तिथि 22 मई से 10 अक्टूबर कपाट बंद की तिथि तक 2 लाख 47 हजार है। चारधाम और हेमकुंट साहिब लोकपाल तीर्थ को मिलाकर कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 46 लाख 33 हजार 45 है। कपाट बंद होने की तिथियांः- बदरीनाथ धाम के कपाट शनिवार 19 नवंबर को बंद होंगे। केदारनाथ धाम 27 अक्टूबर, यमुनोत्री धाम 27 अक्टूबर और गंगोत्री धाम के कपाट 26 अक्टूबर को शीतकालीन बंद हो गए।

हिंसक तत्वों पर अंकुश लगा मेघालय के हिन्दूओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकारः मिलिंद परांडे

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के महामंत्री मिलिंद परांडे ने गुरुवार को कहा कि मेघालय की राजधानी शिलांग में 28 अक्टूबर, 2022 को हिंसा की जो घटना घटी वह घोर निंदनीय है। फेडरेशन ऑफ खासी, जयंतिया और गारो पीपल के द्वारा कथित बेरोजगारी के विरोध में निकाला गया प्रदर्शन जिस प्रकार उग्र और हिंसक भीड़ में बदल गया, वह मेघालय सरकार या केंद्र सरकार के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश के लिए चिंता का विषय है। मिलिंद परांडे ने सरकार से मांग की है कि हिंसा व अलगाववादी मार्ग के वाहक संगठनों पर कठोर कार्रवाई कर राज्य के निरपराध व शांतिपूर्ण हिन्दू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही हिंसक लोगों को खाद-पानी देने वाले सेक्यूलर विरादरी के राजनैतिक संगठनों पर भी अंकुश लगाया जाए।

परांडे ने कहा कि अनियंत्रित हिंसा करने के अलावा उन्मादी भीड़ द्वारा जिस प्रकार के राजनीतिक व राष्ट्र विरोधी नारे लगाए जा रहे थे उससे स्पष्ट होता है कि इस कथित आंदोलन के पीछे किन शक्तियों की प्रेरणा है। ऐसा लगता है कि मेघालय और भारत का हताश विपक्ष मेघालय के युवाओं के एक वर्ग को भ्रमित कर हिंसा के मार्ग पर जाने के लिए प्रेरित कर रहा है। एफ-केजेजीपी के अध्यक्ष डंडी खोसगिंट ने हिंसा पर दिखावटी चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि यह हिंसक प्रदर्शन तो केवल शुरूआत है। ऐसा लगता है उनकी रूचि समाधान में नहीं बल्कि हिंसा के द्वारा संपूर्ण मेघालय के शांतिप्रिय समाज को आतंकित कर अपने आकाओं के भारत विरोधी एजेंडे को पूरा करने में है। वहां के प्रशासन की अकर्मण्यता ने आग में घी का काम किया है। परांडे ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों से अराष्ट्रीय तत्वों के संकेत पर चल रही इस प्रकार की हिंसा का मेघालय के विकास पर भी दुष्परिणाम दिखाई दे रहा है।

यूपी में पिछड़ी जातियों का जीवनस्तर सुधारने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की सभी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए मुख्यमंत्री की ओर से समस्त विभागों को स्पष्ट निर्देश है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में मुसहर, सहरिया, वनटांगिया और विमुक्त एवं घुमंतु समुदाय के लिए योगी सरकार ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। सरकार की ओर से न सिर्फ इन समुदायों को आवास की सुविधा मिलेगी, बल्कि सरकार उनके रोजगार के लिए भी प्रयास करेगी। यही नहीं, उनकी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं मूलभूत सुविधाओं का भी सरकार की ओर से प्रयत्न किया जाएगा। सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक इन समुदाय के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। राजस्व विभाग के माध्यम से भूमि आवंटन कराकर प्रधानमंत्री ग्रामीण या शहरी आवास योजना के अन्तर्गत आवासीय सुविधाएं प्रदान कराई जाएं। उनके निवास क्षेत्र के समीप ही व्यवसाय उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाए। मनरेगा जॉब कार्ड के लिए स्थानीय स्तर पर ऐसे परिवारों को चिह्नित कर जनसुविधा केंद्र इत्यादि के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर सभी वंचित परिवारों को मनरेगा योजना का लाभ दिया जाए। इसके अलावा समस्त परिवारों को चिह्नित कर उनके बच्चों का स्थानीय प्राथमिक/माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन कराया जाए। शत-प्रतिशत छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति दिया जाए। इन वंचित समुदायों की वयस्क आबादी को उनकी शैक्षिक योग्यता एवं कार्यक्षमता के अनुरूप जिला स्तर पर संचालित कौशल विकास संस्थानों के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाया जाए। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड की पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना के माध्यम से लाभान्वित कराया जाए।

पिछली सरकारों में उपेक्षित रहा है ये समुदाय – उत्तर प्रदेश में मुसहर समुदाय के लोग 19 जिलों में निवास करते हैं। इनमें महाराजगंज, आजमगढ़, गाजीपुर, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, कुशीनगर, जौनपुर, वाराणसी, संत रविदास नगर, मिजार्पुर, अंबेडकरनगर, अमेठी, चंदौली, मऊ, प्रतापगढ़, सोनभद्र और सुल्तानपुर जैसे जिले प्रमुख हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में इस जाति की कुल आबादी 2 लाख 57 हजार 135 है। वहीं, सहरिया समुदाय के लोग ललितपुर में संकेंद्रित हैं। इनकी कुल आबादी 70,634 है। ये लोग अपने जीवन-यापन के लिए लकड़ी से टोकरी बनाना, बेल पत्र एकत्र करना, जड़ी-बूटी का विक्रय करते हैं। वहीं वनटांगिया जाति के लिए लोग गोरखपुर, बलरामपुर, बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुरखीरी, महराजगंज में निवास करते हैं। इनकी कुल आबादी लगभग 40 हजार है। पिछली सरकारों में ये जातियां इस कदर उपेक्षित रही हैं कि इनका पुरसाहाल लेने वाला भी कोई नहीं था। हालांकि योगी सरकार आने के बाद न सिर्फ इनकी सुध ली गई बल्कि सरकार अब इनका जीवनस्तर सुधारने और इन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए युद्धस्तर पर जुट गई है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी ने दीपावली के अवसर पर वनटांगिया समुदाय के लोगों के बीच पहुंचकर इसके संकेत दिए थे।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम चरण पादुका की पूजा कर रथ को किया रवाना

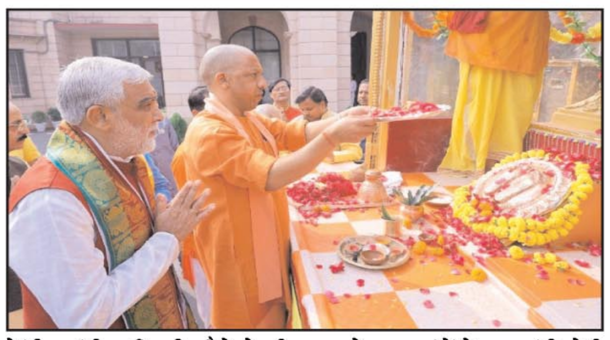

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को श्रीराम चरण पादुका पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं साधु-संत मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से श्रीराम चरण पादुका की पूजा-अर्चना कर श्रीराम कर्मभूमि यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने गंगा जल से आचमन और श्रीराम चरण पादुका पर पुष्प अर्पित कर भगवान श्रीराम से लोक कल्याण की मंगलकामना की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भी विधि-विधान से श्रीराम चरण पादुका की पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने नारियल फोड़कर श्रीराम चरण पादुक रथ को रवाना किया। इससे पहले साधु-संतों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवान श्रीराम पर आधारित पुस्तक और गंगाजल भेंट किया। श्रीराम कर्मभूमि यात्रा अयोध्या से बक्सर होते हुए जनकपुर तक जाएगी।

वृंदावन गार्डन होटल के ऊपरी मंजिल में लगी आग, दो कर्मचारियों की जलकर मौत

-फायरबिग्रेड और वृंदावन पुलिस ने बगल के ब्लॉक से सुरक्षित निकाले 100 पर्यटक
-जल्द वृंदावन में बनेगा फायर स्टेशनः एसएसपी

मथुरा, (हि.स.)। मथुरा वृंदावन मार्ग स्थित रामकृष्ण मिशन अस्पताल के निकट स्थित बसेरा ग्रुप के वृंदावन गार्डन होटल में गुरुवार तड़के आग लग गई। आग होटल के ऊपरी मंजिल स्थित गोदाम में लगी, जिसमें दो कर्मचारी की जलकर मौत हो गई, जबकि एक को गंभीर हालत में आगरा रेफर किया गया है। फिलहाल अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पा लिया है। मथुरा वृंदावन मार्ग स्थित बसेरा ग्रुप के मैरिज होम वृंदावन गार्डन गेस्ट हाउस की ऊपरी मंजिल पर स्थित गोदाम में गुरुवार सुबह करीब पांच बजे आग की लपटें उठती दिखाई दीं, तो कर्मचारियों ने शोर मचा दिया। जिससे वहां अफरा तफरी मच गई। मैरिज होम की जिस बिल्डिंग में आग लगी वह तीन फ्लोर की है। इसमें पहली में रेस्टोरेंट्स, दूसरी में किचन और तीसरी में गोदाम है। आग की शुरूआत गोदाम से हुई है। आग लगने की सूचना के 40 मिनट बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम प्रभारी डॉ भूदेवी एंबुलेंस और स्वास्थ्य टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। आग बुझाने के बाद सर्च अभियान चलाने पर होटल की तीसरी मंजिल पर दो लोग उन्नत अवस्था में मिले मृत अवस्था में मिले मृतकों में कासगंज निवासी उमेश (30) और मांट निवासी वीरी सिंह (42) थे। इसके अलावा पानी गांव निवासी 55 वर्षीय विजेंद्र गंभीर रूप से झुलस गए। डॉ भूदेव ने बताया कि विजेंद्र को पहले सरसैया अस्पताल भेजा गया। बाद में उनकी गंभीर दशा को देखते हुए आगरा रेफर कर दिया है। होटल के प्रबंधक ऋषि कुंतल का कहना था कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है । जिसकी सूचना मिलने पर होटल कर्मचारियों द्वारा आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए गए थे । बाद में दमकल की गाड़ियां आ गई। वहीं इसी बिल्डिंग से सटी बगल में दूसरी ब्लॉक है, उसमें 25 कमरे बने हुए हैं। इनमें सूरत और हरियाणा के पर्यटक ठहरे हुए थे। आग का पता चलते ही आनन-फानन में काफी पर्यटकों को होटल से रेस्क्यू कर 100 पर्यटकों का बाहर निकाला। सीएफओ प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग किन कारणों से लगी इसकी जांच की जा रही है। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से आग गोदाम में लगी। इसके बाद फैलती चली गई। इस बात की आशंका भी है कि किसी कर्मचारी ने बीड़ी सिगरेट पीकर तो नहीं फेंकी थी, जिससे आग लगी। होटल के सीसीटीवी को भी चेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आग को कंट्रोल कर लिया गया है। इसके बाद सर्च अभियान चलाया जाएगा। सूचना पाकर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने बताया कि गेस्ट हाउस में शायद शार्ट सर्किट से आग लगने से गोदाम में सो रहे दो कर्मचारी की मौत हो गई है एक कर्मचारी झुलसा है जिसका आगरा उपचार चल रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया जल्द ही मथुरा में फायर स्टेशन बनेगा। आग के कारणों की जांच के लिए टीम काम कर रही है।

हजरतगंज की प्रिंस मार्केट में चौथी मंजिल पर कोचिंग में लगी भीषण आग, कई लोग फंसे

– रेस्क्यू कर एसडीआरएफ व दमकल की टीमों ने आग में फंसे कई लोगों सुरक्षित निकाला
– दमकल की टीमों ने पुलिस के साथ भीषण आग पर कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

लखनऊ, (हि.स.)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित प्रिंस मार्केट में गुरूवार को आग लग गयी। आग चौथी मंजिल में बनी एक कोचिंग सेंटर में कई लोग फंस गए। इसकी जानकारी पर एसडीआरएफ, दमकल व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर आग में फंसे कई लोगों को निकालते हुए कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। पुलिस व दमकल अब सुरक्षा मानकों को लेकर मार्केट की जांच कर रही है। हजरतगंज स्थित भीड़-भाड़ वाले इलाके में प्रिंस मार्केट है। आज अचानक मार्केट की चौथी मंजिल में बनी कोचिंग सेंटर में आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देख वहां आए पढ़ने आए बच्चे घबरा गए और जान बचाकर भागने लगे। इस बीच मार्केट के बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गयी है। आग में कई लोगों के फंसने की सूचना मिलते ही हजरतगंज थाना पुलिस, दमकल के साथ एसडीआरएफ की टीमें पहुंच गई और रेस्क्यू के साथ आग बुझाने में जुट गई। संयुक्त रूप से टीमों ने रेस्क्यू करते हुए कई लोगों को सुरक्षित निकालते हुए आग पर कड़ी मशक्कत करते हुए काबू पाया। दमकल के मुताबिक प्रिन्स मार्केट की चौथी मंजिल में कोचिंग संस्थान चलता है। जिसमें प्रथम हष्टया शार्ट सर्किट से आग लग गई थी। राहत व बचाव कार्य करते हुए आग में फंसे कई लोगों को सुरक्षित निकालते हुए आग पर काबू पाया। मार्केट में सुरक्षा मानकों में कमी मिली है और उसकी जांच की जा रही है।

लखनऊ से उन्नाव तक गुणवत्ता वाली दिखें सड़कें : जितिन प्रसाद

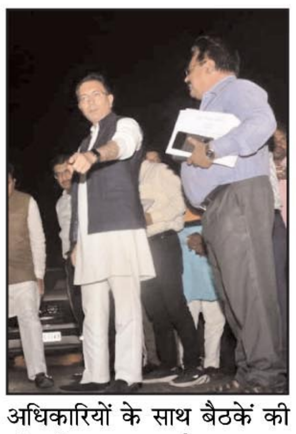

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि उन्नाव के अधिकारियों को सड़कों की गुणवत्ता पर ध्यान रखना होगा। लखनऊ से उन्नाव तक सड़कें गुणवत्ता वाली दिखायी दें। जितिन प्रसाद ने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने 15 नवम्बर तक उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में गुणवत्ता वाली सड़के देने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए प्रमुख सचिव अपने निगरानी में कार्य को समय से पूरा करायेंगे। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही भी करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लखनऊ और आसपास की सड़कों को गुणवत्ता पूर्ण बनाने के लिए दिनरात कार्य हो रहे हैं। लखनऊ के बाद सीतापुर जनपद में उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठकें की थी। सीतापुर जनपद के बाद अब वह उन्नाव के दौरे पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उत्तम सड़कें देने की विभागीय कार्य योजना में सभी प्रमुख अधिकारियों की टीम लगी हुई है। इस दौरान जो कोई अधिकारी अपने कार्य में लापरवाही करते मिलता है, वह कार्यवाही के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा।

अवैध पत्थर खनन मामले में ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए मुख्यमंत्री

रांची, (हि.स.)। अवैध पत्थर खनन मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम के सामने नहीं पहुंचे। ईडी ने नोटिस भेजकर मुख्यमंत्री सोरेन को आज पूछताछ के लिए बुलाया था। मुख्यमंत्री को ईडी के समन के बाद राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। ईडी ने सुबह साढ़े 11 बजे मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध खनन मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री सोरेन को बुलाया था। इस मामले में ईडी की पिछले कई दिनों की कार्रवाई के दौरान कई बड़े कारोबारी और राजनीतिक चेहरे सामने आये हैं। ईडी के पदाधिकारियों ने अंदेशा जताया था कि मुख्यमंत्री से पूछताछ के दौरान कार्यकर्ता व समर्थक विरोध कर सकते है। इसी आशंका को लेकर ईडी के अधिकारियों ने पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय को पत्र भेज कर सुरक्षा की मांग की थी, जिसके बाद गुरुवार को भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय की बढ़ाई गई सुरक्षा, 29 जवान तैनात

रांची, (हि.स.)। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी के समन के बाद हरमू रोड स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गुरुवार सुबह आठ बजे से जिला पुलिस की एक प्लाटून को प्रदेश मुख्यालय में तैनात किया गया है। इसमें पुलिस के 29 जवान, दो सब इंस्पेक्टर और एक इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से एहतियात के तौर पर फायर ब्रिगेड और वाटर कैनन की व्यवस्था हरमू मैदान के पास रखी गई है। भाजपा मुख्यालय के सामने बैरिकेडिंग कर दी गई है। साथ ही वहां से गुजरने वालों पर पुलिस जवान कड़ी निगरानी रखे हुए हैं।

सिविल सोसाइटी ने एसीएम को सौंपा ज्ञापन

अररिया (हि.स.)। स्टेशन कंसलटेटिव कमिटी के साथ बैठक करने हेतु कटिहार रेल मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार के फारबिसगंज स्टेशन पहुंचे।जहां पर फारबिसगंज सिविल सोसाइटी का एक प्रतिनिधि मंडल उपाध्यक्ष राकेश रोशन के नेतृत्व में उनसे मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। सौंपे गये ज्ञापन में फारबिसगंज स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की बढ़ोतरी के अलावा मुख्य रूप से पूर्व में परिचालित हो रही जोगबनी से रात्रि कालीन ट्रेन को बंद किए जाने के कारण यात्रियों को हो रही असुविधा को लेकर इस ट्रेन की सेवाओं को फिर से बहाल करते हुए इसे मनिहारी घाट तक विस्तारित किए जाने की मांग की गई। जिससे ब्रह्म कालीन मुहूर्त में गंगा स्नान करने जाने वाले श्रद्धालुओं को भी इसका पूरा फायदा मिल सके। प्रतिनिधिमंडल में सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य अजातशत्रु अग्रवाल, मंगल चंद चैनवाला, बृजेश राय, अवधेश कुमार साह आदि मुख्य रूप से शामिल थे। सदस्यों द्वारा निमार्णाधीन गलगलिया-अररिया रेल लाइन को खवासपुर से फारबिसगंज में जोड़ने तथा फारबिसगंज-सहरसा अमान परिवर्तित रेल लाइन के लोकार्पण की तिथि के सवाल पर एसीएम ने कोई आधिकारिक जवाब देने से परहेज किया।

झारखंड पुलिस खरीदेगी 3770 इंसास राइफल

रांची, (हि.स.)। झारखंड पुलिस जल्द ही 3770 इंसास राइफल खरीदेगी। इसकी लागत लगभग 44 करोड़ रुपये की होगी। यह खरीददारी पुलिस आधुनिकीकरण मद से किया जायेगा। इस मद से साल 2017-18 से अब तक 57.80 करोड़ रुपये से शस्त्र और गोला-बारुद के अलावा 83 वाहनों की खरीदारी की गई है। जानकारी के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक कुल 149 आधुनिक थाना भवन, पिकेट, प्रशिक्षण केंद्र, बैरक आदि का निर्माण किया गया है। सिक्योरिटी रिलेटेड एक्सपेंडिचर योजना से 45 फोर्टिफायड पुलिस स्टेशन का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। शेष 19 थाना भवन का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

शक्तिपीठ से प्रखंड परिभ्रमण के लिए चल पड़ा 108 कुंडीय महायज्ञ शक्ति कलश

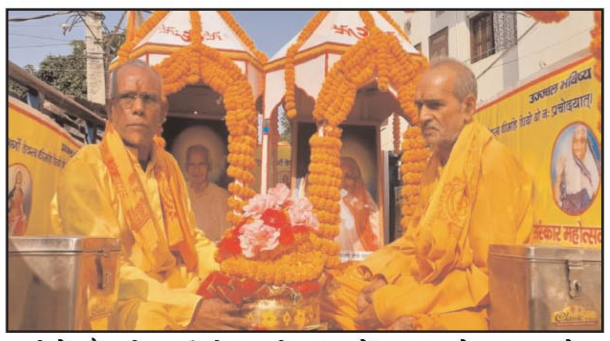

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय में 16 से 19 दिसम्बर तक होने वाले 108 कुंडीय नव चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ-सह-युवा सम्मेलन के लिए शांतिकुंज हरिद्वार से आए अभिमंत्रित शक्ति कलश का प्रखंड परिभ्रमण गुरुवार से शुरू हो गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला मुख्यालय के सर्वोदय नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ पहुंचे परिजन पूजा-अर्चना के बाद गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा दिए गए उज्जवल भविष्य के नारों के साथ शक्ति कलश लेकर चल पड़े। भ्रमण कार्यक्रम की शुरूआत चेरिया वरियारपुर प्रखंड से की गई है। माता गायत्री, गायत्री परिवार के संस्थापक गुरुदेव एवं माताजी माता जी की प्रतिमा से सजे रथ पर शक्ति कलश सबसे पहले चेरिया बरियारपुर प्रखंड की सीमा में पहुंचा। जहां बड़ी संख्या में परिजनों ने दर्शन एवं पूजन किया तथा रात्रि विश्राम खोदावंदपुर प्रखंड में होगा। यहां देर रात दीप यज्ञ एवं विश्राम के बाद यह शक्ति कलश रथ चार नवम्बर को प्रथम पाली में छौड़ाही एवं द्वितीय पाली में गढ़पुरा प्रखंड में भ्रमण एवं दीप यज्ञ होगा। पांच नवम्बर को प्रथम पाली में बखरी एवं द्वितीय पाली में नावकोठी, छह नवम्बर को प्रथम पाली में वीरपुर एवं द्वितीय पाली में भगवानपुर, सात नवम्बर को प्रथम पाली में मंसूरचक एवं द्वितीय पाली में बछवाड़ा, आठ नवम्बर को प्रथम पाली में तेघड़ा एवं द्वितीय पाली में बरौनी, नौ नवम्बर को प्रथम पाली में साहेबपुर कमाल एवं द्वितीय पाली में डंडारी, दस नवम्बर को प्रथम पाली में बलिया एवं द्वितीय पाली में मटिहानी तथा 11 नवम्बर को पूरे दिन शाम्हो प्रखंड भ्रमण करेगा। इस दौरान प्रत्येक दिन संबंधित जगहों पर गुरुदेव का संदेश, कलश दर्शन के बाद शाम में दीप यज्ञ होगा। गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माताजी भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में बेगूसराय के आईटीआई मैदान में 16 से 19 दिसम्बर तक 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ, युवा सम्मेलन, संस्कार महोत्सव, युवा सम्मेलन एवं सदगुरू ज्ञान गंगा सदग्रंथ स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस महायज्ञ में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता के लिए शांतिकुंज हरिद्वार से आए शक्ति कलश का जन जागरण के उद्देश्य से सभी प्रखंडों में भ्रमण शुरू किया गया है।

सहारा इंडिया प्रमुख सुब्रत राय के खिलाफ पटना में एफआईआर दर्ज

पटना, (हि.स.)। राजधानी पटना के फुलवारीशरीफ थाना में गुरुवार को सहारा इंडिया के निवेशकों ने सहारा इंडिया प्रमुख सुब्रत राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। बड़ी संख्या में सहारा इंडिया के ग्राहक और अभिकर्ता थाना पहुंचे और कंपनी के प्रमुख सुब्रत राय, विपुल कुमार, केसरी किशोर के साथ कविंद्र कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। थानाध्यक्ष ने बताया कि निवेशकों के साथ अभिकर्ता भी थाना पहुंचे थे। निवेशकों से लगभग 50 करोड़ से ज्यादा रुपये कंपनी में जमा करने के नाम पर लिए गए थे। दस साल बीत जाने के बावजूद उनके रुपये फंसे हुए हैं। निवेशकों ने सहारा इंडिया में हजारों और लाखों रुपये को अधिक ब्याज पर जल्दी दोगुना करने के लिए जमा किया था। जब सहारा में उनकी अवधि पूरी हुई तो उन्हें पैसे नहीं लौटाए गए। कंपनी को इसके लिए काफी फजीहत भी झेलनी पड़ी लेकिन अब तक निवेशकों के रुपये फंसे हुए हैं। निवेशकों के 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की जमा राशि कंपनी में जमा हैं लेकिन उनके रुपये नहीं लौटाए जा रहे हैं। निवेशकों ने तंग आकर फुलवारशिरीफ थाना में कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है।

बेगूसराय में चार से छह नवम्बर तक लगेगा बिहार के बाल वैज्ञानिकों का महाकुंभ

बेगूसराय, (हि.स.)। 30वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2022 का आयोजन चार से छह नवम्बर तक बेगूसराय में किया जाएगा। अमरौर के समीप स्थित उड़ान इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इस तीन दिवसीय विज्ञान महाकुंभ में विभिन्न जिलों के करीब चार सौ बाल वैज्ञानिक शामिल होंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है तथा गुरुवार से प्रतिभागियों का पहुंचना शुरू हो गया है।यह जानकारी गुरुवार को कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन समिति के सदस्यों ने दी। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय ने कहा कि चार नवम्बर की सुबह 7:30 बजे गांधी स्टेडियम से जीडी कॉलेज तक रैली के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम का आगाज हो जाएगा। इसके बाद 11 बजे से उद्घाटन सत्र होगा तथा तकनीकी सत्र, स्मारिका विमोचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विज्ञान के प्रारूप का प्रस्तुतीकरण एवं साइंस वर्कशॉप होगा। पांच नवम्बर को पुनः तकनीकी सत्र, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा छह नवम्बर को क्षेत्रीय भ्रमण, परिणाम की घोषणा एवं पारितोषिक वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि "स्वास्थ्य और कल्याण पारितंत्र को समझना" संबंधी मुख्य विषय पर आयोजित यह तीन दिवसीय बाल विज्ञान कांग्रेस देश और समाज के लिए वरदान साबित होगा। मेघावी संतानों के बल पर ही नए प्रदेश और देश के नवनिर्माण की आशा की जाती है। इस विज्ञान महाकुंभ का संदेश पूरे राष्ट्र में जाएगा। 193 देश के राष्ट्राध्यक्ष के सम्मेलन में पर्यावरण की समस्या पर चिंता जताई गई है और इस कार्यक्रम का मुख्य विषय पर्यावरण और मानव कल्याण से संबंधित है। बाल विज्ञान कांग्रेस में शामिल हो रहे बच्चे ऐसे समय के बाल वैज्ञानिक हैं, जब स्वदेश निर्मित आईएनएस विक्रांत आ चुका है। हमारे देश के वैज्ञानिक ने दुनिया का सबसे उन्नत जीपीएस सिस्टम विकसित किया। कोरोना काल में दुनिया में सबसे पहले, सबसे बेहतर और सबसे सस्ता कोरोना का टीका बनाया। उम्मीद है कि 2018 के बाद एक बार फिर बेगूसराय में आयोजित हो रहा है राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस स्वर्णिम भविष्य की चुनौती को स्वीकार करेगा तथा तीन दिनों तक विभिन्न विषयों पर मंथन कर नया परिवेश बनेगा।

संपादकीय

सियासी करियर फंसा

चुनावी रैलियों में मतदाता की शुमारी, मुद्दों के बोझ से जनता की उतर रही खुमारी। यंत्र और तंत्र कहीं खामोश अवतरण में अपनी निष्ठा का आरोहण कर रहे, लेकिन हिमाचल की परिक्रमा में राजनीति का करियर फंस गया है। ताजा समीकरणों और परिस्थितियों से आजिज माहौल में कई नेताओं का सियासी करियर अपने अंतिम दांव पर है। जहां बगावत है, वहां कौन होगा गूदड़ी का लाल और किसके सिर फूटेगा हार का ठीकरा। कोई जीत से गाफिल हुआ, कोई दूसरे को हराने की नौबत तक पहुंच गया, तो कोई घर से भी और घराट के खिलाफ भी हो गया। वीरभद्र सिंह की कमी को क्या प्रियंका गांधी पूरा कर लेंगी और क्या मोदी-अमित शाह की रैलियों की आपूर्ति का मुकाबला कांग्रेस कर पाएगी। कम से कम सोलन व मंडी में प्रियंका गांधी कुछ हद तक कांग्रेस के अभियान को महारैलियों से जोड़ती हुई तो नजर आईं, लेकिन वीरभद्र सिंह की अनुपस्थिति में पार्टी के लिए यह चुनाव एक अलग तरह का गणित है। यह दौर है कि कांग्रेस के बीच 'मुख्यमंत्री पद' की लालसा का इम्तिहान अब तीन या चार नेताओं में बंट कर पार्टी की मेहनत को कई आयाम से जोड़ सकता है। भाजपा के पास बड़े नेताओं और राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की कमी नहीं है, फिर भी शांता-धूमल फैक्टर की समीक्षा होगी। बेशक इस चुनाव में शांता कुमार ने अपने हाशिए तय कर लिए हैं, लेकिन प्रो. प्रेम कुमार धूमल की विरासत को खारिज करके भाजपा अगली पायदान पर नहीं पहुंच पाएगी। इसी परिप्रेक्ष्य में टिकटों का आबंटन भी बड़े नेताओं की रिद्धि-सिद्धि का मूल्यांकन कर रहा है। जिस तरह बिलासपुर सदर में भाजपा के विरोध में भाजपा खड़ी है, तो वहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के रणनीतिक कौशल की समीक्षा हर तरह के परिणाम आने पर होगी ही होगी। जहां मंत्रियों की सीटें बदल दी गईं वहां राकेश पठानिया और सुरेश भारद्वाज के राजनीतिक करियर पूरी तरह फंस गए हैं। करियर की धूप-छांव में कई सीटों के समीकरण खासी असमंजस में हैं। ज्वालाजी से देहरा पहुंचे पूर्व मंत्री रमेश धवाला के सामने अपनी हिफाजत का अंतिम मौका है, तो पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि के पांव भी समतल धरती पर नहीं हैं। यह इसलिए भी कि एंटीइंकबैंसी का तो वर्तमान दौर के हर विधायक के साथ सीधा मुकाबला है। ऐसे में प्रियंका गांधी अगर पांच साल के परिवर्तन को जायज ठहराती हैं, तो यह केवल सत्ता का ही विरोध नहीं, बल्कि हर जनप्रतिनिधि के खिलाफ एक तरह का अलार्म है। जनता की मायूसी हर जनप्रतिनिधि के व्यवहार, कार्यकलाप और संकीर्ण दृष्टिकोण को लेकर है। हम यह नहीं भूल सकते कि हिमाचल की जनता ने समय-समय पर कई मुख्यमंत्रियों तक को पटकनी दी है और मंत्रियों के वर्चस्व को जमीं सुंघाई है। इस बार भी जनता की अदालत में मंत्रियों के खिलाफ जबरदस्त मुकदमा न होता, तो राकेश पठानिया को नूरपुर और सुरेश भारद्वाज को शिमला में अपना रचा बसा संसार न छोड़ना पड़ता। हिमाचल में मिशन रिपीट अब रिवाज बदलने के मुकाम पर भाजपा की कसरतें बढ़ा चुका है, लेकिन परिवर्तन भी हिमाचल में एक सामाजिक विचारधारा बन गया है। यह सियासी विचारधारा से ऊपर ऐसी आसक्ति है, जो हर चुनाव को नित नया आईना दिखाती है। ये आईने कहीं विरोध का पक्ष देख रहे हैं, तो कहीं पक्ष का विरोध देखने लगते हैं। इस बार चुनाव में जीत दिलाने के बजाय किसी न किसी को शिकस्त दिलाने के मकसद से परिस्थितियां गोलबंद हुई हैं। यानी कि चुनावी परिदृश्य में फिलहाल न तो एक तरफा सरकारी विरोध है और न ही इस खुशफहमी को आवाज मिल रही है कि रिवाज बदल रहा है, फिर भी सियासी करतूतों के आगे आम मतदाता यूं ही बीन नहीं बजा पाएगा। राजनीति एक बार फिर हिमाचली समाज की जागरूकता के आगे बौनी सिद्ध हो रही है और इसलिए कई भ्रम टूट सकते हैं।

कांग्रेस के बीच 'मुख्यमंत्री पद' की लालसा का इम्तिहान अब तीन या चार नेताओं में बंट कर पार्टी की मेहनत को कई आयाम से जोड़ सकता है। भाजपा के पास बड़े नेताओं और राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की कमी नहीं है, फिर भी शांता-धूमल फैक्टर की समीक्षा होगी। बेशक इस चुनाव में शांता कुमार ने अपने हाशिए तय कर लिए हैं, लेकिन प्रो. प्रेम कुमार धूमल की विरासत को खारिज करके भाजपा अगली पायदान पर नहीं पहुंच पाएगी। इसी परिप्रेक्ष्य में टिकटों का आबंटन भी बड़े नेताओं की रिद्धि-सिद्धि का मूल्यांकन कर रहा है। जिस तरह बिलासपुर सदर में भाजपा के विरोध में भाजपा खड़ी है, तो वहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के रणनीतिक कौशल की समीक्षा हर तरह के परिणाम आने पर होगी ही होगी।

विचार

पुल के निर्माण के लिए आवश्यक सभी सामग्री इंग्लैंड से आई थी। सस्पेंशन ब्रिज 1.25 मीटर चौड़ा और 233 मीटर लंबा था

मोरबी में हादसा नहीं नरसंहार हुआ है, दोषी बख्शे नहीं जाने चाहिए

अशोक मधुप

धन कमाने की लालसा में पुल की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार यह भी भूल गए कि निर्धारित क्षमता से चार से पांच गुना व्यक्ति पुल पर जमा हो गए हैं। पुल पर एकत्र भीड़ को पुल से हटने के लिए न चेतावनी दी गई, न ही कोई कार्रवाई की गई। जिम्मेदार व्यक्ति तमाशबीन बने खड़े रहे। गुजरात पुलिस ने पुल ढहने की घटना में आईपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या के लिए सजा) और 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में अब तक कंपनी के दो प्रबंधक सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मोरबी में दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। पीएम मोदी ने मोरबी में चल रहे राहत अभियान के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मोरबी में मच्छू नदी पर बने पुल की घटना को हादसा कहा। ये हादसा नहीं हो सकता। इसमें 136 की जान गई है। एक सौ के करीब घायल हैं। कुछ लापता भी बताए जा रहे हैं। ये 136 लोगों की मौत हादसा नहीं हो सकता। ये इंसानों की बलि है। धन की चाह के लिए लोगों के प्रति किया गया सामूहिक हत्या का अपराध है। जघन्य अपराध है। इसके लिए प्रयोग किया किया गया हर शब्द बौना है। छोटा है। और ऐसी घटना के लिए सजा भी अधिकतम होनी चाहिए। 31 मार्च 2016 को कोलकाता में विवेकानंद रोड फ्लाईओवर गिर गया था। इस हादसे में 27 लोगों की मौत हुई थी। हादसे के बाद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, 'ये कहते हैं- ये तो एक्ट ऑफ़ गॉड है। दीदी, ये एक्ट ऑफ़ गॉड नहीं, ये तो एक्ट ऑफ़ फ्रॉड है, फ्रॉड। ये एक्ट ऑफ़ फ्रॉड का परिणाम है। उस हादसे में 27 मरे थे, यहां 136 मरे हैं। पूरा घटनाक्रम देखने से लगता है कि ये हादसा नहीं, मानवता के प्रति अपराधिक षड्यंत्र है। 136 व्यक्तियों की सामूहिक हत्या है। खुला नरसंहार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लगभग आठ महीने तक पुल को मेंटिनेंस के लिए बंद रखा गया था। मरम्मत का काम एक निजी एजेंसी को सौंपा गया था। बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के त्योहारों को देखते हुए धन कमाने की लालसा में यह पुल खोल दिया गया। धन कमाने की लालसा में पुल की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार यह भी भूल गए कि निर्धारित क्षमता से चार से पांच गुना व्यक्ति पुल पर जमा हो गए हैं। पुल पर एकत्र भीड़ को पुल से हटने के लिए न चेतावनी दी गई, न ही कोई कार्रवाई की गई। जिम्मेदार व्यक्ति तमाशबीन बने खड़े रहे। गुजरात पुलिस ने पुल ढहने की घटना में आईपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या के लिए सजा) और 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में अब तक कंपनी के दो प्रबंधक सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मोरबी में दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। पीएम मोदी ने मोरबी में चल रहे राहत अभियान के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने मोरबी हादसे के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी से संबंधित सभी पहलुओं की पहचान करने के लिए एक "विस्तृत और व्यापक" जांच समय की मांग है। जांच में कोई भी हस्तक्षेप न करे। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के मुताबिक, उन्होंने कहा कि जांच से मिले प्रमुख सबकों को जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। उधर मोरबी पुल मामले पर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल हुई है। सुप्रीम कोर्ट 14 नवंबर को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। इसमें मोरबी पुल ढहने की घटना की जांच शुरू करने के लिए सेवानिवृत्त शीर्ष अदालत के न्यायाधीश की देखरेख में एक न्यायिक आयोग नियुक्त करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। प्रधानमंत्री मौके पर गए। अस्पताल का निरीक्षण भी किया। उनके निरीक्षण की सूचना पर प्रशासनिक अमला अस्पताल को चमकाने में लगा रहा। प्रधानमंत्री गुजरात के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे। राज्य से अपना जुड़ाव समझने के कारण शायद ऐसा किया। जबकि बड़ी घटनाओं पर अति महत्वपूर्ण व्यक्ति को नहीं जाना चाहिए। उनके आने की सूचना पर प्रशासन का ध्यान बंटता है। उसका राहत कार्यों से ध्यान हटता है। उसे वीवीआईपी की देखरेख में लग जाना पड़ता है। हादसे के बाद प्रदेश सरकार ने मरने वाले के परिवार को चार लाख और प्रत्येक घायल को पचास हजार रुपये सहायता देने की घोषणा की है। केंद्र सरकार ने भी प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख और घायल को पचास हजार सहायता देने की बात कही है। ये मदद उस परिवार के लिए कोई मायने नहीं रखती, जिसके परिवार के सदस्यों ने इसमें जान गंवाई। मोरबी के सांसद मोहन कुंडरिया के परिवार के एक दर्जन सदस्य इस हादसे के शिकार हुए। ये पुल पर घूमने आए थे। मोरबी राजकोट से मात्र 64 किलोमीटर की दूरी पर मच्छू नदी के तट पर स्थित है। मोरबी नगर के साथ जिला भी है। यहां की आबादी सवा दो लाख के आसपास है। देश की आजादी से पहले यह राज्य कठियाबाड़ सब एजेंसी के अधिकार में था। यहां के शासक पदवी ठाकुर जदेजा राजपूत थे। ये अपने को कच्छ के राव का वंशज मानते थे। 1979 में आई बाढ़ में ये नगर बरबाद हो गया था। इस बाढ़ में एक हजार से ज्यादा मौतें हुईं थीं। हादसे के लगभग 43 साल में मोरबी ने फिर अपने को विकास के रास्ते पर बढ़ाया। यह नगर घड़ी और टाइल बनाने के कारखानों के हब का रूप ले चुका है। वर्तमान मोरबी का नगरविन्यास वाघजी ठाकोर की देन है। इन्होंने 1879 से 1948 तक यहां शासन किया। 30 अक्तूबर को ध्वस्त हुए इस सस्पेंशन ब्रिज (झूलता पुल) का उद्घाटन 20 फ़रवरी 1879 को मुंबई के तत्कालीन गवर्नर रिचर्ड टेम्पल ने किया थ। पुल के निर्माण के लिए आवश्यक सभी सामग्री इंग्लैंड से आई थी। सस्पेंशन ब्रिज 1.25 मीटर चौड़ा और 233 मीटर लंबा था। ये ब्रिज दरबारगढ़ पैलेस और शाही निवास नज़रबाग पैलेस को भी जोड़ता था। उस सयम निर्माण की लागत तब 3.5 लाख रुपए थी। सस्पेंशन ब्रिज के कारण शहर में बड़ी संख्या में पर्यटक आते थे। उस समय इसे एक 'कलात्मक और तकनीकी चमत्कार' के रूप में देखा जाता था। वर्ष 2001 में गुजरात में आए विनाशकारी भूकंप से यह पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। ये हादसा रविवार शाम को उस समय हुआ था, जब लोग छठ मना रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार पुल की क्षमता एक सौ की थी। किंतु हादसे के समय 500 के आसपास व्यक्ति मौजूद थे। छठ और अवकाश का दिन होने के कारण हादसे के शिकार पिकनिक मनाने और सैर-सपाटे के लिए निकले थे। अब तक की जांच में गलती देखरेख करने वाली कंपनी आरेवा की प्रकाश में आई है। उसने त्योहार पर ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने के लिए मरम्मत के लिए बंद पुल को बिना फिटनेस के लिए खोल दिया। पुल स्थानीय पालिका की संपत्ति है।

भाजपा का विजय रथ अगर गुजरात में भी दौड़ा तो आगे भी दौड़ता ही रहेगा

पिछले कुछ समय से गुजरात में जिस तरह तमाम घोषणाओं और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का जो सिलसिला चल रहा था वह अब थम जायेगा। गुजरात में अब सबकी नजर इस पर रहेगी कि क्या वहां लगातार 7वीं बार भापजा को सरकार बनाने का मौका मिलता है? साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या मुफ्त सौगातों के वादे पर ही जनता रीझती है? इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के चुनावों में से चार में जीत हासिल करने के बाद यदि भापजा गुजरात को भी जीतने में सफल रहती है तो 2023 के चुनावों में पिवक्ष के लिए भापजा के विजय रथ को रोकना मुश्किल हो जायेगा। गुजरात चूंकि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य भी है इसलिए यह दोनों नेता चुनाव जीतने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे लेकिन अंतत: परिणाम वही होगा जोकि जनता चाहती है।

भारतीय निर्वाचन आयोग ने गुजरात विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है जिसके साथ ही अब गुजरात में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। पिछले कुछ समय से गुजरात में जिस तरह तमाम घोषणाओं और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का जो सिलसिला चल रहा था वह अब थम जायेगा। गुजरात में अब सबकी नजर इस पर रहेगी कि क्या वहां लगातार 7वीं बार भाजपा को सरकार बनाने का मौका मिलता है? साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या मुफ्त सौगातों के वादे पर ही जनता रीझती है? इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के चुनावों में से चार में जीत हासिल करने के बाद यदि भाजपा गुजरात को भी जीतने में सफल रहती है तो 2023 के चुनावों में विपक्ष के लिए भाजपा के विजय रथ को रोकना मुश्किल हो जायेगा। गुजरात चूंकि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य भी है इसलिए यह दोनों नेता चुनाव जीतने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे लेकिन अंततः परिणाम वही होगा जोकि जनता चाहती है। गुजरात में दो चरणों में होने जा रहे चुनाव में एक खास बात यह है कि 3,24,422 मतदाता इस बार पहली बार मतदान करेंगे। नये वोटरों का रुझान सभी पार्टियों के लिए काफी मायने रखता है इसलिए देखना होगा कि राजनीतिक दल अपने अपने चुनावी घोषणापत्रों में किन वादों का ऐलान करते हैं। भाजपा की ओर से यहां विकास को बड़ा मुद्दा बनाये जाने की संभावना है साथ ही वह अपनी हिंदुत्ववादी वाली छवि भी चुनाव प्रचार के दौरान और उभार सकती है। गुजरात राज्य के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो गुजरात में पिछले 27 सालों से भाजपा का राज है। भाजपा ने गुजरात में पिछले छह विधानसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज करके रिकॉर्ड बनाया है इसलिए इस बात पर सभी की निगाह है कि क्या सातवीं बार भी जनता भाजपा को मौका देगी। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा ने राज्य में विकास की बदौलत अपनी जड़ें बहुत मजबूत कीं लेकिन उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई अन्य मुख्यमंत्री यहां खुद ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सका। यही कारण रहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात में भाजपा ने पहले आनंदीबेन पटेल, फिर विजय रूपाणी और उसके बाद भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया। देखना होगा कि क्या भाजपा भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर चुनाव लड़ती है या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही पूरा चुनाव लड़ा जाता है। गुजरात के चुनावी मुकाबले की बात करें तो वैसे तो यहां चुनावी जंग भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होती रही है लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी यहां तीसरी शक्ति के रूप में उभरी है जिसके चलते चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। गुजरात में चुनावों के ऐलान के साथ ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर ऐलान भी कर दिया है कि इस बार हम ही चुनाव जीतेंगे। दिल्ली के बाद पंजाब विधानसभा चुनाव में भी जीत दर्ज करने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब तक दर्जनों बार वहां का दौरा कर चुके हैं। केजरीवाल के अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी गुजरात में कई रोड शो कर चुके हैं। कांग्रेस की ओर से अब तक कोई बड़ा नेता यहां प्रचार के लिए नहीं पहुँचा है। पार्टी अध्यक्ष चुनाव के समय जरूर मल्लिकार्जुन खडगे यहां के संक्षिप्त दौरे पर आये थे। राहुल गांधी फिलहाल भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं तो दूसरी ओर प्रियंका गांधी हिमाचल प्रदेश चुनावों में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पिछले कुछ समय से गुजरात और हिमाचल प्रदेश का दौरा करते रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में उन्होंने गुजरात में सैंकड़ों करोड़ रुपयों की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है हालांकि मोरबी में पुल गिरने की घटना में बड़ी संख्या में लोगों की मौत ने भाजपा के प्रति नाराजगी भी पैदा की है। लेकिन भाजपा को उम्मीद है कि चुनावों के दौरान उसे अपने कामों के आधार पर वोट मिलेगा। तारीखों के ऐलान के साथ ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से गुजरात में पुनः डबल इंजन की सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी। हम आपको बता दें कि 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 18 फरवरी को समाप्त हो रहा है। गुजरात में वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 99 सीटें जीती थीं जबकि कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं। प्रतिशत के लिहाज से देखा जाए तो उस चुनाव में भाजपा को 49.05 प्रतिशत मत मिले थे जबकि कांग्रेस को 42.97 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के कई विधायक भाजपा में शामिल हो गए। इस वजह से विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़कर 111 हो गई जबकि कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 62 पर पहुंच गई।

देश दुनीया से

पुरानी पेंशन बहाल करना बड़ी चुनौती

हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष 12 नवंबर को विधानसभा के चुनाव होने हैं। हिमाचल प्रदेश में कई मुद्दे हैं जिनको लेकर विधानसभा चुनाव लड़ा जा रहा है जैसे बेरोजगारी और पुरानी पेंशन योजना की बहाली आदि। लेकिन बेरोजगारी के साथ-साथ पुरानी पेंशन योजना की बहाली एक मुख्य मुद्दा है जिसको भुनाने में कांग्रेस पार्टी पूरे जोर-शोर से लगी हुई है। इस समय हिमाचल प्रदेश में लगभग एक लाख से अधिक कर्मचारी नई पेंशन योजना के तहत नौकरी कर रहे हैं जो अपने आप में एक बहुत बड़ी संख्या है। कांग्रेस पार्टी जानती है कि पिछले कई वर्षों से हर पांच साल बाद सरकार बदल जाती है। सरकार बदलने की बात तो सही है, लेकिन इस बार कांग्रेस पार्टी के पास स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के निधन के बाद कोई सशक्त चेहरा नहीं है जिसके दम पर चुनाव जीता जा सके। हिमाचल प्रदेश की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा सिंह और उनका बेटा विक्रमादित्य सिंह चुनाव को कांग्रेस पार्टी के पक्ष में करने के लिए जी जान से मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देखने वाली बात यह है कि प्रदेश की जनता इनके प्रयासों को कितनी अहमियत देते हैं जिससे कि कांग्रेस पार्टी की सरकार सत्ता में वापसी कर सके। कांग्रेस पार्टी ने चुनावों से बहुत पहले ही पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए प्रदेश की जनता से पुनः लागू करने का वायदा किया हुआ है। पार्टी ने कहा है कि सत्ता में आने के पश्चात पहली कैबिनेट मीटिंग में ही पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी जाएगी। कांग्रेस पार्टी जानती है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी को वीरभद्र सिंह के बिना हराना आसान नहीं है और लोग हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को बहुत चाहते हैं और अधिकतर वोट मोदी जी के नाम पर ही पड़ते हैं जिसकी काट इस समय कांग्रेस पार्टी के पास नहीं है, लेकिन पुरानी पेंशन योजना एक ऐसा तुरुप का पत्ता है जिसे कांग्रेस पार्टी बड़ी पहले से ही भांप गई थी। क्योंकि नई पेंशन योजना के तहत आने वाले कर्मचारी पिछले कई सालों से इस योजना का विरोध कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर कई बार विरोध प्रदर्शन किए हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अब इन कर्मचारियों को कांग्रेस पार्टी से उम्मीद बंधी हुई है। यदि इन डेढ़ लाख कर्मचारियों में से 90 फीसदी भी कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अपना वोट डालते हैं तो चुनाव परिणाम कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जाने की संभावना बढ़ सकती है जो कि भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किल पैदा कर सकती है। लेकिन जैसे भारतीय चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कोई भी वायदा करने से पहले जनता को बताना आवश्यक है कि इसके लिए धन का प्रावधान कहां से होगा। पिछले दिनों नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री ने भी कहा है कि यदि हमारी पार्टी की सरकार बनती है तो हम सरकार की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर देंगे और इसके लिए केंद्र सरकार से कोई पैसा नहीं लेंगे, लेकिन उन्होने यह नहीं बताया कि धन का प्रावधान कहां से होगा। वैसे भी हिमाचल प्रदेश में रेवेन्यू सोर्सेज बहुत कम हैं। केवल बिजली और पर्यटन ही दो ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जहां से प्रदेश की आर्थिकी के लिए धन आता है और बाकी तो जीएसटी का पैसा आता है। इस धन से हिमाचल प्रदेश का गुजारा नहीं हो सकता। वैसे भी हिमाचल प्रदेश हजारों करोड़ रुपए के कर्ज में डूबा हुआ है। हिमाचल प्रदेश के बजट का लगभग 73 फीसदी हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन में ही खर्च हो जाता है। यह एक बहुत बड़ी राशि है क्योंकि सरकार को विकास के काम भी तो करना बहुत आवश्यक है। यही कारण है कि किसी भी सरकार को कर्ज लेना ही पड़ता है और यही वजह है कि दिनों दिन प्रदेश का कर्जा बढ़ता ही जा रहा है। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग सही है, लेकिन इसके लिए धन का प्रावधान कहां से होगा, यह कांग्रेस पार्टी को जनता को बताना चाहिए। दूसरी तरफ हर साल प्रदेश में बेरोजगारों की फौज खड़ी होती जा रही है। सभी की निगाहें सरकारी नौकरी पाने में ही लगी रहती हैं जो कि बहुत मुश्किल काम है।

कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग सही है, लेकिन इसके लिए धन का प्रावधान कहां से होगा, यह कांग्रेस पार्टी को जनता को बताना चाहिए। दूसरी तरफ हर साल प्रदेश में बेरोजगारों की फौज खड़ी होती जा रही है। सभी की निगाहें सरकारी नौकरी पाने में ही लगी रहती हैं जो कि बहुत मुश्किल काम है। यह भी असंतोष का एक प्रमुख कारण है।

अमृत कलश

ईश्वर क्या है

ईश्वर शब्द से सभी परिचित हैं परंतु बहुत कम लोग ही ईश्वर को समझ पाते हैं। वैज्ञानिक आधार पर ईश्वर को समझने के लिये हम एक ठोस धातु का टुकड़ा लेते हैं इसे हम जिस स्थान पर रख देते हैं यह उसी स्थान पर रखा रहता है, जब तक कि इसे उस स्थान से किसी के द्वारा हटाया न जाय या इसमें जब तक कोई बल न लगाया जाय, अर्थात यह स्वयं कुछ भी नहीं कर सकता। अब हम इस टुकड़े को इतना गर्म करें कि यह द्रव रूप में बदल जाय। अब यह द्रव रूप धरातल के अनुरूप अपना आकार बदलने में सक्षम हो जाता है अर्थात इसे अब जिस पात्र में रखा जाय यह उसी के अनुरूप अपना आकर बना लेता है। अब हम इस द्रव रूप को इतना गर्म करें कि यह वाष्प रूप में बदल जाय यह वाष्प रूप सारे वायुमंडल में फैलने में सक्षम हो जाता है एवं वायु की गति प्राप्त कर लेता है। इस वाष्प रूप को और गर्म करने पर इसके परमाणु प्रकाशित हो जाते हैं। अब यह प्रकाश, ऊर्जा एवं तरंगों को उत्सर्जित करने लगता है। (यहां यह ध्यान रखने योग्य है कि जलने से परमाणु कभी नष्ट नहीं होता, न ही इसकी संरचना बदलती है। यह प्रकाश, उर्जा एवं तरंगों को उत्सर्जित करने लगता है)। अब यह सारे ब्रह्मांड में फैलने में सक्षम हो जाता है एवं प्रकाश की गति अर्थात तीन लाख किलोमीटर प्रति सेकेंड की गति प्राप्त कर लेता है तथा कोई भी क्रिया करने में सक्षम हो जाता है। यह ऊर्जारूप अपने चरम बिंदु पर पहुंचकर तरंग रूप में बदल जाता है और अंत में यह तरंग रूप निराकार रूप में बदलता रहता है इस निराकार रूप को हम ईश्वर कहते हैं। धार्मिक ग्रथों में इसे ईश्वर का तत्व रूप कहा गया है, गीता के नौवें अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने स्पष्ट कहा है कि जो व्यक्ति मेरे तत्व रूप को जान लेता है वही मुझ तक पहुंच पाता है। अध्यात्म की भाषा में इसे द्रव्य का ब्रह्म में लीन हो जाना कहते हैं। इसी आधार पर पूरा ब्रह्मांड ईश्वर में लीन हो जाता है। धार्मिक ग्रथों में ब्लेक होल को महाकाल (अर्थात समय का अंत करने वाला) कहा गया है। पृथ्वी एवं सौरमंडल का अंत करने वाली शक्ति को शिव कहते है।

बोध कथा

प्रभु नाम से कल्याण

एक बार एक पुत्र अपने पिता से रूठ कर घर छोड़ कर दूर चला गया और फिर इधर उधर यूँ ही भटकता रहा। दिन बीते, महीने बीते और साल बीत गये। एक दिन वह बीमार पड़ गया। अपनी झोपड़ी में अकेले पड़े उसे अपने पिता के प्रेम की याद आई कि कैसे उसके पिता उसके बीमार होने पर उसकी सेवा किया करते थे। उसे बीमारी में इतना प्रेम मिलता था कि वो स्वयं ही शीघ्र अति शीघ्र ठीक हो जाता था। उसे फिर एहसास हुआ कि उसने घर छोड़ कर बहुत बड़ी गलती की है, वो रात के अँधेरे में ही घर की ओर हो लिया। जब घर के नजदीक गया तो उसने देखा आधी रात के बाद भी दरवाज़ा खुला हुआ है। अनहोनी के डर से वो तुरंत भाग कर अंदर गया तो उसने पाया कि आंगन में उसके पिता लेटे हुए हैं। उसे देखते ही उन्होंने उसका बांहे फैला कर स्वागत किया। पुत्र की आँखों में आंसू आ गये। उसने पिता से पूछा, ₹ये घर का दरवाज़ा खुला है, क्या आपको आभास था कि मैं आऊंगा?₹ पिता ने उत्तर दिया ₹अरे पगले! ये दरवाजा उस दिन से बंद ही नहीं हुआ जिस दिन से तू गया है, मैं सोचता था कि पता नहीं तू कब आ जाये और कहीं ऐसा न हो कि दरवाज़ा बंद देख कर तू वापिस लौट जाये।₹ठीक यही स्थिति उस परमपिता परमात्मा की है। उसने भी प्रेमवश अपने भक्तों के लिये द्वार खुले रख छोड़े हैं कि पता नहीं कब भटकी हुई कोई संतान उसकी ओर लौट आये। हमें भी सिर्फ इतनी ही आवश्यकता है कि उसके प्रेम को समझें और उसकी ओर बढ़ चलें।

नागरिक बोध

कल के कातिल, आज के मुन्सिफ

कल जो हमारे कातिल थे, आज हमारे साथ हुए अपराधों की सज़ा सुनाने के लिए न्याय का हथौड़ा पीट रहे हैं। उनकी आंखों का रंग बदल गया है। कल तक उनसे खून बरस रहा था, वे रक्तवर्णी हो रही थीं, आज उनसे शान्ति के पैग़ाम आ रहे हैं, मानवधर्मी सफेद पताकायें फहरा रही हैं। शान्ति कपोतों का मोल बढ़ गया। अपने दोनों हाथों से उन्हें किसी मंच से उड़ाओगे, तो उस मंच की अभ्यर्थना कर रही हज़ारों की भीड़ गदगद हो जाएगी। लोग लिबास बदलने की तरह अपने मूल्य और आदर्श बदल रहे हैं। इन्सानों की बस्तियां जलाने वाले लोग अब फायर ब्रिगेड के जांबाज़ कर्मचारी बन आग पर पानी की बौछार करते नज़र आते हैं। अरे यही तो थे जो कल इस जलती हुई आग पर तेल डालने का काम कर रहे थे और इसे अपना पुण्य कर्म बता रहे थे। अमानवीयता का सैलाब गुज़र गया। पीछे घोंघे, पत्थर, कूड़ा-कर्कट ही नहीं छोड़ गया, कुछ सरकटी लाशें भी छोड़ गया। अजब मंजर था वह। लोग तिरंगे फहरा कर, भारत माता की जय चिल्लाते हुए एक-दूसरे की पीठ में छुरे घोंप रहे थे। अब जब मुखौटा बदलने का वक्त आया तो लोग एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर घायलों के जख्मों पर मरहम लगाते देखे जा रहे हैं। दंगों का सैलाब गुज़र गया, अब सम्मान पत्र बांटने वाले या अपना अभिनंदन स्वयं ही करवा लेने वाले सामने आ रहे हैं, कि देखो बंधु, हमने दंगों की इस पीड़ा को अपने बदन पर नहीं बल्कि अपनी आत्मा पर झेला है। इसीलिए तो फसाद और खून के उन दिनों में हमने घिरे हुए अभागों की भूख-प्यास की सुध ली। उनके अटूट लंगर की कड़ी को टूटने नहीं दिया। हम उन्हें अपनी पीठ थपथपाते हुए देखते रहे कि हां, उत्पाती दिनों में इन लोगों ने दस रुपए की पानी की बाल्टी बीस रुपए में बेची है। वे मुंह मांगी कीमत प्राप्त कर सके, इसके लिए यह भी हो सकता है कि उन अशांत दिनों में उन्होंने पानी की आपूर्ति खुद ही बाधित कर दी हो। अब कारवां गुज़र जाने के बाद उसके गुब्बार को पछाडऩे के लिए, जल आपूर्ति से लेकर भूख आपूर्ति तक करते हुए अब समय सारथी बन हर तरह की प्रवंचना से जूझ जाने का संदेश दे रहे हैं। एक चेहरे पर समयानुसार दूसरा चेहरा लगा लेना और अपनी पीठ खुद ही थपथपा अपने आपको क्रांतिवीर घोषित कर देने का यह उद्घोष हम हर क्षेत्र और हर समय में देखते सुनते आ रहे हैं। इन दिनों इसका रिवाज़ कुछ अधिक हो गया है, क्योंकि सुना है जो असल हकदार थे वह तो इस पहचान और अभ्यर्थना के मेले में लुट गए साहिब, और तमाशबीन दुकानें सज़ा कर बैठ गए, जहां आपके लिए पुरस्कार से लेकर सम्मान पत्र तक सब नीलाम हो रहे हैं। आधी रात को 'खून का बदला खून' चिल्लाने वाले शूरवीर सुबह होते ही सूरजमुखी बन कर शांति का सूरज उगा देने के पैरोकार बन गए, क्योंकि यह बात तो उनके बड़े-बूढ़े पहले ही बता गए थे, कि बरखुरदार गंगा जाओ तो गंगाराम बन जाओ, और जमना जाओ तो जमनादास बनने की घोषणा कर दो। कालांतर में यह समझ उन्हें दलबदलू बनने की प्रेरणा देती है। अपनी टोपी बदल कर वे कभी शर्मिन्दा न हुए, बल्कि इसे आत्मावलोकन कह अपनी समझ का नया पड़ाव हमें समझा इसे न्यायसंगत ठहरा गए। आजकल दलबदलू कानून भी उनका अवरोध नहीं कर पाते। गठजोड़ संस्कृति आ गई है। लोग एक-दूसरे के विरुद्ध कीचड़ उछालते हुए चुनाव लड़ते हैं, बाद में सत्ता पर कब्ज़ा जताने के लिए एक-दूसरे के साथ गठजोड़ करते हुए उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती। अलग-अलग दर्शनों से प्रतिबद्धता जताने वाले भी कितनी जल्दी एक न्यूनतम सांझे कार्यक्रम पर पहुंच जाते हैं।

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक लेंगे जलवायु शिखर सम्मेलन में हिस्सा, भारत के साथ एफटीए समझौते पर गंभीर

लंदन ।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को एलान किया कि वह अगले सप्ताह मिस्र में कॉप-27 जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उनकी ये घोषणआ घरेलू मुद्दों और ब्रिटेन में आर्थिक संकट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शर्म अल शेख में बैठक को छोड़ने के उनके पिछले फैसले के उलट है। सुनक ने जलवायु कार्यकर्ताओं की आलोचना के बाद ट्विटर पर ये बात कही। भारतीय मूल के कॉप-27 के अध्यक्ष आलोक शर्मा ने कहा था कि जलवायु कार्रवाई के मुद्दे पर यूके की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए प्रधानमंत्री का उपस्थित होना महत्वपूर्ण है। ग्रीन पार्टी ने इसे बड़ा यू-टर्न और विश्व मंच पर एक शर्मनाक गलत कदम करार दिया। इस हफ्ते की शुरुआत में डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि शिखर सम्मेलन में पीएम सुनक की उपस्थिति की समीक्षा की जा रही है क्योंकि 17 नवंबर को होने वाले एक महत्वपूर्ण आर्थिक बयान की तैयारी पर चांसलर जेरेमी हंट के साथ बातचीत जारी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित कई विश्व नेता जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के दलों के 27वें सम्मेलन में शिरकत करने वाले हैं। भारत के केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव सकॉप-27 में 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति की पुष्टि की जानी बाकी है।

एक उत्साही जलवायु प्रचारक किंग चार्ल्स इसमें भाग नहीं लेंगे। शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में विश्व नेताओं के लिए कॉप27 शिखर सम्मेलन से पहले स्वागत समारोह की मेजबानी करेंगे। पिछले नवंबर में ग्लासगो में यूके द्वारा कॉप-26 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के बाद से हुई प्रगति की समीक्षा के रूप में इसकी योजना बनाई गई है, जिसमें सुनक और आलोक शर्मा अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत के नेताओं और निर्णय निर्माताओं के साथ भाग ले रहे हैं। डाउनिंग स्ट्रीट ने बुधवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में गहन बातचीत जारी है और नए ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सनक एक संतुलित सौदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले हफ्ते 10 डाउनिंग स्ट्रीट में कार्यभार संभालने वाले सुनक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहुत गर्मजोशी से भरी बातचीत की थी जिसके दौरान दोनों पक्षों ने एफटीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

न्यूज ब्रीफ

हथियारों के लिए भारत पर निर्भर हो रहे अफ्रीकी देश, 2017 से जल-थल-नभ की सुरक्षा में निभाई भूमिका

जोहानसबर्ग । अफ्रीकी देशों की सामुद्रिक और वायु सुरक्षा व रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत एक अहम देश बनकर उभरा है। बीते वर्षों में वह इन देशों के लिए अहम रक्षा व सैन्य उत्पाद निर्यातक बना है। इनमें मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशल्स शामिल हैं, जिन्होंने 2017 से 2021 के दौरान भारत से सबसे ज्यादा रक्षा उत्पाद खरीदे। यह जानकारी इंडियन एक्जिम बैंक ने अपनी नई रिपोर्ट में दी है। इसमें भारत और दक्षिणी अफ्रीकी देशों के मजबूत होते आर्थिक संबंधों को विषय बनाया गया। भारत और अफ्रीकी देशों की बढ़ती साझेदारी पर सीआईआई व एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कॉन्क्लेव में यह रिपोर्ट जारी हुई। कॉन्क्लेव में विभिन्न सरकारी अधिकारी, उद्योगों के प्रतिनिधि और कारोबारी शामिल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अफ्रीकी देशों की जरूरतों के अनुसार रक्षा सहयोग दे रहा है तो उनकी क्षमता बढ़ाने, प्रशिक्षण और मानवीय मदद में भी शामिल है। उपकरण व जहाजों के लिए भी सहयोग दिया जा रहा है। हथियारों के निर्यात का डाटाबेस रखने वाले संस्थान स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार 2017 से 2021 की अवधि में भारत विश्व का 23वां सबसे बड़ा रक्षा निर्यातक बन चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का रक्षा मंत्रालय हिंद महासागर के किनारे मौजूद देशों की एसोसिएशन (आईओआरए) को भी मजबूत बना रहा है। इनसे दक्षिण अफ्रीका, केन्या, तंजानिया, मॉरीशस, सेशेल्स और मैडागास्कर में नये प्रोजेक्ट्स पर काम किया जा रहा है। 2017 से 2021 के दौरान देश से शस्त्र निर्यात में 6.6 प्रतिशत मॉरीशस, 5 प्रतिशत मोजाम्बिक और 2.3 प्रतिशत सेशेल्स का हिस्सा था।

कफ सिरप से बच्चों की मौत पर गाम्बिया का यूटर्न, खांसी की दवा देने पर भी उठाए सवाल

बांजुल । कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में गाम्बिया ने यूटर्न ले लिया है। अब दावा किया जा रहा है कि गाम्बिया ने अभी तक पुष्टि नहीं की है कि खांसी की दवाई (कफ सिरप) की वजह से ही बच्चों की मौत हुई है। दरअसल, 70 बच्चों की मौत गुर्दे में समस्या की वजह से हुई थी। इनमें से 66 बच्चों को ई-कोलई और डायरिया की समस्या थी। ऐसे में उन्हें कफ सिरप क्यों दी गई देश की मेडिसिन कंट्रोल एजेंसी के एक प्रतिनिधि ने सोमवार इस बात का दावा किया था। अफ्रीकी देश गाम्बिया में जुलाई में अलर्ट जारी किया गया। वहां, किडनी की समस्या से बच्चे बीमार होने लगे। कुछ बच्चों की मौत की खबर आई। इन मौतों में एक जैसा पैटर्न सामने आया। जान गंवाने वाले सभी बच्चों की उम्र पांच साल से कम थी। सर्दी-खांसी के सिरप लेने के तीन से पांच दिन बाद ये गंभीर रूप से बीमार हुए। डब्ल्यूएचओ ने अक्तूबर की शुरुआत में इसे लेकर रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि खांसी की दवा डाइथेलेन ग्लाइकोल और इथिलेन ग्लाइकोल इंसान के लिए जहर की तरह हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसुस ने कहा कि बच्चों की मौत का संबंध चार दवाओं से है। इन सिरप के सेवन से उनके गुर्दों को क्षति पहुंची। ये चारों दवाएं हरियाणा की एक ही कंपनी मेडेन फार्मास्यूटिकल्स की हैं। रिपोर्ट आने के बाद गाम्बिया ने मेडेन फार्मास्यूटिकल के उत्पादों पर बैन लगा दिया गया। सभी देशों को इन दवाओं को बाजार से हटाने की चेतावनी दी।

पाक को वित्तीय मदद और हाईस्पीड ट्रेन तकनीक देगा चीन, जिनिपिंग ने कहा- सीपैक के काम में तेजी लाएं

बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री दो दिवसीय बीजिंग यात्रा पर हैं। बुधवार को उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान चीन ने पाकिस्तान को हाईस्पीड ट्रेन तकनीक और वित्तीय मदद देने का वादा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपैक) को समर्थन देना जारी रखेगा। इसके साथ ही उन्होंने शहबाज शरीफ को आश्वस्त किया कि चीन पाकिस्तान की वित्तीय स्थिरता के लिए फिक्रमंद है। पाकिस्तान को वित्तीय रूप से स्थिर बनाने के लिए भी चीन समर्थन देना जारी रखेगा। दरअसल, पाकिस्तान पर करीब 27 अरब डॉलर का कर्ज है, जिसमें से 23 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज चीन का है। चीन सहित तमाम अंतरराष्ट्रीय कर्जदारों से बार-बार कर्ज लेने के बाद भी पाकिस्तान फिलहाल गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इसके अलावा पहले भीषण गर्मी और बाद में विनाशकारी बाढ़ की वजह से भी पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त नुकसान हुआ है, जिससे पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार खाली होने के कगार पर है। बहरहाल, शी जिनपिंग ने बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में शहबाज शरीफ को आश्वासन दिया कि चीन की तरफ से पाकिस्तान को आर्थिक मदद मिलती रहेगी।

उत्तर कोरिया ने प्रशांत महासागर की ओर दागी मिसाइल, जवाबी कार्रवाई के बीच जापान में अलर्ट

सोल ।

रूस और यूक्रेन में जारी जांग के बीच अब कोरिया प्रायद्वीप में जंग का खतरा मंडराने लगा है। उत्त्तर कोरिया ने एक मिसाइल जापान के ऊपर से प्रशांत महासागर की ओर दागी। कल उसने दक्षिण कोरिया के विवादित क्षेत्र में कई मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद दक्षिण कोरिया ने भी जवाबी मिसाइलें दागीं। इसे देखते हुए जापान में अलर्ट जारी किया गया है।

दक्षिण कोरिया व उत्तर कोरिया के बीच तनाव जंग की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। उत्तर कोरिया के सैन्य शासक किम जोंग उन के आदेश पर बुधवार को दक्षिण कोरिया के विवादित समुद्री क्षेत्र में मिसाइल दागे जाने से कोरिया प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है। तनाव उस वक्त और बढ़ गया जब उत्तर कोरिया द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल जापान के ऊपर से होते हुए प्रशांत महासागर की ओर बढ़ी। इसे देखते हुए जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा के कार्यालय ने आपातकालीन अलर्ट जारी किया है।

जापान में नागरिकों को बंकरों में छिपने का निर्देश

उत्तर कोरिया द्वारा लगातार मिसाइलें दागे जाने के बाद जापान ने अपने कुछ इलाकों में नागरिकों को बंकरों में छिपने का निर्देश दिया है। जापान सरकार ने जे वॉर्निंग जारी की है। यह चेतावनी गंभीर हालातों में जारी की जाती है।

23 मिसाइलों के जवाब में दक्षिण कोरिया ने दागीं तीन मिसाइलें

बुधवार को उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर 23 मिसाइलें दागी थीं। एक मिसाइल दक्षिण कोरियाई के समुद्री क्षेत्र के समीप गिरी थी। इसके जवाब में दक्षिण कोरिया ने भी अपने लड़ाकू विमानों से तीन मिसाइलें उत्तर कोरिया की ओर दागी थीं।

दक्षिण कोरिया ने लड़ाकू विमानों से दिया जवाब

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक-योल ने कहा कि उत्तर कोरिया को इस हिमाकत की कीमत चुकानी होगी। दोनों देशों का विभाजन 1945 में शुरू हुआ था, उसके बाद पहली बार विवादित क्षेत्र में मिसाइल दागी गई। उत्तर कोरिया ने पहली बार एक ही दिन में इतनी मिसाइलें दागी हैं। दक्षिण कोरिया के लड़ाकू विमानों ने भी हवा से जमीन पर वार करने वाली मिसाइलें दागीं। इनमें अमेरिका से मिलीं मिसाइलें शामिल हैं, जो 360 किलो विस्फोटक सहित 270 किमी दूर तक वार कर सकती हैं।

उत्तर कोरिया ने कहा- यह विजिलैंट स्टॉर्म ऑपरेशन का जवाब

उत्तर कोरिया की सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल कमेटी में सचिव पाक जोंग चोंग ने कहा कि ये मिसाइलें दक्षिण कोरिया व उसके मित्र देशों के सैन्य अभ्यास का जवाब हैं। अभ्यास और उसमें शामिल लड़ाकू विमानों का लक्ष्य उत्तर कोरिया था। इसका नाम 90 के दशक में इराक में अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन 'डेजर्ट स्टॉर्म' से प्रभावित होकर 'विजिलैंट स्टॉर्म' रखा गया था।

अमेरिका ने किया विजिलैंट स्टॉर्म का बचाव

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा की है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री पार्क जिन से फोन पर बातचीत में इसे सैन्य उकसावे की गंभीर कार्रवाई बताया। इससे पहले मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा था कि विजिलैंट स्टॉर्म ऑपरेशन पूरी तरह रक्षात्मक अभ्यास था। इसमें उत्तर कोरिया के प्रति कोई शत्रुता नहीं थी।

भगौड़े राजविंदर सिंह पर सवा पांच करोड़ का इनाम घोषित, क्वींसलैंड में महिला की हत्या में है वांछित

क्वींसलैंड ।

ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में वर्ष 2018 में हुई टोया कॉर्डिंग्ले की हत्या के संदिग्ध राजविंदर सिंह पर पुलिस ने 10 लाख डॉलर (5,27,15,062 रुपये) का इनाम घोषित किया है। उसका सुराग देने वाले को यह राशि दी जाएगी। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने दुनियाभर के लोगों से आरोपी को दबोचने में सहयोग की अपील की है।

24 साल की टोया 21 अक्तूबर 2018 को उस वक्त लापता हो गई थी, जब वह अपने पालतू कुत्ते को घुमाने ले गई थी। अगले दिन सुबह उसके पिता को उसका शव 40 किलोमीटर दूर केर्न्स के उत्तर में वांगेट्टी समुद्र तट पर मिला था। संदिग्ध आरोपी राजविंदर सिंह पर घोषित इनाम क्वींसलैंड के इतिहास में सबसे बड़ा है।

पुलिस को उम्मीद है कि इतने बड़े इनाम के कारण उसे 38 साल के आरोपी राजविंदर सिंह को खोजने में कामयाबी मिल जाएगी। राजविंदर सिंह वहां मेल नर्स के रूप में काम करता था। उसने टोया का अपहरण करने के बाद समुद्र तट पर ले जाकर कथित तौर पर हत्या कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आरोपी सिंह आखिरी बार भारत में देखा गया था। पुलिस को जांच में पता चला कि वह हत्या के दो दिन बाद अपनी नौकरी, पत्नी और तीन बच्चों को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया से भारत भाग गया था। पुलिस पहली बार 23 अक्तूबर 2018 को राजविंदर सिंह के ऑस्ट्रेलिया छोड़ने की वक्त ली गई तस्वीरें जारी की हैं। आरोपी भारत भागने से पहले सिडनी गया था। सिडनी एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज में वह वहां दो अलग-अलग तरह की ड्रेस में नजर आया था। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने मार्च 2021 में आरोपी राजविंदर सिंह को प्रत्यर्पित करने की अपील की थी। वह उत्तरी क्वींसलैंड के इनिसफैल इलाके में रहता था। वह मूल रूप से पंजाब के बुट्टर कलां का रहने वाला है। पुलिस की जासूसी प्रकोष्ठ की प्रमुख सोनिया स्मिथ ने कहा कि यह इनाम अनोखा व सबसे बड़ा है। आरोपी के भारत भागने की पुष्टि हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार एक विशेष जांच प्रकोष्ठ बनाया गया है, जिसके अधिकारी भारत में किसी से भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। व्हाट्सएप के जरिए भी आरोपी के ठिकाने की जानकारी दी जा सकती है। पुलिस मंत्री मार्क रैयान ने कहा कि इस व्यक्ति पर बहुत ही जघन्य अपराध का आरोप है। एक ऐसा अपराध जिसने एक परिवार को तोड़ कर रख दिया है।

राष्ट्रपति जो बाइडन बोले- अमेरिकी लोकतंत्र पर हमले हो रहे, राजनीतिक हिंसा का हम डटकर सामना करेंगे

वॉशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वालों और राजनीतिक हिंसा फैलाने वालों को चेताया है। व्हाइट हाउस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने नाम लिए बगैर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इन हमलों का जिम्मेदार ठहराया।

व्हाइट हाउस में लोकतंत्र के लिए खतरों और राजनीतिक हिंसा पर बोलते हुए राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि डेमोक्रेट्स, रिपब्लिकन और गैर-पक्षपाती अधिकारियों के खिलाफ हो रही हिंसा सत्ता और लाभ के लिए बोले गए झूठ का नतीजा हैं। यह सब साजिश रचने, क्रोध, नफरत और हिंसा भड़काने के लिए झूठ को दोहराते जाने का परिणाम है।

बाइडन ने कहा कि इस क्षण में हमें उन झूठों का सच के साथ सामना करना होगा, हमारे देश का भविष्य इस पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि हम एक निर्णायक क्षण का सामना कर रहे हैं। एक विभक्ति बिंदु पर हैं। हमें एक देश के रूप में एक होकर बुलंद आवाज के साथ बोलना चाहिए और कहना चाहिए कि अमेरिका में मतदाताओं को धमकी या राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, चाहे वह डेमोक्रेट या रिपब्लिकन के समर्थक हों।

राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं। क्योंकि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने 2020 के पराजय के चुनावी परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। वह लोगों की इच्छा को मानने से इनकार करता है। उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार करने से इंकार कर दिया कि वह हार गए।

फ्लोरिडा के एक स्कूल में 17 छात्रों और कर्मचारियों की हत्या करने वाले निकोलस क्रूज को आजीवन कारावास की सजा

फ्लोरिडा।

अमेरिका के फ्लोरिडा के एक हाई स्कूल में अर्ध-स्वचालित राइफल से 17 छात्रों और कर्मचारियों की हत्या करने वाले निकोलस क्रूज को बुधवार को औपचारिक रूप से आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। हमले में बचे लोगों और पीड़ितों के रिश्तेदारों की पीड़ा भरी गवाही को घंटों सुनने के बाद अदालत ने क्रूज को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

एक पीठ ने पिछले महीने 24 वर्षीय क्रूज को मृत्युदंड की सजा से बचाने के लिए मतदान किया और इसके बजाय अमेरिकी इतिहास में सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी में से एक के लिए पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास का चयन किया। इससे पहले क्रूज को पिछले साल अपने हिसात्मक आचरण के तहत 14 फरवरी, 2018 को पूर्व नियोजित एक हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था।फिर इस साल की शुरुआत में एक अन्य मामले में तीन महीने की सजा सुनाई गई थी।

ब्रोवार्ड काउंटी सर्किट की न्यायाधीश एलिजाबेथ शेरेर ने सजा सुनाए जाने से पहले पीड़ितों के रिश्तेदारों को अदालत के सामने अपना पक्ष रखने की अनुमति देने की अभियोजन पक्ष के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की। सजा की कार्यवाही मंगलवार को पीड़ितों के बयानों के साथ शुरू हुई। हालांकि कई पीड़ितों के रिश्तेदारों ने न्यायाधीश के फैसले की आलोचना की और राज्य के कानून की भी आलोचना की। पीड़ितों के रिश्तेदारों का कहना था कि पीठ के सभी 12 सदस्यों को एक सजायाफ्ता व्यक्ति को फांसी की सजा देने के लिए एकमत होना चाहिए।

17 वर्षीय पीड़ित निकोलस ड्वोरेट की मां अन्निका ड्वोरेट ने कहा कि मृत्युदंड की गारंटी देने के लिए अपराध और भी कितना बुरा होगा कुछ रिश्तेदारों ने क्रूज के बचाव पक्ष के वकीलों को भी फटकार लगाई, उन्होंने मंगलवार को पीठ के सदस्यों की आलोचना को लेकर न्यायाधीश पर भी बेवजह आपत्ति जताई, यह जानते हुए कि क्रूज को कानूनी प्रतिनिधित्व का संवैधानिक अधिकार था।

कई पीड़ितों के रिश्तेदारों ने सीधे क्रूज को निशाना बनाया, जो बड़े चश्मे और कोविड-19 मास्क के साथ हथकड़ी पहने हुए अपने वकीलों के साथ एक टेबल पर बेखबर बैठा था। पीड़ितों में से एक की मां ने कहा कि इसे जिंदा रखना अपमानजनक है, इसके बाद क्रूज ने अपना मास्क हटा दिया।

इमरान का लॉन्ग मार्च आगे बढ़ने के साथ पाकिस्तान में बढ़ा सियासी तनाव

इस्लामाबाद ।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व में चल रहे लॉन्ग मार्च के इस्लामाबाद पहुंचने का समय करीब आने के साथ पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। 28 अक्तूबर को लाहौर से शुरू हुए इस मार्च के चार नवंबर को इस्लामाबाद पहुंचने की संभावना है। पाकिस्तान के टीकाकारों ने कहा है कि राजनीतिक टकराव के कारण शहबाज शरीफ सरकार के लिए संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को संभालना लगातार कठिन होता जा रहा है। इस बीच इमरान खान पर सरकार ने शिकंजा और कस दिया है। इमरान खान के नेतृत्व वाली तत्कालीन पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समय अमेरिका से आए विवादित कूटनीतिक संदेश के मामले में पूछताछ के लिए अब फेडरल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने इमरान खान को तलब किया है। उन्हें गुरुवार को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। एफआईए पाकिस्तान के खुफिया जांच एजेंसी है। इसकी तरफ से मियां शब्बीर हुसैन ने इमरान खान को पत्र भेजा है, जिसमें उनसे तीन नवंबर को 12 बजे दिन में हाजिर होने को कहा गया है। पर्यवेक्षकों ने एफआईए की इस कार्रवाई को लॉन्ग मार्च रोकने की सरकार की कोशिश का हिस्सा माना है। यहां अंदेशा जताया जा रहा है कि अगर गुरुवार को इमरान पेश नहीं हुए, तो इसे बहाना बना कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। एफआईए ने कहा है कि गुरुवार को इमरान खान से प्रतिबंधित चंदा लेने के आरोप पर भी पूछताछ करेगी। इस मामले पर पाकिस्तान का निर्वाचन आयोग भी सुनवाई कर रहा है। एफआईए तीन नवंबर को ही पीटीआई के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी को भी अमेरिकी संदेश मामले में तलब किया है। विश्लेषकों के मुताबिक एफआईए की इस कार्रवाई से सियासी टकराव और बढ़ गया है। इसके पहले मंगलवार को इमरान खान ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन की प्रमुख पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज को चुनौती दी कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतरें। मरियम नवाज शरीफ की बेटी हैं। इमरान खान ने दावा किया कि वे इन दोनों को उनके ही चुनाव क्षेत्रों में हरा देंगे। उधर, मरियम नवाज ने लंदन में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अब इमरान खान का असली एजेंडा बेनकाब हो गया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान खान ने ये मार्च राष्ट्र हित में आयोजित नहीं किया है, बल्कि उनका मकसद वर्तमान सरकार को अगले सेनाध्यक्ष की नियुक्ति करने से रोकना है। लेकिन उन्होंने कहा कि शहबाज शरीफ सरकार नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। उधर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया है कि इमरान खान ने पिछले महीने दो मुद्दों पर बातचीत के लिए सरकार से संपर्क किया था। इनमें एक मुद्दा सेनाध्यक्ष की नियुक्ति का था। शरीफ ने कहा कि उन्होंने इमरान खान से मिलने से इनकार कर दिया। पर्यवेक्षकों के मुताबिक शहबाज शरीफ और उनकी सरकार लगातार ऐसे खुलासे करने का दावा कर रहे हैं, जिनसे इमरान खान की साख धूमिल हो। लेकिन अब तक ये कोशिशें कामयाब नहीं हुई हैं। जबकि दोनों तरफ से कही जा रही तेजाबी बातों से माहौल गरमाता जा रहा है। इसके बीच देश में हिंसा और अव्यवस्था की आशंका गहरा गई है। इस बीच इमरान खान ने बुधवार को पाकिस्तान के लोगों से अपने अधिकारों के लिए खड़े होने का आह्वान किया और अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि गठबंधन सरकार इससे संबंधित लोगों के भ्रष्टाचार के मामलों को खत्म करने के लिए एक सौदे के जरिए सत्ता में आई है।

सीमापार से घुसपैठ कर रहे तीन आंतकी ढेर

जम्मू। सर्दी के बढ़ते ही सीमापार से आतंकियों की घुसपैट बढ़ने की कोशिश तेज हो गई है। सुरक्षाबलों ने आज पुंछ सीमापार से आतंकियों की घुसैपठ को नाकाम कर दिया है। हमारी सुरक्षाबल एलओसी पर पूरी तरह से तैनात है। अधिकारियों द्वारा जारी बयान के अनुसार इस मुठभेड़ में में तीन आतंकी मारे गए हैं। इसमें से 1 पाकिस्तानी आतंकी का शव बरामद कर लिया गया है। चाबर लिखे जाने तक सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी रखा हुआ था। अधिकारियों द्वारा जारी बयान में उन्होंने कहा कि जवानों पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के साथ कुछ लोगों की संदिग्ध हरकत देखी जो घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। जवानों ने उन्हें चेतावनी देते हुए आत्मसर्मपण करने को कहा, लेकिन उनकी ओर से फायरिंग हुई। जवाबी

कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने आतंकियों को मारा गिराया, जिसमें एक का शव बरामद कर लिया गया है। उसके पास से दो एके-47 राइफल, एक पिस्टल और विस्फोटक सामग्री मिली है।

बीकानेर में आयकर विभाग की छापेमारी, सर्च अभियान

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश में कोविड के समय दाल की सप्लाई करने के मामले भारी पैसा बनाने और इसे शेयर व कमोडिटी बाजार में निवेश करने के संदेह में गुरुवार को आयकर विभाग ने बीकानेर के कुछ कारोबारियों के कुछ ठिकानों के साथ ही जोधपुर के एक शेयर ब्रोकर के यहां जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि बीकानेर के कारोबारियों ने जोधपुर की इस फर्म के माध्यम से बड़ी राशि शेयर व कमोडिटी बाजार में निवेश की। फिलहाल आयकर विभाग की टीम शेयर व कमोडिटी बाजार से जुड़ी फर्म नाइन स्टार ब्रोकरेज के सरदारपुरा बी रोड स्थित कार्यालय व खेमे का कुआ स्थित मकान की जांच कर रही है। इस मामले में शाम तक कुछ खुलासा होने की उम्मीद है।

पीड़ित सूक्ष्म इकाइयों को नजरअंदाज किया जा रहा : एस हरबिंदर

जम्मू। एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एंड टिनी ने आज यहां प्रेसवार्ता का आयोजन कर अपने मुद्दों को रखा। उद्योग का प्रतिनिधित्व इसके अध्यक्ष एस हरिबंदर सिंह कानूनी सलाहकार द्वारा किया गया। चंद्र मोहन शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संजय चोपड़ा उपाध्यक्ष, विपन सिंह वजीर महासचिव, अजय जगोत्र सचिव व अन्य मौजूद थे। इस प्रेस कांफ्रेंस में अध्यक्ष ने बताया कि कैसे जम्मू में स्थापित सूक्ष्म इकाइयां पीड़ित हैं और उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। संस ऑफ सॉयल को अपनी स्थापित इकाइयों को बंद करने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि वे अपने लिए रोजगार पैदा करने की कोशिश करते हैं और स्थानीय निदरेष बेरोजगार युवाओं को निराश, बेरोजगार और शोषित छोड़ दिया जाता है। एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट संजय चोपड़ा ने कहा कि इस मुद्दे पर सभी संबंधित विभाग सो रहे हैं, बैंक शोषण कर रहे हैं और पीएम के आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया के विजन के खिलाफ जा रहे हैं। यह देखा जा रहा है कि जबकि भारत के हमारे प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से भारत के युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए योजनाएं, नीतियां और प्रकाशन बना रहे हैं। सरकार के इस दृष्टिकोण के लिए संबंधित विभागों, अधिकारियों में से कोई भी पेशेवर रूप से सिक्रय नहीं है और न ही वे जमीन पर कोई उत्साहजनक कार्यान्वयन प्रदर्शित करते हैं। एसोसिएशन के महासचिव ने कहा कि उद्योग और वाणिज्य के सभी संबंधित विभाग, सभी बैंकों सहित एमएसएमई-डीएफओ जम्मू-कश्मीर इसके अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के बजाए सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

उमेश मिश्रा ने संभाला पुलिस महानिदेशक का कार्यभार

जयपुर (हिंस)। भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 1989 बैच के वरिष्ठ अधिकारी उमेश मिश्रा ने गुरुवार अपरान्ह पुलिस मुख्यालय में निवर्तमान पुलिस महानिदेशक एम एल लाठर से कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर उन्हे आरएसी की टुकड़ी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त उन्होंने पुलिस मुख्यालय में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक ली। उमेश मिश्रा अगस्त 2021 से डीजी इंटेलिजेंस के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने जयपुर शहर के रामगंज सर्किल में आईपीएस प्रोबेशन पूरा किया। इसके बाद चूरू, भरतपुर, पाली, कोटा शहर में पुलिस अधीक्षक व आईबी नई दिल्ली में असिस्टेंट डायरेक्टर व डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत रहे हैं। डीआईजी के रूप में एसीबी तथा आईजी के पद पर एसीबी, एटीएस, भरतपुर रेंज, विजिलेंस व जोधपुर रेंज रहे। एसीबी एसडीआरएफ सिविल राइट एटीएस एवं एसओजी तथा इंटेलिजेंस में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस का पदभार संभाला। उन्हें वर्ष 2007 में पुलिस मेडल और वर्ष 2016 में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा सहित वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारियों एवं मौजूद अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनकी अगवानी की। गार्ड ऑफ आनर के निरीक्षण के बाद डीजीपी कार्यालय में जाकर विधिवत रूप से लाठर से महानिदेशक पुलिस का कार्यभार संभाला। पुलिस महानिदेशक मिश्रा ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप पुलिस प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग के लोगों के प्रति अत्याचार व अपराध को रोकना हमारी विशेष प्राथमिकता हैं।

इंडियन आर्मी को समर्पित कार्यक्रम *उम्मीद-2022* कल

जयपुर (हिंस)। इंडियन आर्मी को समर्पित कार्यक्रम उम्मीद-2022 का आयोजन 5 नवंबर की सांय 5 बजे से बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में ओपन फॉर स्माइल ऑलवेज (ओएसए) के सौजन्य से किया जाएगा। नगर निगम ग्रेटर, जयपुर तथा रोटरी क्लब, जयपुर मिडटाउन के सहयोग से हो रहे इस कार्यक्रम में 10 महावीर चक्र विजेता व शौर्य चक्र विजेता पूर्व सैनिकों तथा 10 वीर नारियों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही 22 जरूरतमंद बच्चों को आईटी कोर्स के लिए स्कॉलरशिप दी जाएगी। कार्यक्रम संयोजक अर्जुन सक्सेना ने बताया कि इस दौरान महावीर चक्र विजेता नायक दिगेंद्र कुमार के जीवन पर आधारित कोरियोग्राफर व एक्टर विकास सक्सेना के निर्देशन में लघु नाटिका का मंचन होगा। कार्यक्रम के मुख्य अथिति राज्यमंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास व विशिष्ठ अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण से सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह होंगे।

आप विधायक दलबीर सिंह टोंग भगौड़ा घोषित

अमृतसर (पंजाब)। आम आदमी पार्टी ने साल 2020 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान तरनतारन स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के बाहर धरना दिया था। आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह धरना नकली शराब से मरने वालों को न्याय दिलाने को लेकर दिया था। आप विधायक दलबीर सिंह टोंग। बाबा बकाला की अदालत ने आम आदमी पार्टी के विधायक दलबीर सिंह टोंग पर शिकंजा कसते हुए उन्हें भगौड़ा घोषित कर दिया है। अदालत में पेश नहीं होने के चलते अदालत ने आप विधायक की संपत्ति को भी कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। विरोधी पार्टी के पूर्व मंत्रियों पर कार्रवाई के बाद अब आप विधायक पर हुई कार्रवाई से भगवंत मान की सरकार की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। आम आदमी पार्टी ने साल 2020 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान तरनतारन स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के बाहर धरना दिया था। आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह धरना नकली शराब से मरने वालों को न्याय दिलाने को लेकर दिया था। तब विधायक दलबीर सिंह टोंग तथा विधानसभा के मौजूदा स्पीकर कुलतार सिंह संधवा, डिप्टी स्पीकर जय किशन रोड़ी, परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर, बिजली मंत्री हरभजन सिंह, विधायक डा. कश्मीर सिंह सोहल, विधायक मनिंदर सिंह लालपुरा, विधायक मनजीत सिंह समेत कई अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। मामले में विधायक दलबीर सिंह टोंग अदालत में पेश नहीं हुए थे, तो अदालत ने उनके गैर जमानती वारंट जारी किए थे। इसके बाद टोंग ने हाईकोर्ट के आदेशों पर लोअर कोर्ट में पेश होने के बाद जमानत ले ली थी। लेकिन इसके बाद वे कभी अदालत में पेश नहीं हुए थे। इसे लेकर गुरुवार को बाबा बकाला की अदालत ने आप विधायक टोंग को भगौड़ा घोषित करते हुए उनकी संपत्ति की कुर्की के आदेश जारी कर दिए।

अपनी मांगों को लेकर गरजे रिटायर्ड कर्मचारी

भिवानी (हिंस)। गुरुवार को रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा ने अपनी मांगों को लेकर भिवानी के लघु सचिवालय के समक्ष धरना दिया व नारेबाजी भी की। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा तथा चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे नहीं मानी गई तो कर्मचारी संघ द्वारा मीटिंग कर राज्यस्तरीय आंदोलन की घोषणा की जाएगी। धरने के दौरान कर्मचारी नेता मा. वजीर सिंह ने कहा कि देश में विकास को गति देने के लिए रिटायर्ड कर्मचारियों ने ने अपने जीवन काल का मुख्य भाग जनता की सेवा व सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में लगाया है। उन्होंने कहा कि इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि सरकार भी उनकी समस्याओं और मांगों को लागू करने में अपना कर्तव्य निभाए। इसी कड़ी में आज धरना दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी मांगों में 65 वर्ष की आयु पर 10 प्रतिशत व 70 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत पेंशन वृद्धि का लाभ सभी पेंशनर्स को दिया जाए, सरकार सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ सुविधाओं का उचित व पूर्ण प्रबंध करे तथा पेंशनरों का मैडिकल भत्ता 3 हजार रुपए मासिक किया जाए, सभी पेंशनरों व पारिवारिक पेंशनरों पर पुरानी पेंशन योजना लागू करो, महंगाई भत्ता व एरियर एक समान सभी पेंशनर्स को दिया जाए तथा महंगाई भत्ता का 18 महीने का एरियर भी जारी किया जाए, न्यूनतम पेंशन 12 हजार या आखरी वेतन का 50 प्रतिशत दिया जाए, वरिष्ठ नागरिकों के लिए रेलवे में पहले की तरह आरक्षण लागू किया जाए आदि है।

बढ़ते धरना-प्रदर्शनों को देखते हुए जिलाधीश ने नियुक्त किए ड्यूटी मजिस्ट्रेट

फतेहाबाद (हिंस)। जिला में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव, किसानों द्वारा धान के अवशेष जलाने पर जुर्माना करने पर अधिकारियों को बंधक बनाने व बिजली के बढ़े हुए बिल आने को लेकर किसान व आमजन द्वारा तथा अन्य संगठनों द्वारा अपनी मांगों को लेकर जगह-जगह धरना/प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इस बीच असामाजिक तत्वों द्वारा जिला में शांति भंग किए जाने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में एसपी ने डीसी को पत्र लिखकर कहा है कि पुलिस अधिकारियों के साथ ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जाने जरूरी हैं। इसके बाद जिला में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 30 नवंबर तक जिलाधीश जगदीश शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इनके साथ में संबंधित थाना अधिकारी तैनात रहेंगे। अतिरिक्त उपायुक्त को जिला में ओवर ऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है तथा संबंधित उपमंडल के एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र के नोडल अधिकारी/उपमंडल मैजिस्ट्रेट होंगे। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के अनुसार ड्यूटी मैजिस्ट्रेट जिला कल्याण अधिकारी लालचंद के साथ थाना शहर फतेहाबाद प्रबंधक, ड्यूटी मजिस्ट्रेट जिला बागवानी अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार के साथ थाना सदर फतेहाबाद प्रबंधक, ड्यूटी मजिस्ट्रेट नगर परिषद टोहाना पालिका अभियंता रमन के साथ थाना शहर टोहाना प्रबंधक, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट मार्केट कमेटी टोहाना सचिव अमित रोहिला के साथ थाना सदर टोहाना प्रबंधक, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट खंड कृषि अधिकारी रतिया संदीप कुमार के साथ थाना शहर रतिया प्रबंधक, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट कृषि विकास अधिकारी रतिया राहुल चौहान के साथ थाना सदर रतिया प्रबंधक, ड्यूटी मजिस्ट्रेट कृषि विकास अधिकारी जाखल सुभाष चंद्र के साथ थाना जाखल प्रबंधक, ड्यूटी मजिस्ट्रेट मार्केट कमेटी भूना सचिव ईश्वर सिंह के साथ थाना भूना प्रबंधक, ड्यूटी मजिस्ट्रेट खंड कृषि अधिकारी फतेहाबाद महावीर सिंह के साथ थाना भट्टू कलां प्रबंधक को ड्यूटी पर लगाया है। इसके अलावा उपमंडल फतेहाबाद के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नगर परिषद फतेहाबाद कार्यकारी अभियंता अमित कौशिक, उपमंडल टोहाना के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेटजन स्वास्थ्य विभाग टोहाना उपमंडल अभियंता मनदीप सिंह तथा रतिया उपमंडल के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट कृषि विकास अधिकारी रतिया गुरदीप सिंह को रिजर्व में रखा गया है।

जम्मू-कश्मीर से बाड़मेर बॉर्डर पहुंची साइकिल रैली

बाड़मेर (हिंस)। नेशनल यूनिटी व अखंडता का संदेश लेकर जम्मू-कश्मीर से निकली बीएसएफ की साइकिल रैली गुरुवार को सरहदी जिले बाड़मेर बॉर्डर के गांव तामलोर पहुंची। रैली का बॉर्डर के गांव में ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। रैली पंद्रह सौ से ज्यादा किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है। 13 नवंबर को रैली गुजरात के भुज पहुंचेगी। यहां 2117 किलोमीटर यात्रा का समापन होगा। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत बीएसएफ की यह साइकिल रैली 13 अक्तूबर को नेशनल यूनिटी और अंखडता का संदेश लेकर जम्मू-कश्मीर से रवाना हुई थी। रैली का मकसद बॉर्डर के इलाकों में लोगों के बीच नेशनल यूनिटी व अखंडता का संदेश देना है। रैली में शामिल जवानों का दल नशा मुक्त शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ नवयुवकों एवं स्टूडेंट को सीमा सुरक्षा बल में सेवा के लिए प्रेरित करना है। बीएसएफ रैली में 2 अधिकारी, 4 अधीनस्थ अधिकारी एवं 14 अन्य रैंक के कर्मचारियों सहित 20 लोग शामिल है। रैली 13 नवंबर को गुजरात के भुज स्थित बीएसएफ हैडक्वार्टर पहुंचेगी। बॉर्डर सीमा में आने के बाद बीएसएफ के कार्यवाहक कमांडेंट राजेश नेगी ने साइकिल रैली का स्वागत किया। यह दल बॉर्डर के गांव मिठराऊ से सुंदरा, पांचला, रोहिड़ी, मुनाबाव, जैसिंधर, राणासिंह की ढाणी गांव होते तामलोर पहुंचा। इस दौरान ग्रामीण इलाकों में लोगों, स्कूली बच्चों व बीएसएफ के अधिकारियों व जवानों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जगह राष्ट्र भक्ति के नारे लगे और राष्ट्रीय गीत से बॉर्डर के गांव गूंज उठे। गांवों में रैली को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आया।

अपनी मांगों को लेकर सिंचाई विभाग के अस्थायी कर्मचारियों का प्रदर्शन

जम्मू। सिंचाई विभाग के अस्थायी कर्मियों ने आज अपनी मांगों को लेकर विभाग के कार्यालय के समीप प्रदर्शन कर नारेबाजी कर अपनी मांग की आवाज को बुलंद किया। बता दें यह अस्थायी कर्मचारी उनको नियमति करने और उनका बकाया वेतन जारी करने की मांग कर रहे है। पत्रकारों से बात करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 15 वर्षों से कर्मी विभाग के साथ पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं मगर उनको नियमति करने के बारे में यू.टी. सरकार के पास कोई योजना नहीं है। सरकार अभी तक रोडमैप तैयार नहीं कर पाई है। इसलिए अब हम आंदोलन पर रहेंगे और अपना हक पाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग में संभाग भर में 400 कर्मी अस्थायी तौर पर काम कर रहा है मगर इनको नियमति करने के बारे में कोई नीति आज तक नहीं बन पाई है। अखिर सरकार हमें पक्का क्यों नहीं कर रही ताकि हम भी अपने बच्चों का भविष्य सवार सके।

कॉलेज परिसर में लीफ कंपोस्ट का स्टार्ट-अप शुरू

जम्मू। जीडीसी हीरानगर में आम का बाग होने के कारण कॉलेज के परिसर में खाद के महत्व और विभिन्न प्रकार के पत्तों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, पर्यावरण विज्ञान विभाग और ईसीओ-क्लब ने आईक्यूएसी के सहयोग से जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में लीफ कंपोस्ट इकाई की स्थापना की। विभिन्न प्रकार के सूखे पत्तों को एकत्र किया गया और 5 डिब्बे में डाल दिया गया और बाद में खाद पिट में स्थानांतरित कर दिया गया। गिरे हुए पत्तों को अपशिष्ट, उपद्रव और बोझ के रूप में देखा जाता था। दैनिक गिरने वाले पेड़ के पत्ते बड़ी संख्या में सूखे पत्ते उत्पन्न करते हैं जिन्हें उचित प्रबंधन की आवश्यकता होती है। पारंपरिक अपशिष्ट निपटान विधियों में, पत्तों के कचरे को संभालने के लिए खाद को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है। कंपोस्टिंग

पत्तियां एक ही समय में पोषक तत्वों से भरपूर बगीचे की मिट्टी और संशोधन को रीसायकल करने और बनाने का एक शानदार तरीका है। लीफ कंपोस्ट के फायदे असंख्य हैं। खाद मिट्टी की सरंध्रता को बढ़ाती है, उर्वरता बढ़ाती है, लैंडफिल पर दबाव कम करती है और पौधों के ऊपर एक जीवित *कंबल* बनाती है। लीफ कंपोस्ट बनाने की पूरी प्रक्रिया अक्तूबर माह में नेहा भगत (एचओडी ईवीएस एवं कन्वेनर ईसीओ-सीयूएलबी) एवं इको-क्लब के अन्य सदस्यों की देखरेख में संपन्न हुई। तैयार लीफ कंपोस्ट के पैकेटों को कॉलेज के स्टाफ और छात्रों ने रेडियल लिया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने आज ईसीओ-सीयूएलबी के सदस्यों को लीफ कंपोस्ट तैयार करने के प्रयासों के लिए बधाई दी और छात्रों को भविष्य में भी पर्यावरण की बेहतरी के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया।

गुरुग्राम में सीएम फ्लाइंग स्क्वायड ने फर्जी पैथ लैब पकड़ी

गुरुग्राम (हिंस)। जिले में एक ऐसी पैथ लैब का भंडाफोड़ हुआ है, जो कि पूरी तरह से फर्जीवाड़े से चलाई जा रही थी। यह खुलासा सीएम फ्लाइंग स्क्वायड की छापेमारी में हुआ है। छापेमारी में मौके से लैब संचालक को गिरफ्तार किया गया और 45 रैपिड टेस्ट किट व कागजात बरामद किए। बिनौला औद्योगिक क्षेत्र में एक साल से पैथ लैब चलाई जा रही थी। इस दौरान करीब 750 लोगों के टेस्ट इस लैब के माध्यम से किए गए। लैब को राहुल यादव नामक व्यक्ति संचालित करता था। जानकारी के अनुसार लैब को फर्जी तरीके से चलाने के इनपुट सीएम फ्लाइंग स्क्वायड को मिले थे। ऐसे में टीम के प्रभारी डीएसपी इंद्रजीत यादव के पास जानकारी पहुंची कि राहुल यादव नामक युवक फर्जी तरीके से यहां लैब चलाता है। वह बीएससी पास है। वह राजस्थान के अलवर जिला के गांव जोड़िया का रहने वाला है। इस समय वह रेवाड़ी के गांव बोडिया कमालपुर में रहता है। बीडीएन पैथ लैब नाम से वह लैब संचालित करता है। सीएम फ्लाइंग स्क्वायड की टीम ने बिना कोई देरी किए लैब पर छापेमारी की। स्वास्थ्य विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई। छापेमारी के दौरान लैब में एक युवक रक्त के सैंपल की जांच कर रहा था। टीम के समक्ष उसने बताया कि वह यहां लैब तकनीशियन के तौर पर काम करता है। लैब संचालक राहुल यादव भी उस समय लैब में मौजूद था। छापेमारी टीम की ओर से उससे लैब संचालन के कागजात मांगे गए, लेकिन वह कुछ नहीं दिखा पाया। टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। उसने एक साल में 750 से अधिक लोगों के सैंपल लिए। उनके पास किसी तरह की कोई डिग्री नहीं मिली। लैब संचालक ने साढ़े तीन हजार रुपये प्रतिमाह से लैब चलाने के लिए दुकान किराए पर ले रखी थी। मौके पर एक रिपोर्ट मिली, जिस पर डॉ. कंचन जैन के डिजिटल हस्ताक्षर हैं।

दोस्तों के साथ मिलकर चचेरे भाई की कर दी हत्या

फरीदाबाद (हिंस)। चचेरे भाइयों के आपसी विवाद में एक भाई ने अपनी कुछ दोस्तों के साथ मिलकर अपने ही भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना सूरजकुंड के अनंगपुर गांव की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के जीजा देवराज चेची ने बताया कि गौरव भड़ाना व सोनू भड़ाना उसके साले है और गौरव ऑटो चलाता है। गौरव व सोनू का एक चचेरा भाई अंकित है। अंकित का सोनू से किसी बात को लेकर दो दिन पहले झगड़ा हुआ था, जिसको लेकर पुलिस भी पहुंची थी और पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर शांत करवा दिया। गुरुवार सुबह गौरव भड़ाना ऑटो लेकर जब गांव के स्टैंड पर पहुंचा, तभी अंकित, रॉबिन व अन्य तीन-चार युवकों ने पहले तो उसकी डंडों से पिटाई की, फिर चाकुओं से गोदकर भाग गए। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उसे समीपवर्ती अस्पताल पहुंचाया, जहां गौरव की मौत हो गई।

जम्मू जिला सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप ओपन का आगाज

जम्मू। जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ने माई यूथ माई प्राइड के तहत और जम्मू-कश्मीर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू में चमन लाल भट्ट वरिष्ठ उपाध्यक्ष जम्मू-कश्मीर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के निर्देश के साथ जिला सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप 2022-2023 का आयोजन किया। संजय चिब प्रोप जम्मू एंटरप्राइजेज सम्मानित अतिथि थे और वसीम राजा खान महासचिव जम्मू-कश्मीर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन मुख्य अतिथि थे और डॉ. विनोद बख्शी, भौतिक निदेशक जीजीएम साइंस कॉलेज इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। बालक वर्ग में जिला चैम्पियनशिप में आज जम्मू जिले के विभिन्न

क्षेत्रों से जूनियर, सब जूनियर और सीनियर टीमों ने चैंपियनशिप में भाग लिया, तालाब तिल्लो बुल्स और झीडी सॉफ्टबॉल क्लब के बीच उद्घाटन मैच में तालाब तिल्लो बुल्स ने सीड़ी सॉफ्टबॉल क्लब को 13-1 से हराया , कॉस्मो क्लब और राइजिंग स्टार के बीच दूसरे मैच में कॉस्मो क्लब ने नाइन रेंजर्स को 15-5 से हराया। इस दौरान कई मैच खेले गए। इस अवसर पर उपस्थित अन्य लोगों में सुधीर सिंहसचिव जिला सांबा सॉफ्टबॉल एसोसिएशन, पदमदेव सिंह संयुक्त सचिवजम्मू-कश्मीर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन, हरविंदर सिंह, मदन मोहन एनआईसी कोच और वरिष्ठ खिलाड़ी रावत सिंह, विशाल सिंह और कई अन्य उपस्थित थे।

केंद्र के कर्मियों से छिना आर्थिक फायदा, जनरल प्रोविडेंट फंड की अधिकतम सीमा तय, 5 लाख होंगे जमा

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने जनरल प्रोविडेंट फंड यानी सामान्य भविष्य निधि में पैसा जमा कराने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। अब कोई भी सरकारी कर्मचारी पांच लाख रुपये से ज्यादा की राशि जीपीएफ में जमा नहीं करा सकेगा। कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार ने यह कदम उठाकर कर्मियों से आर्थिक फायदा छीनने का प्रयास किया है। अभी तक यह नियम था कि कोई भी कर्मचारी इस निधि में अपने कुल मेहनताने का 6 फीसदी जमा कराता था। अनेक ऐसे कर्मचारी भी थे, जो अपने मेहनताने का छह, दस या बीस फीसदी और उससे ज्यादा राशि भी जमा कराते थे। इस जमा राशि पर जो ब्याज मिलता है, वह सामान्य तौर पर बैंकों के मुकाबले ज्यादा रहता है। मौजूदा समय में जीपीएफ के खाताधारकों को 7.1 फीसदी दर से ब्याज मिलता है। भारत सरकार के लोक शिकायत, कार्मिक और पेंशन मंत्रालय के तहत पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा दो नवंबर को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। विभाग द्वारा इस संबंध में 15 जून को एक आदेश जारी किया गया था। उसमें भी पांच लाख रुपये की अधिकतम सीमा का जिक्र था। बाद में अनेक मंत्रालयों और विभागों से ऐसे सवाल आने लगे कि इसे किस तरह लागू किया जाए। बहुत से कर्मचारी ऐसे भी हैं, जिन्होंने इस साल में पांच लाख रुपये से ज्यादा की राशि जमा करा दी है। अनेक कर्मचारी ऐसे भी हैं, जिनकी 2022-23 में जमा राशि पांच लाख रुपये के करीब पहुंचने वाली है।

ऐसे में क्या किया जाए। पेंशन मंत्रालय द्वारा कहा गया है कि पहले जीपीएफ में कम से कम छह फीसदी राशि जमा कराना अनिवार्य था। यानी जो भी कर्मी जीपीएफ के दायरे में आता है, उसे इतनी राशि तो जमा करानी ही होगी। बहुत से कर्मचारी इससे ज्यादा राशि भी जमा कराते थे। अब जीपीएफ खाते में छह फीसदी राशि जमा कराने वाली शर्त तो रहेगी ही, लेकिन इसकी अधिकतम राशि तय कर दी गई है। अब कोई भी कर्मचारी या अधिकारी किसी भी तरह से पांच लाख रुपये से अधिक की राशि जीपीएफ में जमा नहीं करा सकता। साल 2022-23 के लिए जिन कर्मियों की राशि पांच लाख रुपये से अधिक हो गई है, उनके खाते पर कैप लगा दी जाए। अब चालू वित्त वर्ष के लिए उनके जीपीएफ खाते में कोई राशि जमा नहीं होगी। जिन कर्मियों की जमा राशि पांच लाख रुपये होने वाली है, वहां भी ध्यान रखा जाए कि वह पांच लाख के ऊपर न जाने पाए।

खुलेगा बीकाजी फूड्स व ग्लोबल हेल्थ का आईपीओ

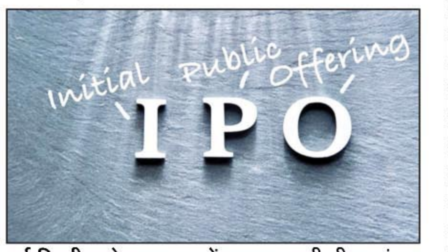

नई दिल्ली । शेयर बाजार में गुरुवार यानी तीन नवंबर को दो कंपनियों की आईपीओ के माध्यम से एंट्री मिलने वाली है। दरअसल, तीन नवंबर को ग्लोबल हेल्थ और बीकाजी फूड्स का आईपीओ खुल रहा है। इन दोनों की कंपनियों में आगामी सात नवंबर तक पैसा लगा सकेंगे। बता दें कि ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड मेदांता ब्रांड के तहत हॉस्पिटल का संचालन कती है, जबकि बीकाजी देश की प्रतिष्ठित एफएमसीजी (भुजिया और नमकीन) ब्रांड है। तीन से सात नवंबर के बीच दोनों ही कंपनियों के आईपीओ में निवेश किया जा सकेगा। बीकाजी फूड्स के आईपीओ के लिए 285 रुपये से 300 रुपये के बीच का प्राइस बैंड रखा गया है। कंपनी आईपीओ के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाना की तैयारी में है। आईपीओ के तहत 2.94 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। बाजार के जानकारों के मुताबिक बीकाजी फूड़स के शेयर ग्रे मार्केट में 71 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों की बाजार में 16 नवंबर को लिस्टिंग हो सकती है। वहीं निवेशकों को 11 नवंबर 2022 को शेयरों का अलॉटमेंट हो सकता है। मेदांता ब्रांड नाम के तहत अस्पतालों का परिचालन और मैनेजमेंट करने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड ने अपने 2,206 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 319-336 रुपये प्रति शेयर का तय किया गया है। कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री तीन से सात नंवबर के बीच खोली जाएगी। आईपीओ के माध्यम से पांच सौ करोड़ रुपये के नये शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फोर सेल के जरिए की जाएगी।

पूर्व सीएमडी के स्वास्थ्य जांच के लिए बनेगी डॉक्टरों की टीम, सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को डीएचएफएल मामले में एम्स निदेशक को निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक को निर्देश दिया है कि वे दीवान हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीएमडी कपिल वाधवान के स्वास्थ्य का जायजा लेने के लिए डॉक्टरों की एक टीम बनाएं। बता दें कि बाधवान कई करोड़ रुपये के यस बैंक फ्रॉड केस से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले के आरोपित हैं। मामले की सुनवाई के दौरान अखिल भारतीय अखिल भारती आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक को निर्देश दिया है कि वे दीवान हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीएमडी कपिल वाधवान के स्वास्थ्य का जायजा लेने के लिए डॉक्टरों की एक टीम बनाएं। बता दें कि बाधवान कई करोड़ रुपये के यस बैंक फ्रॉड केस से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले के आरोपित हैं। जस्टिस केएम जोसेफ और हृषिकेश रॉय की पीठ ने आदेश दिया है कि वधावन को तुरंत ले जाया जाए और विभिन्न विषयों के डॉक्टरों से उनकी जांच करायी जाए।

रबी सीजन के लिए 51,875 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी, कैबिनेट ने दी मंजूरी

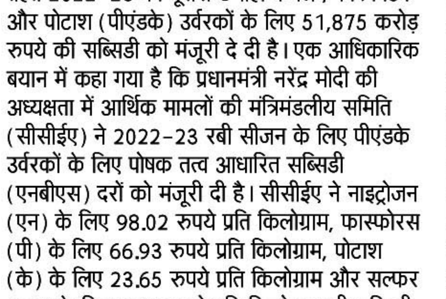

नई दिल्ली । सरकार ने बुधवार को किसानों की भूमि को सस्ती दरों पर पोषक तत्व उपलब्ध कराने के प्रयासों तहत 2022-23 की दूसरी छमाही के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों के लिए 51,875 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 2022-23 रबी सीजन के लिए पीएंडके उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों को मंजूरी दी है। सीसीईए ने नाइट्रोजन (एन) के लिए 98.02 रुपये प्रति किलोग्राम, फास्फोरस (पी) के लिए 66.93 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश (के) के लिए 23.65 रुपये प्रति किलोग्राम और सल्फर (एस) के लिए 6.12 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी को मंजूरी दी है। बयान में कहा गया है, 'एनबीएस रबी सीजन 2022 (01.10.2022 से 31.03.2023 तक) के लिए कैबिनेट की ओर से अनुमोदित सब्सिडी 51,875 करोड़ रुपये की होगी जिसमें माल ढुलाई सब्सिडी के माध्यम से स्वदेशी उर्वरक (एसएसपी) के लिए दी गई मदद भी शामिल है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने की बैठक

लगातार बढ़ रही महंगाई पर सरकार को देना है जवाब

नई दिल्ली ।
रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति समिति ने गुरुवार को मुद्रास्फीति पर सरकार को जवाब देने के लिए तैयार की गई रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को बैठक की है। सूत्रों के अनुसार सरकार के लिए एक रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए बैठक की गई है।

लगातार तीन तिमाहियों तक महंगाई रोकने में विफल रहने पर आरबीआई को देना है जवाब

बता दें कि इस वर्ष जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों तक खुदरा मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे रखने में आरबीआई क्यों विफल रहा इस बात से संबंधित एक रिपोर्ट केंद्रीय बैंक को सरकार को सौंपनी है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के अनुसार यह रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। बता दें कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास करते हैं।

ये लोग हैं आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी में शामिल

एमपीसी के अन्य सदस्यों में दिल्ली के नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के मानद वरिष्ठ सलाहकार शशांक भिड़े, मुंबई के इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च में एमेरिटस प्रोफेसर आशिमा गोयल और अहमदाबाद के भारतीय प्रबंधन संस्थान के प्रोफेसर जयंत आर वर्मा शामिल हैं। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा और आरबीआई के कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन भी इसके अन्य सदस्यों में शामिल हैं।

छह वर्ष पूर्व हुआ था मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी का गठन

छह साल पहले मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का गठन होने के बाद पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लगातार नौ महीनों तक मुद्रास्फीति को निर्धारित दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। वर्ष 2016 में मौद्रिक नीति निर्धारण के एक व्यवस्थित ढांचे के रूप में एमपीसी का गठन किया गया था। उसके बाद से एमपीसी ही नीतिगत ब्याज दरों के बारे में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई बनी हुई है। एमपीसी ढांचे के तहत सरकार ने आरबीआई को यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) से नीचे बनी रहे।

जनवरी महीने से ही मुद्रास्फीति की दर छह प्रतिशत के ऊपर

हालांकि, इस साल जनवरी से ही मुद्रास्फीति लगातार छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में भी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत पर दर्ज की गई। इसका मतलब है कि लगातार नौ महीनों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को अपनी नीतियों का बचाव करते कहा था कि अगर समय से पहले ब्याज दरों को सख्त करना शुरू कर दिया होता तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि नीचे की ओर मुड़ जाती। यह स्वीकार करते हुए कि बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण केंद्रीय बैंक अपने प्राथमिक लक्ष्य से चूक गया है, दास ने कहा कि 'प्रतितथ्यात्मक' पहलू की भी सराहना करने की आवश्यकता है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा था- अर्थव्यवस्था को देखते हुए हमने नहीं अपनाया आक्रामक रुख

आरबीआई गवर्नर ने कहा, "अगर हमने जल्दी सख्त या आक्रामक रुख अपनाया होता तो यह निर्णय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महंगा पड़ता। यह इस देश के नागरिकों के लिए भी महंगा होता और हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती।" सरकार ने 31 मार्च, 2021 को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि मार्च, 2026 तक आरबीआई को मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो प्रतिशत अधिक या दो प्रतिशत कम) के भीतर रखना होगी।

वित्त मंत्री ने कहा- अनिश्चितता के बीच निवेशकों के लिए आकर्षक है घरेलू अर्थव्यवस्था, 7प्रतिशत रहेगी विकास दर

नई दिल्ली।
भले ही दुनिया आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही है, पर भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल तत्व मजबूत हैं। घरेलू अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बनी हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि युद्ध की एक वैश्विक स्थिति है, खासकर उन देशों में जो कच्चे माल के स्रोत हैं। चाहे वह ईंधन, खाद या खाद्य संबंधित कच्चे माल हों। इससे दुनिया में बहुत असुरक्षा पैदा हो रही है और चुनौतियां जारी हैं। इस अनिश्चित माहौल के बीच दुनिया भारत को निश्चित स्तर के एक शांत द्वीप के रूप में देख रही है। कर्नाटक में निवेश सम्मेलन में उन्होंने कच्चे माल के आयात आदि को प्रभावित करने वाली वैश्विक राजनीतिक स्थिति के बारे में कहा कि विभिन्न देश अब दुनिया के विभिन्न हिस्सों से इन सामग्रियों के स्रोत के लिए खुद को समायोजित कर रहे हैं। हालांकि, इसका न केवल उद्योगों पर बल्कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक व्यापार की वृद्धि पर भी असर पड़ा है। लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था पर मजबूत आर्थिक बुनियाद और बेहतर नीतियों की वजह से अनिश्चितताओं और बाहरी चुनौतियों का ज्यादा असर नहीं पड़ा है।

जरूरत पड़ने पर उद्योगों का किया गया समर्थन - सीतारमण ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बाहरी तत्वों से गंभीर रूप से खतरा नहीं होगा। सरकार ने उन उद्योगों को बहुत समर्थन दिया, जिनकी उन्हें आवश्यकता थी। यह भी सुनिश्चित किया गया कि इन चुनौतियों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को सावधानीपूर्वक संभाला गया। वित्त मंत्री कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का छठा दौर बृहस्पतिवार को शुरू करेंगी। इस दौर की नीलामी की शुरुआत के लिए राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले कार्यक्रम में वह मुख्य अतिथि होंगी। कोयला मंत्रालय ने कहा, खदानों का विवरण, नीलामी की शर्तें, समयसीमा आदि की जानकारी एमएसटीसी के नीलामी मंच पर देखी जा सकती हैं। नीलामी दो चरण की पारदर्शी प्रक्रिया के जरिये ऑनलाइन तरीके से होगी।

86 फीसदी लोग दुकानों से खरीदते हैं किराना सामान, दो फीसदी लोग ऑनलाइन का लेते हैं सहारा

नई दिल्ली।
बढ़ते ऑनलाइन और ई-कॉमर्स के बावजूद देश में 86 फीसदी लोग स्थानीय किराना दुकानों से सामान खरीदना पसंद कर रहे हैं। केवल दो फीसदी लोग ऑनलाइन का सहारा लेते हैं। ऑनलाइन ऐप्स में 17 फीसदी उपभोक्ता किराने की खरीदारी के लिए अमेजन का जबकि 15 फीसदी फ्लिपकार्ट का उपयोग करते हैं। 8 फीसदी लोग जियो मार्ट से खरीदारी करते हैं।

एक्सिस माई इंडिया ने 10,207 लोगों के साथ सर्वे किया। इसमें 70 फीसदी लोग गांवों से और 30 फीसदी शहरों से थे। इसमें 56 फीसदी पुरुष थे, जबकि 44 फीसदी महिलाएं थीं। एक्सिस माई इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रदीप गुप्ता ने कहा, भारत की स्थिर आर्थिक वृद्धि और कीमतों में गिरावट के संकेतों से उपभोक्ता विश्वास में सुधार हुआ है। महीने भर के त्योहारी उत्सवों ने इस भावना को बढ़ाने का काम किया है। स्वास्थ्य से संबंधित जैसे विटामिन, परीक्षण, स्वस्थ भोजन पर खर्च 39 फीसदी परिवारों के लिए बढ़ गया है।

त्योहारों में 29 फीसदी ने की अधिक खरीदारी - 29 फीसदी उपभोक्ता इस त्योहारी मौसम में अधिक खरीदारी कर चुके हैं या अधिक खरीदारी करने की योजना बना रहे हैं। 37 फीसदी ने सेल्स सीजन के दौरान अधिक कपड़े खरीदना पसंद किया, जबकि 23 फीसदी और 14 फीसदी ने क्रमश: किराने का सामान और खाद्य सामग्रियां खरीदना पसंद किया।

अप्रैल-सितंबर में गेहूं निर्यात दोगुना बढ़कर 1.48 अरब डॉलर - गेहूं का निर्यात सितंबर छमाही में सालाना आधार पर दोगुना बढ़कर 1.48 अरब डॉलर पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में निर्यात 63 करोड़ डॉलर रहा था। हालांकि, सरकार ने मई में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन खाद्य जरूरतें पूरी करने के लिए गेहूं की मांग करने वाले कुछ देशों को निर्यात की अनुमति है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक गेहूं की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो गई है।

अक्तूबर में दुनिया की तुलना में घरेलू बाजार में कम बढ़त, 10 महीने बाद सेंसेक्स 61 हजार के पार पहुंचा

नई दिल्ली।
अक्तूबर में दुनिया के प्रमुख शेयर बाजारों में अच्छी खासी तेजी रही, पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सबसे कम बढ़त रही। सेंसेक्स में 5.78प्रतिशत की तेजी जबकि निफ्टी-50 में 5.37प्रतिशत की तेजी रही। सबसे ज्यादा बढ़ने वालों में अमेरिका का डाऊजोंस रहा जिसमें 14.63प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। सेंसेक्स पिछले 4 माह में 9,000 अंक बढ़ा है। जून मध्य में यह 51,260 पर था जो मंगलवार को 61 हजार को पार कर गया। दुनिया के बाजारों में बढ़त इसलिए आई क्योंकि एक तो कच्चे तेलों की कीमतें गिरती गईं और दूसरे केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों को बढ़ाना जारी रखा। ब्याज दरें अप्रैल के बाद से 4-5 बार बढ़ चुकी हैं। विदेशी निवशकों की बिकवाली से भारतीय बाजार में कम बढ़त देखी गई। रुपये में इस साल चार सबसे बड़ी गिरावट रही। मई में डॉलर के मुकाबले इसमें जहां 1.5प्रतिशत की गिरावट आई वहीं जून में यह 1.7प्रतिशत टूट गया। सितंबर में 2.4प्रतिशत टूटा जबकि अक्तूबर में 1.8प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। ब्रोकरेज हाउस मोर्गन स्टेनली ने कहा है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण दस साल में 10 लाख करोड़ डॉलर को पार सकता है। इस आधार पर यह दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा पूंजीकरण वाला बाजार होगा। सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.5 लाख करोड़ डॉलर है।

एक साल में पेटीएम के 44 फीसदी शेयर बेचे एफआईआई ने

निवेशकों को घाटा देने में अव्वल पेटीएम के शेयरों की विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने एक साल में 2.97 करोड़ शेयर या 44प्रतिशत हिस्सा को बेचा है। इसमें 127 एफआईआई की हिस्सेदारी थी जिन्होंने 6.71 करोड़ शेयर खरीदे थे। अब 88 एफआईआई की हिस्सेदारी केवल 3.74प्रतिशत रह गई है।

संस्थानों से 67228 करोड़ रुपये का बकाया नहीं वसूल सका सेबी, 70 फीसदी बकाया राशि फंसी

नई दिल्ली।
बाजार नियामक सेबी संस्थानों से 67,228 करोड़ रुपये का बकाया नहीं वसूल सका। इसलिए, इस रकम को अब अलग कर दिया गया है। 2021-22 की सालाना रिपोर्ट में नियामक ने कहा, 96,609 करोड़ का बकाया उन संस्थाओं से वसूले जाने की जरूरत है, जिन्होंने जुर्माने का भुगतान नहीं किया है। बाजार निगरानी के कारण जुर्माने का भुगतान करने में ये संस्थान विफल रहे और निवेशकों के पैसे वापस करने के निर्देशों का पालन नहीं किया।

वसूली में आ रही मुश्किल पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनियामक बोर्ड (सेबी) ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा, सभी तरीके अपनाने के बावजूद बकाया वसूली नहीं की जा सकी। साथ ही, उसने स्पष्ट किया कि इस तरह के बकाये को अलग करना एक प्रशासनिक अधिनियम है। आगे अगर किसी पैमाने में कोई बदलाव किया जाता है तो वह अधिकारियों को इन संस्थानों से इस रकम की वसूली से नहीं रोकेगा।

सहारा और पीएसीएल पर सर्वाधिक बकाया

96,609 करोड़ रुपये में 63,206 करोड़ यानी 65 फीसदी बकाया सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) से जुड़ा है। यह रकम पीएसीएल लि. व सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड के सार्वजनिक निर्गमों से संबंधित है। साथ ही, कुल बकाये का 70प्रतिशत यानी 68,109 करोड़ विभिन्न अदालतों और नियुक्त समितियों के समक्ष समानांतर कार्यवाही के अधीन है। पूंजी बाजार नियामक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 2021-22 में जांच के लिए प्रतिभूति कानून के उल्लंघन से जुड़े नए मामलों की संख्या 59 थी। यह आंकड़ा 2020-21 के 94 मामलों से काफी कम है। कुल 59 में से 38 मामले बाजार और कीमतों में हेराफेरी से संबंधित थे। भेदिया कारोबार (इनसाइडर ट्रेडिंग) के 17 और बाकी चार मामले प्रतिभूति कानून के उल्लंघन से जुड़े थे। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल 169 मामलों की जांच पूरी की गई। 2019-20 में 94 नए मामले मिले थे और कुल 140 मामलों की जांच पूरी की गई।

जांच का मकसद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना

जांच का उद्देश्य सबूत जुटाने के साथ अनियमितताओं और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं की पहचान करना है ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। जांच के दौरान बैंक खाते एवं केवाईसी विवरण, संस्थान के बारे में जानकारी, कॉल डाटा रिकॉर्ड व बाजार मध्यस्थों से प्राप्त जानकारी का भी विश्लेषण किया गया।

हुमा का बॉयफ्रेंड मुदस्सर अजीज के साथ हुआ ब्रेकअप

-फिल्म डबल एक्सएल को लेकर भी सुर्खियों में है एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का उनके लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मुदस्सर अजीज के साथ ब्रेकअप हो गया है। यह दोनों एक-दूसरे को काफी समय से डेट कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक हुमा कुरैशी और मुदस्सर अजीज ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक भले ही दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली हों, लेकिन वे साथ काम करते रहेंगे। बता दें हुमा और मुदस्सर अजीज साथ में फिल्में प्रोड्यूस करना जारी रखेंगे। उन दोनों ने अपने लव रिलेशनशिप को भले ही खत्म कर दिया हो पर वह दोनों अभी भी दोस्त बने रहेंगे। बता दें, हुमा कुरैशी और मुदस्सर अजीज पिछले तीन साल से एक साथ थे। हालांकि अभी तक इस कपल के ब्रेकअप की वजह सामने नहीं आई है। लेकिन जानकारी के मुताबिक दोनों ने अपने रिश्ते में बढ़ती कड़वाहट के चलते अपने रिश्ते को खत्म कर दिया है। मुदस्सर अजीज एक प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हैं। हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा की आने वाली फिल्म डबल एक्सएल की कहानी मुदस्सर द्वारा ही लिखी गई है। हुमा कुरैशी से पहले मुदस्सर अजीज मिस वर्ल्ड रह चुकी सुष्मिता सेन को भी डेट कर चुके हैं। हुमा कुरैशी ने 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने सपोर्टिंग रोल अदा किया था। इस फिल्म में अपने अभिनय कौशल से उन्होंने सभी का दिल जीत लिया था। उसके बाद उन्होंने कई सारी फिल्मों में सपोर्टिंग और मुख्य रोल अदा किया है। हुमा कुरैशी को सोनी लिव पर उनकी वेब सीरीज महारानी के लिए काफी सराहा गया था। मालूम हो कि हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म डबल एक्सएल को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। सोनाक्षी सिन्हा संग हुमा कुरैशी की यह फिल्म जल्द ही थिएटर में रिलीज होने वाली है।

मिली में 7.5 किलोग्राम वजन बढ़ाना पड़ा जाह्नवी

-शूटिंग के दौरान लंबे वक्त तक फ्रीजर में रहना पडा बंद

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म मिली ने सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं, मानसिक तौर पर भी एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर को काफी प्रभावित किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि मिली फिल्म की शूटिंग के दौरान लंबे वक्त तक फ्रीजर में बंद रहने से न सिर्फ उनके शरीर पर असर पड़ा बल्कि इसने उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। मिली फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्सिंग स्नातक मिली नौडियाल पर आधारित है जो एक फ्रीजर में फंसने के बाद जिंदा रहने के लिए संघर्ष करती है। यह भूमिका कपूर ने निभाई है।यह फिल्म मथुकुट्टी जेवियर की मलयाली भाषा में बनी फिल्म का हिंदी रीमेक है। जेवियर ने ही हिंदी रीमेक का भी निर्देशन किया है। कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे याद है कि फिल्म ने मेरे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया। मैं शूटिंग पूरी करने के बाद जब घर लौटती थी और सोने जाती थी तो मुझे सपने में यह दिखता था कि मैं फ्रीजर में हूं. उन्होंने कहा, अगर आप दिन के 15 घंटे एक फ्रीजर में बिताएं और ज्यादातर वक्त परेशान रहें वह स्थिति वाकई बहुत अच्छी नहीं है. जाह्नवी ने कहा कि उन्हें भूमिका के लिए अपना 7.5 किलोग्राम वजन बढ़ाना पड़ा, क्योंकि निर्देशक चाहते थे कि उनका किरदार ऐसा दिखे जिससे दर्शक अच्छे से खुद जोड़ सकें। फिल्म जगत में बने रहने के सवाल पर 25 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी मां दिवंगत श्रीदेवी से सीखा है कि काम के माध्यम से अपनी जगह कायम रखी जा सकती है। जाह्नवी, दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निमार्ता बोनी कपूर की बेटी हैं। उन्होंने कहा, अगर आप किसी चीज के लिए अपना मन बना लें और उसके लिए लगन से काम करें तो वो आपको मिलना ही है. फिल्म में मनोज पाहवा और सन्नी कौशल भी हैं। इसके निमार्ता जी स्टूडियोज और बोनी कपूर हैं। यह फिल्म इस शुक्रवार को सिनेमा घरों में रिलीज की जाएगी। बता दें कि जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म मिली को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही एक्ट्रेस को अपने अभिनय में सुधार और निखार के लिए तारीफ मिल रही हैं। लेकिन उनकी ये फिल्म उनके लिए काफी चैलेंजिंग रही।

दिसंबर में शादी के बंधन में बंधने जा रही हंसिका

-शादी के फंक्शन की शुरूआत 2 दिसंबर से

मुंबई (ईएमएस)। आजकल एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी अपनी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह एक्ट्रेस दिसंबर में शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। वह जयपुर में शादी करने वाली हैं। हंसिका मोटवानी की शादी के फंक्शन की शुरूआत 2 दिसंबर से होने वाली है और 4 दिसंबर को यह एक्ट्रेस विवाह सूत्र में बंधने जा रही हैं, हालांकि अभी तक हंसिका के दूल्हे का नाम सामने नहीं आया है। उनके दूल्हे को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक हंसिका मोटवानी अरेंज मैरिज करने जा रही हैं तो वहीं उनके कुछ करीबी लोगों के मुताबिक वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ सात फेरे लेने जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2 दिसंबर को सूफी का आयोजन किया गया है। 3 दिसंबर को हंसिका की मेहंदी है और शाम को संगीत का फंक्शन होने वाला है। 4 दिसंबर की सुबह उनकी हल्दी होगी और रात को शादी संपन्न हो जाएगी। शादी के हर फंक्शन की एक थीम होने वाली है और शादी का वेन्यू जयपुर का भव्य मुंडोता फोर्ट निर्धारित किया गया है। हालांकि उनके दूल्हे के नाम का खुलासा अभी तक नहीं किया गया है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक उनके बॉयफ्रेंड का नाम सोहेल कथूरिया है और वह एक बिजनेसमैन हैं।

हंसिका मोटवानी ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने पॉपुलर टीवी सीरियल शाका लाका बूम बूम में काम किया था। उसके बाद उन्हें ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म कोई मिल गया में देखा गया था। उन्हें सीरियल देस में निकला चांद में भी देखा गया था। हंसिका ने बाद में साउथ की फिल्मों का रुख कर लिया था। उन्होंने तेलुगू, तमिल और मलयालम सहित कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। बता दें कि हंसिका मोटवानी बॉलीवुड और साउथ की काफी चर्चित एक्ट्रेस हैं। कभी अपने स्टाइलिश लुक को लेकर तो कभी अपने रिलेशनशिप को लेकर हंसिका चर्चा में बनी रहती हैं।

केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होगी 'द स्टोरीटेलर'

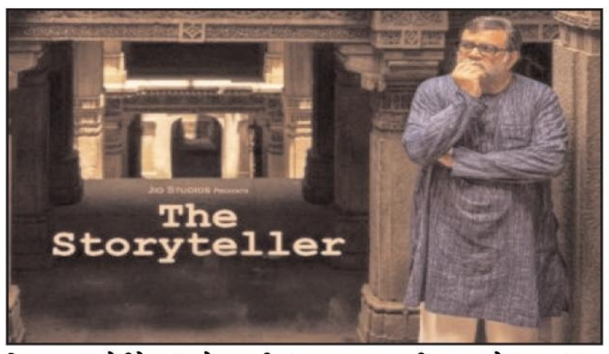

फिल्म 'द स्टोरीटेलर' को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के लिए चुने जाने के बाद केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफके) में प्रदर्शित किया जाएगा। इस फिल्म में परेश रावल, आदिल हुसैन, तनिष्ठा चटर्जी, जयेश मोरे और रेवती हैं। इस बारे में परेश रावल ने कहा, "ये गर्व और संतुष्टि के क्षण हैं।" महान फिल्म निमार्ता सत्यजीत रे की एक लघु कहानी पर आधारित, 'द स्टोरीटेलर' एक अमीर व्यवसायी की कहानी पर आधारित है, जो अपनी अनिद्रा को दूर करने में मदद करने के लिए एक कहानीकार को काम पर रखता है और अधिक पेचीदा हो जाता है, क्योंकि इसमें ट्विस्ट जुड़ जाते हैं।

फिल्म के चयन के अवसर पर अपने उत्साह को साझा करते हुए, निर्देशक अनंत महादेवन ने कहा, "सत्यजीत रे के शताब्दी वर्ष के बाद, इन प्रतिष्ठित समारोहों में 'द स्टोरीटेलर' का चयन इससे अधिक उपयुक्त समय पर नहीं हो सकता था। बुसान में विश्व प्रीमियर में मिली सराहना और अब भारत में आईएफएफआई और आईएफएफके में इसके चयन से बहुत संतुष्ट हैं।"

केआरके ने अपने ट्वीट में सलमान खान को कहा सॉरी

- पिछले दिनों केआरके की हो गई थी गिरफ्तारी

मुंबई (ईएमएस)। एक बार फिर कमाल आर खान (केआरके) का एक ट्वीट चर्चा में है। हालांकि, इस बार उन्होंने किसी को निशाने पर लेने के बजाय सॉरी कहा है। केआरके ने अपने ट्वीट में सलमान खान को सॉरी कहा है, लेकिन क्यों? चलिए आपको बताते हैं. दरअसल, पिछले दिनों केआरके गिरफ्तार हुए थे और उनका मानना था कि उनकी गिरफ्तारी के पीछे कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान थे। हालांकि, अब उनका कहना है कि उनके अरेस्ट होने के पीछे कोई और ही था, लेकिन सलमान खान नहीं तो कौन इस बात का खुलासा नहीं किया है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने यह भी कहा कि कई लोगों को लगता है कि उनकी गिरफ्तारी के पीछे करण जौहर थे, लेकिन ये भी गलत है. अपने ट्वीट में केआरके ने लिखा- मैं मीडिया के लोगों को बताना चाहता हूं कि जैसा मैंने सोचा था वैसा बिलकुल नहीं है। मेरी गिरफ्तारी के पीछे सलमान खान नहीं थे। आपको गलत समझने के लिए मैं आपसे माफी मांगना चाहता हूं भाईजान। यही नहीं, मैंने किसी और तरह से भी आपको दुख पहुंचाया हो तो उसके लिए भी सॉरी। मैं खुद ये फैसला कर रहा हूं कि अब से आपकी फिल्मों का रिव्यू नहीं करूंगा. केआरके के इस ट्वीट पर यूजर्स ने भी मजेदार रिएक्शन दिए हैं। दरअसल, सितंबर में केआरके दुबई से मुंबई लौटे थे, इसी दौरान पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट से हिरासत में ले लिया। केआरके पर पहले से ही दो मामले चल रहे थे। जिसकी वजह से उन्हें सीधे एयरपोर्ट से जेल ले जाया गया। रिपोर्ट्स थीं कि कमाल पर एक एक्ट्रेस ने गंभीर आरोप लगाए थे। गिरफ्तारी के बाद केआरके ने कहा कि इन सबके पीछे सलमान खान का हाथ है। लेकिन, अब उन्होंने खुद ही अपने आरोप वापस ले लिए हैं। बता दें कि कमाल राशिद खान यानी केआरके अपने ट्वीट्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। अपने ट्वीट में वह करण जौहर से लेकर सलमान खान तक, कई बड़े स्टार्स को निशाने पर लेते नजर आ जाते हैं।

आयुष के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएगी श्रेया

पहली बार एक्ट्रेस सुश्री श्रेया मिश्रा फिल्म 'एएस04' में आयुष शर्मा के साथ मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। यह पहली बार है जब अभिनेत्री मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। पूर्व फेमिना मिस इंडिया यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स श्रेया ने पहले अपनी पिछली परियोजनाओं में कुछ छोटी भूमिकाएँ की हैं जिनमें अभय देओल अभिनीत 'जीरो' और रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'मलाल' भी शामिल है। के.के. राधामोहन, श्रीसथ्यसाई आर्ट्स के बैनर तले, एएस04 कात्यायन शिवपुरी द्वारा निर्देशित है। फिल्म 2023 में रिलीज होने वाली है। फिल्म में महिला प्रधान के रूप में सुश्री को चित्रित करने के कारण, आयुष ने कहा, "हम 'एएस04' के लिए एक नए नाम की तलाश कर रहे थे, जो न केवल एक नया चेहरा है, बल्कि कोई है जो अपने व्यक्तित्व से आपका ध्यान खींच सकता है।" "सुश्री अपने लुक्स के साथ-साथ अपने अभिनय कौशल और एक्शन क्षमताओं के साथ बिल पर पूरी तरह फिट बैठती हैं। हमने पहले ही कुछ हिस्सों की शूटिंग कर ली है और हम उन्हें बोर्ड में पाकर रोमांचित हैं।"

नफीसा का फर्स्ट लुक जारी

लेखक व निर्देशक कुमार नीरज की मोस्ट अवेटेड फिल्म नफीसा का फर्स्ट लुक जारी किया जा चुका है। इस फिल्म में बॉलीवुड के मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के निर्देशन में एक सॉन्ग हिना पांचाल के ऊपर फिल्माया गया है। गदर फेम कैमरामैन नजीब खान ने इस फिल्म को खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया है। यह फिल्म बिहार में मुजफ्फरपुर बालिका गृह यौन उत्पीड़न कांड पर आधारित है। यह एक ऐसी घटना है जिसने न सिर्फ हमारे सभ्य समाज का हिस्सा होने के दावे को कलंकित कर दिया था, बल्कि बिहार की सियासत की चूलें हिला दी थीं। इस फिल्म को 4 महिलाओं ने मिलकर निर्मित किया है, जिसमें वैशाली देव, बीना शाह, मुन्नी सिंह और खुशबू सिंह के नाम शामिल है। फिलहाल फिल्म का पोस्टर सभी को पसंद आ रहा है। अब देखना यह है कि निर्देशक कुमार नीरज, कैमरा मैन नजीब खान और कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की तिकड़ी क्या कमाल करती है।

इस फिल्म में सारे मंजे हुए कलाकार हैं। फिल्म में अक्षय वर्मा, निषाद राज राणा, नाजनीन पटनी, सान्या सिन्हा, मनीषा, अनामिका पांडेय, राम सुजान सिंह, राजवीर सिंह, रतन राठोड, उपासना, राजू कुमार, जय प्रकाश शुक्ला, नवनित कुमार और उर्जान इच्छापुरिया अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

विद्या की इंदिरा का किरदार निभाने की इच्छा रही अधूरी

बालीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन की इंदिरा गांधी के किरदार निभाने की इच्छी भी अधूरी रह गई है। इस प्रोजेक्ट के टलने का कारण वर्तमान राजनीतिक सिनेरियो बताया जा रहा है।पत्रकार सागारिका घोष की चर्चित किताब ह्यमिसेज गांधीह्न को लेकर प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर एक वेबसीरीज बनाने वाले थे। इस सीरीज में विद्या बालन इंदिरा गांधी का किरदार निभाना चाहती थी।इसको लेकर अब एक बड़ी खबर सामने आई है।बताया जा रहा कि सिद्धार्थ रॉय कपूर का यह प्रोजेक्ट अभी टल गया है। साथ ही इसमें कंगना रनौत का भी नाम जोड़ा जा रहा है।कहा जा रहा है कि कंगना रनौत के कारण इस प्रोजेक्ट पर रोक लग दी गई है। एक रिपोर्ट की मुताबिक फिलहाल इस प्रोजेक्ट को टाल दिया गया है। इसका कारण तो वर्तमान का राजनीतिक परिदृश्य बताया जा रहा है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि कंगना रनौत भी अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी में इंदिरा गांधी का किरदार निभाने जा रही हैं। ऐसे में मेकर्स ने किसी कॉन्ट्रोवर्सी में फंसने की वजाय प्रोजेक्ट को स्थगित करने का फैसला लिया है।

सूडोकु नवताल- 6241

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6240 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 6988

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

लव लव लव,लगान,राख,दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

शब्दजाल - 6987 का हल

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
य	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	झ	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5941

	6	7	4		2	3
1	33		30	5	27	
	5		6		1	
2	36	4	31	6	26	
		5				2
6	36		31	3	34	4
3		1		7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5940 का हल

2	7	5	4	3	6	1
1	33	2	29	6	33	6
6	7	3	1	5	4	2
4	42	4	29	4	25	4
5	6	7	4	1	2	3
7	37	6	32	2	33	7
3	2	1	4	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

विराट कोहली और क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने रातों-रात गंवाए लाखों फॉलोअर्स

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया एप इंस्टाग्राम में तकनीकि खराबी का नुकसान क्रिस्टियानो रोनाल्डो और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों को हुआ है। इन दोनों दिग्गजों ने 31 अक्तूबर को इंस्टाग्राम पर अपने लाखों फॉलोअर्स गंवा दिए। इस दिन इंस्टाग्राम में तकनीकि खराबी थी और कई लोग अपना अकाउंट नहीं देख पा रहे थे। लोगों को पोस्ट और मैसेज देखने में भी परेशानी हुई। इसी दौरान विराट कोहली और रोनाल्डो ने अपने फॉलोअर्स गंवा दिए। हालांकि, अब यह समस्या ठीक हो चुकी है, लेकिन कोहली और रोनाल्डो को उनके फॉलोअर्स वापस नहीं मिले हैं। कई इंस्टाग्राम यूजर्स अपने अकाउंट नहीं देख पा रहे थे। उन्हें बताया जा रहा था कि उनका अकाउंट 31 अक्तूबर को निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा कई एप्पल यूजर्स ने बताया कि 30 सेकेंड के उपयोग के बाद उनका एप क्रैश हो गया। इसके अलावा अधिकतर लोगों के फॉलोअर्स की संख्या में बड़ी कमी आई। इस बीच फुटबॉल फैंस ने देखा कि स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के फॉलोअर्स काफी कम हो गए हैं। रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति हैं। इंस्टाग्राम में आई तकनीकि खराबी के कारण रोनाल्डो को लगभग 30 लाख फॉलोअर्स का नुकसान हुआ है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 49.3 करोड़ लोग फॉलो करते हैं, लेकिन इंस्टाग्राम पर तकनीकि खराबी के कारण उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है। रोनाल्डो के अलावा विराट कोहली के भी फॉलोअर्स की संख्या में बड़ी कमी आई है। विराट को फिलहाल 22.1 करोड़ लोग फॉलो करते हैं, वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले भारतीय व्यक्ति हैं। इंस्टाग्राम ने ट्वीट कर बताया कि तकनीकि समस्या का समाधान कर दिया गया है। इंस्टाग्राम की तरफ से लिखा गया हमने इस समस्या का समाधान निकाल लिया है। इसकी वजह से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को अपने अकाउंट देखने में समस्या आई और कई लोगों को अपने कुछ फॉलोअर्स भी गंवाने पड़े। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने भी ट्विटर पर माफी मांगी। इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की तरफ से अब तक यह नहीं बताया गया है कि यह तकनीकि खराबी क्यों आई थी।

न्यूज ब्रीफ

डीएवी नेशनल जोनल स्पोटर्स मीट पांच नवंबर से, 74 डीएवी स्कूलों के 3000 छात्र दिखाएंगे दमखम

धनबाद। डीएवी नेशनल जोनल स्पोटर्स मीट पांच सितंबर से हो रहा है। यह सात सितंबर तक चलेगा। इस बार इसकी मेजबानी डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर को मिली है। तीन दिवसीय इस आयोजन में झारखंड के 74 डीएवी स्कूलों के 3000 लड़के-लड़कियां विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शामिल होकर अपना दमखम दिखाएंगे। गुरुवार को डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर में आयोजित पत्रकार वार्ता में डीएवी झारखंड जोन-सी के रीजनल आफिसर केसी श्रीवस्ताव एवं डीएवी के प्राचार्य एनएन श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी। केसी श्रीवास्तव ने बताया कि पांच से सात सितंबर के बीच कुल 75 प्रतियोगिताएं होंगी। डीएवी कोयला नगर के साथ ही डीएवी मुनीडीह, डीएवी सीएफआरआइ, टाटा डीएवी जामाडोबा, डीएवी लोदना, डीएवी सिंदरी और टाटा डीएवी सिजुआ में खेलों का आयोजन होगा। जिस स्कूल में जो भी सुविधाएं हैं, उसके अनुरूप वहां उन्हीं खेलों का आयोजन किया जाएगा। पांच नवंबर को सुबह साढ़े दस बजे बतौर मुख्य अतिथि डीएवी सीएमसी नई दिल्ली के निदेशक जेपी सूर स्पोटर्स मीट का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर बीसीसीएल के सीनियर एडवाइजर पीवीकेआर मल्लिकार्जुन राव विशिष्ट अतिथि रहेंगे। सात नवंबर को दोपहर तीन बजे समापन समारोह होगा। इसमें बतौर मुख्य अतिथि बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता उपस्थित रहेंगे। इसमें विशिष्ट अतिथि सीआइएसएफ के डीआइजी विनय काजला उपस्थित रहेंगे। केसी श्रीवास्तव ने बताया कि लगभग छह वर्ष बाद डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर को खेलों के आयोजन की मेजबानी मिली है।

प्री क्वार्टर फाइनल में वाराणसी ने चंडीगढ़ को हराया, 64-38 से दी मात

जालंधर। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में चल रही पांच दिवसीय केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन खिलाड़ी अपना शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में 1100 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। हर खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर स्कूल को जीत दिला रहा है। इसी कड़ी में वीरवार को खेले गए मैचों में बास्केटबाल के प्री क्वार्टर फाइनल मैच में वाराणसी ने चंडीगढ़ को 64-38 स्कोर से हराया। चेन्नई ने पटना को 56-11 स्कोर से हराया। इसी तरह जयपुर ने गुरुग्राम को 50-10 स्कोर से हराया। वहीं मुंबई ने कोलकत्ता को 65-20 स्कोर से मात दी। हैंडबाल में लखनऊ, जयपुर, बेंगलुरु और रायपुर लीग मैच जीतकर ग्रुप के शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। कबड्डी के नाक आउट मुकाबले में जम्मू ने लखनऊ को 40-29 स्कोर से हराया। आगरा ने भुवनेश्वर को 55-33 स्कोर से हराया। जबकि दिल्ली ने रायपुर को 55-25 स्कोर से मात दी। गुरुग्राम ने चंडीगढ़ को 66-35 स्कोर से हराया। वालीबाल में जयपुर ने रांची को 3-0 से मात दी। चेन्नई ने जबलपुर को 3-0 स्कोर से हराया। वाराणसी ने हैदराबाद को 3-0, पटना ने दिल्ली को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। इसी मौके पर केवी चार के प्रिंसिपल करमबीर सिंह ने सभी की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि पांच दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ी अपना दमखम दिखा रहे हैं। खिलाड़ी खेल भावना का परिचय दे रहे हैं। आगे भी खिलाड़ियों की परफार्मेंस इसी तरह जारी रहेगी।

जेमिमा, दीप्ति प्लेयर ऑफ द मंथ की रेस में: दोनों ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया, दीप्ति प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं

नई दिल्ली। आईसीसी ने अक्टूबर के विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए भारत की 2 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस अवॉर्ड के लिए 3 खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया गया है। ये तीनों ही खिलाड़ी एशिया से हैं। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम हाल ही में बांग्लादेश में आयोजित विमेंस एशिया कप 2022 जीतकर चैंपियन बनी है। टीम की खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। अब भारत की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को अक्टूबर के आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ थे मंथ के लिए नॉमिनेट किया गया है। इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई तीसरी खिलाड़ी पाकिस्तान की ऑलराउंडर निदा डार हैं। विमेंस एशिया कप में लगातार अच्छे प्रदर्शन से दीप्ति ने साबित किया है कि वो यह अवॉर्ड डिजर्व करती हैं। दीप्ति ने कुल 8 मैच खेले और 7.69 के औसत से 13 विकेट चटकाए। दीप्ति का सबसे शानदार प्रदर्शन थाईलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ रहा। थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने महज 7 रन देकर 3 विकेट झटके। पाकिस्तान के खिलाफ भिड़ंत में 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 33 रन से हराया

सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद अभी भी कायम, शादाब का ऑलराउंड परफॉर्मेंस

नई दिल्ली।

टी-20 वर्ल्ड कप के 36वें मुकाबले में पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 33 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम अभी भी सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 185 रन बनाए। सबसे ज्यादा रन शादाब खान के बल्ले से आए, उन्होंने 22 बॉल में 52 रन की पारी खेली। इस दौरान शादाब ने 4 छक्के और 3 चौके जड़े। वहीं, इफ्तिखार अहमद ने 35 बॉल पर 51 रन बना दिए। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट एनरिक नोर्त्या ने लिए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 9 ओवर में 4 विकेट खोकर 69 रन बना लिए थे, तभी बारिश के कारण मैच रुका और डकवर्थ लुईस नियम के अनुसार 14 ओवर में 142 रन का टारगेट मिला और अफ्रीकी टीम 9 विकेट पर 108 रन ही बना पाई।

पाकिस्तान अभी भी पहुंच सकता है सेमीफाइनल में

पाकिस्तान का अगला मुकाबला 6 नवंबर को बांग्लादेश से है। पाकिस्तान की टीम यह मैच भी जीत लेती है तो उसके 6 पॉइंट्स हो जाएंगे। यह तो रही बात उस जीत की जो पाकिस्तान को अब भी चाहिए। अब उस चमत्कार की बात कर लेते हैं, जो अगर नहीं हुआ तो पाकिस्तान टीम अंतिम चार में नहीं पहुंच सकती। यह चमत्कार दो में से किसी एक मैच में भी हुआ तो बाबर आजम की टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। ये दो मैच साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड और भारत और जिम्बाब्वे हैं। अगर साउथ अफ्रीका या भारत में से एक भी टीम अपना आखिरी मैच हारती है तो बांग्लादेश पर विजय हासिल करने की स्थिति में पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

प्लेइंग इलेवन

साउथ अफ्रीका- क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), टेंबा बावुमा (कप्तान), रिले रूसो, एडेन मार्करम, हेनरिच क्लासेन, ट्रिस्टन स्टब्स, वेन पार्नेल, कगिसो रबाडा, लुंगी एंगिडी, एनरिच नोर्त्जे, तबरेज शम्सी।

पाकिस्तान- मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद हारिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, नसीम शाह।

पाकिस्तान ने प्लेइंग इलेवन में एक और साउथ अफ्रीका ने 2 बदलाव किए

पाकिस्तान ने प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। चोटिल फखर जमान की जगह मोहम्मद हारिस को टीम में लिया गया है। वहीं, साउथ अफ्रीका ने दो बदलाव किए हैं। चोटिल डेविड मिलर इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। उनके स्थान पर हेनरिक क्लासेन को टीम में रखा गया है। केशव महाराज की जगह तबरेज शम्सी टीम में आए हैं। दूसरी तरफ, साउथ अफ्रीका पूरे दमखम से उतरेगी और सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को ग्रुप 2 में सबसे ऊपर बनाए रखने की कोशिश करेगी। भारत को क्लोज कांटेस्ट में हराने के बाद टेम्बा बावुमा की टीम के हौसले बुलंद हैं। आंकड़ों की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 21 टी-20 मुकाबले खेले गए हैं। 11 पाकिस्तान और 10 साउथ अफ्रीका ने जीते हैं। अब इस वर्ल्ड कप के 36वें मैच में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी।

बल्लेबाजी के शिखर पर सूर्यकुमार

टी-20 रैंकिंग में पाक के रिजवान को पछाड़ा

नई दिल्ली।

भारत के सूर्य कुमार यादव दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बन गए हैं। वे आईसीसी की टी-20 रैंकिंग में टॉप पर आ गए हैं। सूर्या ने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को जारी रैंकिंग में सूर्यकुमार को पिछले मैच के अर्धशतक का फायदा मिला और उनके 863 अंक हो गए। यह अर्धशतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ आया था।

पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान 842 अंक लेकर दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के बीच 21 रेटिंग पॉइंट का डिफरेंस हैं। यानी सूर्या रिजवान से 21 पॉइंट्स ऊपर हैं। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे 792 पॉइंट के साथ तीसरे, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 780 पॉइंट के साथ चौथे और साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम 767 रेटिंग पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

नंबर-10 पर विराट कोहली

विराट कोहली भी 638 पॉइंट के साथ आईसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं। विराट इस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान शानदार फॉर्म में हैं। अब तक खेले गए 4 मैचों में वह 3 फिफ्टी समेत 220 रन बना चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 44 बॉल पर 64 रन बनाए। इस पारी के साथ वे इस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

1013 दिनों तक नंबर-1 थे कोहली

टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंचने वाले सूर्यकुमार यादव ओवरऑल 23वें और भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं। सूर्या के अलावा कोहली भी भारत से नंबर-1 पर रह चुके हैं। वे सितंबर 2014 से दिसंबर 2017 तक 1013 दिनों तक लगातार पहले स्थान पर थे।

सूर्या की वर्ल्ड कप में 2 फिफ्टी

इस टी-20 वर्ल्ड कप के 4 मैचों में सूर्या का बेहतरीन फॉर्म जारी है। पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में जल्द आउट होने के बाद सूर्या ने नीदरलैंड के खिलाफ 25 गेंद में 51 रन बनाए।

अफगानिस्तान-श्रीलंका मैच में चोटिल हुए राशिद: बाउंड्री बचाने की कोशिश में घुटना जख्मी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना तय नहीं

नई दिल्ली।

टी-20 वर्ल्ड कप में खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला जारी है। अफगानिस्तान-श्रीलंका के बीच ब्रिस्बेन में खेले गए मैच में फील्डिंग अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान इंजर्ड हो गए।

श्रीलंका ने इस मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया था। मैच हारने के साथ ही अफगानिस्तान सेमीफाइनल की रेस से भी बाहर हो गई। चोटिल होने से पहले अफगानिस्तान को ये मैच जिताने के लिए राशिद खान ने भरपूर कोशिश की। उन्होंने 4 ओवर में 31 रन देकर श्रीलंका के 2 विकेट चटकाए थे।

कैसे इंजर्ड हुए राशिद

श्रीलंका की पारी का19वां ओवर फजल फारुखी कर रहे थे। स्ट्राइक पर धनंजय डी सिल्वा थे। ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने पुल शॉट खेला। बॉल सीधे मिड-ऑन की तरफ गई। डीप-मिड विकेट पर खड़े राशिद खान ने बाउंड्री बचाने के लिए दौड़ लगा दी। उन्होंने दाएं पैर से स्लाइड लगाकर बॉल रोकने की कोशिश की। इस दौरान उनका घुटना मुड़ गया।

राशिद दर्द से कराहते हुए मैदान पर ही लेट गए। उनको खड़े होने में भी दिक्कत आ रही थी। फिजियो आए और राशिद को चेक किया। बाद में उन्हें मेडिकल स्टाफ ग्राउंड से ले गया।

सेमीफाइनल की रेस से बाहर हुई अफगानिस्तान

अफगानिस्तान के अब तक 4 मैच हुए हैं। 2 बारिश के चलते रद्द हो गए। 2 मैचों में अफगानिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका से हारने के बाद ग्रुप-1 के पॉइंट्स टेबल में अफगानिस्तान 2 अंकों और -0.71 के नेट रनरेट से छठवें नंबर पर है। इसका सीधा मतलब है कि अफगानिस्तान ग्रुप-1 की टॉप-2 टीम बनने और सेमीफाइनल खेलने की दावेदार नहीं है। अब अगर 4 नवंबर को अफगानिस्तान ऑस्ट्रेलिया से मैच जीत भी जाती है तो भी उसकी पोजिशन में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

करो या मरो मैच से पहले चोट पर बोले फिंच: ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा - यदि मुझे ठीक नहीं लगा तो मैं नहीं खेलूंगा

नई दिल्ली।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से एक बेहद अहम मैच के पहले डिफेंडिंग चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की चिंता बढ़ गई है। कप्तान एरोन फिंच हैमस्ट्रिंग इंजरी से नहीं उबर सके हैं। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा- यदि मुझे ठीक महसूस नहीं हुआ तो मैं नहीं खेलूंगा। आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद से ही फिंच और बैटर टिम डेविड की मांसपेशियों में खिंचाव है और इन दोनों का ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं है। फिंच ने बुधवार को ट्रेनिंग में हिस्सा लिया था, लेकिन गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान फिर उनकी फिटनेस पर गौर किया जाएगा। इसके बाद ही तय होगा कि वो शुक्रवार को मैदान पर उतरेंगे या नहीं। फिंच के साथ ही टिम डेविड का भी फिटनेस टेस्ट होगा।

अफगानिस्तान से आखिरी सुपर लीग मैच 4 नवंबर को

ऑस्ट्रेलिया का 4 नवंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबला होगा। यह मैच करो या मरो का रहेगा। दूसरी तरफ, इंग्लैंड के लिए भी श्रीलंका के खिलाफ ग्रुप का आखिरी मैच निर्णायक होगा। अगर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही टीमें अपने-अपने मैच जीत जाती हैं तो सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम का फैसला नेट रनरेट से होगा।

ऑस्ट्रेलिया अलग कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है

फिंच ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा- हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकते हैं। ये मेरी फिटनेस पर डिपेंड करता है। हमने अभी नेट रन रेट के बारे में चर्चा नहीं की है।

फील्डिंग के दौरान महसूस हुआ था दर्द

इस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है, लेकिन एरोन फिंच की चोट चिंता का विषय है। फिंच ने आयरलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी के बाद कुछ देर फील्डिंग भी की थी, लेकिन दौड़ने में उन्हें दिक्कत हो रही थी, इसके बाद वो मैदान से बाहर चले गए।

फिंच ने आयरलैंड के खिलाफ खेली थी 63 रनों की पारी

एरोन फिंच का प्रदर्शन टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा रहा है। उन्होंने सोमवार को आयरलैंड के खिलाफ 63 रनों की शानदार पारी खेली थी। इसकी मदद से ऑस्ट्रेलिया ने आसान जीत दर्ज की थी।

कोहली की फेक फील्डिंग पर कॉन्ट्रोवर्सी

थ्रो फेंकने का दिखावा किया, पेनल्टी लगती तो सुपरओवर होता

एडिलेड।

एडिलेड में बुधवार को भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ अहम जीत हासिल की। इसके बाद बांग्लादेश की टीम क्रिकेटर विराट कोहली की फील्डिंग पर सवाल उठा रही है। बांग्लादेशी विकेटकीपर नूरुल हसन ने कहा, मैच के दौरान कोहली ने फेक फील्डिंग की। हसन ने अंपायर के पेनल्टी न लगाने पर भी सवाल उठाया है। आरोप इसलिए गंभीर हैं, क्योंकि अगर अंपायर पेनल्टी लगा देता तो बांग्लादेश के खाते में 5 रन जुड़ जाते। ऐसा होता तो जो मैच भारत 5 रन से जीता है, वो टाई हो जाता और मैच सुपर ओवर में जा सकता था।

हाथ में गेंद नहीं थी, थ्रो फेंकने की एक्टिंग की - बांग्लादेश बैटिंग कर रही थी। तब तक बारिश के चलते मैच नहीं रुका था। 7वें ओवर की पहली बॉल को लिटन दास ने बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में खेला। जिसे अर्शदीप ने विकेट कीपर एंड पर थ्रो किया। बीच में कोहली भी दिख रहे थे। उनके पास न बॉल थी और न ही थ्रो उनकी ओर फेंका गया था, लेकिन कोहली ने नॉन स्ट्राइकर एंड पर थ्रो मारने का दिखावा किया। नीचे की तस्वीर में ये साफ नजर आ रहा है।

अंपायर ने कोहली के दिखावे को नजरंदाज कर दिया - जैसा ऊपर के फोटो में देखा जा सकता है कि जब विराट फेक थ्रो कर रहे थे। तब अंपायर सामने थे, लेकिन उन्होंने इसे फेक फील्डिंग नहीं करार दिया। इसलिए पेनल्टी नहीं लगाई गई। फेक फील्डिंग पर फील्ड अंपायर पेनल्टी लगा सकते हैं।

बांग्लादेश का आरोप- नकली थ्रो था, जुर्माने पर मैच हमारे फेवर में होता - भारत से मिली हार के बाद बांग्लादेश के नूरुल हसन ने कहा, मैदानी अंपायरों ने कोहली की फेक फील्डिंग को नजरअंदाज कर दिया। नूरुल ने कहा, यदि वह डिसीजन बांग्लादेश के पक्ष में होता, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। मैदान गीला था और इसका असर सभी ने देखा। मुझे लगा कि वह थ्रो नकली था। अगर उनके ऊपर जुर्माना लगाया जाता तो मैच हमारे पक्ष में होता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अगर टीम इंडिया पर पेनल्टी लगती तो भारत-बांग्लादेश मुकाबला सुपर ओवर में जा सकता था, क्योंकि फेक फील्डिंग पर 5 रन की पेनल्टी लगती है। भारत की जीत का अंतर भी 5 रन था। पेनल्टी की स्थिति में यह मैच ड्रॉ हो जाता। इसके बाद सुपर ओवर ही ऑप्शन था। फेक फील्डिंग यानी कोई फील्डर अपने हाव-भाव या एक्शन से बल्लेबाज को कन्फ्यूज करे। साथ ही दिखाए कि उसने बॉल पकड़ ली है, जबकि बॉल उसके पास गई ही न हो, इसे फेक फील्डिंग कहते हैं। आईसीसी के रूल 41.5 के तहत बल्लेबाज का ध्यान जानबूझकर भटकाने, उसे धोखा देने या बाधा पहुंचाने पर उस गेंद को डेड बॉल करार दिया जा सकता है। साथ ही बल्लेबाजी टीम को 5 रन पेनल्टी के तौर पर मिलेंगे। 4 अप्रैल 2021 को दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने फखर जमान को फेक फील्डिंग से आउट किया था।

मिस बारबाडोस ने लगाया फेवर देने का आरोप, कहा-

धांधली से मिस वर्ल्ड बनीं प्रियंका चोपड़ा

फिल्म एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा पर मिस बारबाडोस ने मिसवर्ल्ड 2000 के दौरान फेवर देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता 2000 के दौरान प्रियंका चोपड़ा को कई फेवर दिए गए, ताकि वह जीत सकें। अपने नए वीडियो में मिस बारबाडोस 2000 लीलानी ने प्रियंका चोपड़ा पर आरोप लगाया है। उनके यूट्यूब पर यह वीडियो अपलोड किया गया है। उनके 35 हजार फॉलोअर्स है। लीलानी ने अपने वीडियो में खुलासा किया है कि किस प्रकार प्रियंका चोपड़ा को फेवर दिया गया है। लीलानी मिस यूएसए 2022 को लेकर हुए विवाद के बारे में बताते हुए वीडियो में शुरुआत करती है। इसमें हाल ही में धांधली का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस वाकये से उन्हें अपना अनुभव याद आया है। वह बताती है कि मिस वर्ल्ड 1999 में भी भारत से थी। वहीं, मिस वर्ल्ड 2000 भी भारत से ही थी। उन्होंने यह भी कहा कि जब इन दोनों को चुना गया था, तब एक स्पॉन्सर भारतीय था। लीलानी वीडियो मैं कह रही है कि मिस वर्ल्ड में भी मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। मैं मिस बारबाडोस थी। जब मैं प्रतियोगिता में गई

तो भारत से चुना गया था। मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि एक वर्ष पहले भी भारत से ही मिस वर्ल्ड चुनी गई थी। तब शो का स्पॉन्सर जी टीवी था, जो कि भारतीय कंपनी है। लीलानी ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता 2000 के दौरान प्रियंका चोपड़ा को फेवर देने की बात भी कही है। वह कहती है कि प्रियंका का गाउन अच्छा बनाया गया था। उन्हें खाना अपने घर में मिलता था। उनकी फोटो अखबार में बड़ी छपती थी। जबकि अन्य लडकियों को साथ में खड़ा करके एक साथ फोटो खिंची जाती थी।

अपने भाग्य को चमकाने के लिए करें ये उपाय

अक्सर ऐसा होता है कि व्यक्ति अधिक मेहनत भी करता है लेकिन उसे सफलता प्राप्त नहीं होती है। बनते-बनते काम बिगड़ जाते हैं। इतना नहीं किसी भी काम को करने जाए तो उसमें अड़चन सबसे पहले आती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की जब किस्मत रूठ जाती है, तो किसी भी काम में सफलता हासिल नहीं होती है। ऐसे में जीवन में किसी न किसी तरह से नकारात्मकता बनी रहती है। माना जाता है कि ऐसा कई बार ग्रहों की स्थिति खराब होने के कारण भी होता है। अगर आप भी इस दौर से गुजर रहे है तो कुछ खास उपाय अपना सकते हैं। इससे आपको अवश्य लाभ मिलेगा।

किस्मत जगाने के लिए करें ये खास उपाय

- अपने भाग्य को जगाने के लिए बृहस्पति संबंधी उपाय अपना सकते हैं। इसके लिए पीपल की जड़ में जल चढ़ाएं। इसके साथ ही पीली वस्तुओं का दान करें।
- रोजाना 60 दिनों तक माथे में केसरिया चंदन लगाएं। ऐसा करने से किस्मत जाग जाती है।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दान करने से भी ग्रहों की स्थिति सही हो जाती है। इसलिए एक मुट्ठी चावल हथेली में लें और उसमें एक रुपए का सिक्का रखकर किसी मंदिर में जाकर कोने में रख आएं।
- अगर मेहनत करने के बावजूद सफलता हासिल नहीं हो रही है, तो एक सफेद रुमाल में चावल और एर सुपारी रखकर गांठ बांध दें और किसी मंदिर में रख आएं।
- रोजाना शाम के समय पूजा करते समय कपूर जलाएं। ऐसा करने से भी आपकी किस्मत जाग जाएगी।
- बाजार से बड़ा सा काला सूती धागा खरीद लाएं। इसके बाद अपनी उम्र के हिसाब से इसमें गांठ लगा लें। इसके बाद तुलसी का रस लेकर हर गांठ में लगा दें। इसके साथ ही पीला सिंदूर लगा दें। इसके बाद इस धागे को अपने दाएं हाथ की बाजू में बांध दें। लगातार 21 दिन बांधने के बाद आपको फर्क खुद नजर आने लगेगा।

घर पर सजाएं ये 5 तरह की मूर्तियां, खुल जाएंगे किस्मत के ताले

वास्तु शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की तरक्की से लेकर उसके स्वास्थ्य, रिश्ते तक पर सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। इसी कारण घर में ऐसी चीजों को रखा जाता है जिससे कि पॉजिटिव एनर्जी अधिक पैदा हो। वास्तु शास्त्र में ऐसी ही कुछ ऐसी ही मूर्तियों के बारे में बताया गया है। सजावट के रूप में इस्तेमाल होने वाली ये मूर्तियां व्यक्ति की किस्मत को चमका सकतीहैं। जानिए वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कौन सी मूर्ति रखने से मिलेगा ढेरों लाभ।

सुख-समृद्धि के लिए घर लाएं ये मूर्ति

हाथी की मूर्ति : वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में ठोस चांदी या फिर पीतल की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है। क्योंकि हाथी को ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा अधिक उत्पन्न होती है। इसके साथ ही धन लाभ के नए मार्ग खुलते है। वहीं बेडरूम में हाथी की मूर्ति रखने से वैवाहिक जीवन में खुशियां ही खुशियां आती है।

घोड़े की मूर्ति : घोड़े की मूर्ति घर में रखने से सफलता और ताकत मिलती है। घर की उत्तर दिशा में घोड़े की मूर्ति लगाने से हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। नौकरी- बिजनेस में भी अपार सफलता प्राप्त होगी। इसके साथ ही घर-परिवार में खुशियां बनी रहती है।

हंस की मूर्ति : हंस के जोड़े को घर में रखने से सुख-समृद्धि आती है। इसलिए घर की दक्षिण पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, सद्भावना में बढ़ोतरी होती है।

कछुआ : उन्नति और धन समृद्धि के लिए घर में कछुआ की मूर्ति रखनी चाहिए। ऐसा करने से उस घर में रहने वाले व्यक्ति की आयु भी बढ़ जाती है। घर की पूर्व और उत्तर दिशा में कछुआ रखना सबसे अच्छा है।

गाय बछड़े की मूर्ति : गाय की मूर्ति ऐसी लानी चाहिए जिसमें बछड़ा भी बना हुआ है। पीतल से बनी ऐसी मूर्ति घर में रखने से मानसिक शांति आती है।

डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच इन 5 मिथकों से भी बचकर रहें!

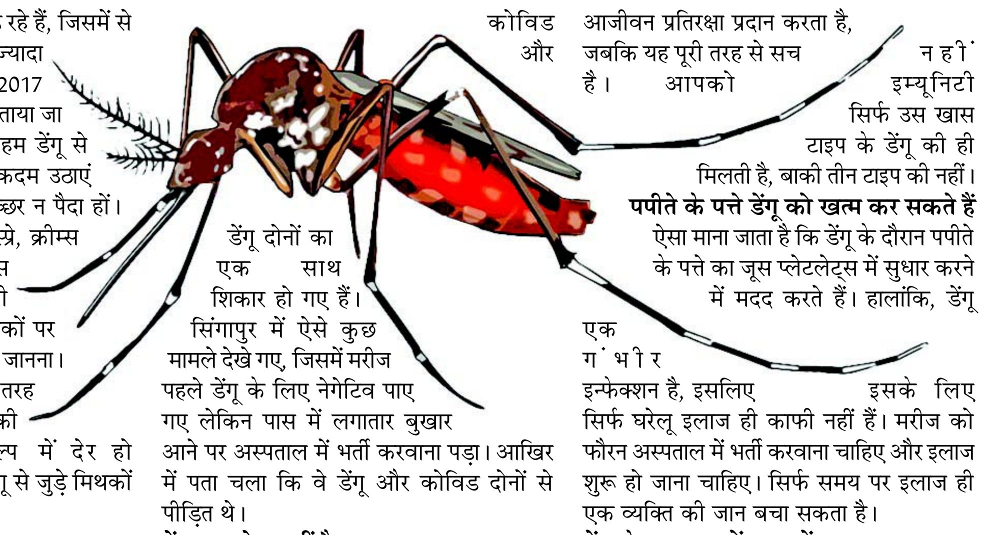

देश में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसमें से सिर्फ दिल्ली में दो हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। जो साल 2017 के बाद से काफी बड़ा आंकड़ा बताया जा रहा है। इस वक्त जरूरी है कि हम डेंगू से बचने के लिए खास सुरक्षा के कदम उठाएं ताकि हमारे घर के आसपास मच्छर न पैदा हों। घर पर मॉसकीटो नेट, रिपेलेंट स्प्रे, क्रीम्स आदि का उपयोग करें। जितना इस बीमारी से बचना जरूरी है, उतनी ही जरूरी है कि इससे जुड़े मिथकों पर विश्वास न करना और उनका सच जानना। अक्सर बीमारियों के साथ कई तरह के मिथक भी जुड़ जाते हैं, जिसकी वजह से इलाज और मेडिकल हेल्प में देर हो जाती है। तो आइए आज जानें डेंगू से जुड़े मिथकों के सच के बारे में:

कोविड से हल्की बीमारी है डेंगू

कोरोना वायरस और डेंगू में तुलना करना ही मुमकिन नहीं है, क्योंकि ये दोनों रोग दो अलग तरह के रोगजनकों के कारण होते हैं। ये दोनों बीमारियां गंभीर हैं, एक ने दुनिया भर में महामारी का रूप लिया, तो दूसरी हर साल खास मौसम में स्वास्थ्य सुविधाओं और मानव जीवन के जोखिम पर भारी बोझ डालती है। इसकी आपस में तुलना कभी भी नहीं की जा सकती है, साथ ही इन्हें कम भी आंका नहीं जाना चाहिए।

डेंगू और कोविड साथ में नहीं हो सकते

ऐसे कई मामले देखे गए हैं, जिसमें लोग कोविड और डेंगू दोनों का एक साथ शिकार हो गए हैं। सिंगापुर में ऐसे कुछ मामले देखे गए, जिसमें मरीज पहले डेंगू के लिए नेगेटिव पाए गए लेकिन पास में लगातार बुखार आने पर अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। आखिर में पता चला कि वे डेंगू और कोविड दोनों से पीड़ित थे।

डेंगू जानलेवा नहीं है

लोगों को पता होना चाहिए कि डेंगू को हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है। डेंगू में होने वाले दर्द को सहना आसान नहीं है। डेंगू बेहद खतरनाक बीमारी है, जिसके गंभीर हो जाने पर जीवन भर के लिए सेहत को नुकसान पहुंच सकते हैं।

डेंगू जिंदगी में सिर्फ एक बार होता है

यह सही नहीं! एक व्यक्ति को जीवन में चार बार डेंगू हो सकता है। साथ ही इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि दूसरी बार डेंगू ज्यादा गंभीर हो जाए। वायरस के चार सीरोटाइप हैं जो डेंगू का कारण बनते हैं। आम धारणा है कि संक्रमण डेंगू से आजीवन प्रतिरक्षा प्रदान करता है, जबकि यह पूरी तरह से सच नहीं है। आपको इम्यूनिटी सिर्फ उस खास टाइप के डेंगू की ही मिलती है, बाकी तीन टाइप की नहीं।

पपीते के पत्ते डेंगू को खत्म कर सकते हैं

ऐसा माना जाता है कि डेंगू के दौरान पपीते के पत्ते का जूस प्लेटलेट्स में सुधार करने में मदद करते हैं। हालांकि, डेंगू एक गंभीर इन्फेक्शन है, इसलिए इसके लिए सिर्फ घरेलू इलाज ही काफी नहीं हैं। मरीज को फौरन अस्पताल में भर्ती करवाना चाहिए और इलाज शुरू हो जाना चाहिए। सिर्फ समय पर इलाज ही एक व्यक्ति की जान बचा सकता है।

डेंगू के इन लक्षणों पर रखें नजर

डेंगू की शुरुआत होती है गंभीर सिर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मतली, उल्टी, सूजी हुई ग्रंथियां और दानों से। कुछ मामलों में प्लाज्मा के लीक होने, तरल पदार्थ जमा होने, सांस लेने में तकलीफ, गंभीर रक्तस्राव या अंग खराब होने के कारण संक्रमण गंभीर हो जाता है। मरीजों में पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, तेजी से सांस लेना, मसूड़ों या नाक से खून आना, थकान, बेचैनी, लीवर का बढ़ना, उल्टी या मल में खून आना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

ठंड में बीमार पड़ने से बचने के लिए जरूर खाएं ये सब्जियां

सब्जियों को हर मौसम में खाना चाहिए। सब्जियां खाने से हमारे शरीर में कई पोषक तत्वों की पूर्ति होती है। सर्दियों के मौसम में हमें बीमारियों से बचे रहने के लिए भी सब्जियों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। खासकर अगर आपका बच्चा सब्जियां खाने में आना-कानी करता है, तो उन्हें सब्जियों से बनी डिफरेंट डिशेज ट्राई करा सकते हैं। ठंड के मौसम में अपको कुछ सब्जियां जरूर खानी चाहिए।

चौलाई का साग : जिन लोगों में खून की कमी है या एनीमिया की प्रॉब्लम है, उन्हें चौलाई का साग जरूर खाना चाहिए। चौलाई के साग में विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

बथुआ : बथुआ भी काफी पौष्टिक होता है। सल में इसमें 8 प्रकार के विटामिंस ए, बी1 और विटामिन सी पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें कैल्शियम, लोहा, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।

पालक : पालक भी ठंड के दिनों का सबसे अच्छा साथी है। पालक में विटामिन बी, सी और ई पाया जाता है। इसके अलावा इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे पौष्टिक तत्व भी पाए जाते हैं।

गाजर : सर्दियों के दिनों में गाजर का हलवा सबसे पॉप्युलर डिश है। आप गाजर के हलवे के अलावा मिक्स वेज बनाने में भी गाजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। गाजर में विटामिन ए, पोटेशियम, फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे कई पोषक तत्व पाए जा सकते हैं।

चुकंदर : चुकंदर को फल और सब्जी दोनों माना जा सकता है। चुकंदर भी कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। वेट लॉस के लिए यह काफी फायदेमंद है। इसमें सोडियम, पोटेशियम, फाइबर जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**